बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

बालाघाट
सोमवार 28 अप्रैल 2025
वैशाख कृष्ण 15 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 212
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

E-mail: balaghatexpress@gmail.com
/padmeshmedia /padmeshmedia
epaper.balaghatexpress.in

खास खबर

ब्रिक्स की बैठक में शामिल नहीं होंगे विदेश मंत्री और एनएसए डोभाल

नई दिल्ली। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़े तनाव के चलते भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने ब्राजील में 30 अप्रैल को होने वाली ब्रिक्स विदेश मंत्रियों और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों की बैठक में शामिल नहीं होने का फैसला किया है। इनकी गैरमौजूदगी में भारतीय ब्रिक्स शेरपा बैठक में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। ब्राजील में होने वाली ब्रिक्स बैठक में 11 सदस्य देशों के विदेश मंत्री और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार शामिल होंगे। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य जुलाई में होने वाले ब्रिक्स सम्मलेन के लिए एजेंडा तैयार करना और उसे अंतिम रूप देना है। बैठकों में एआई, क्लाइमेट फाइनेंस, क्रॉस बॉर्डर पेमेंट्स इनीशियेटिव और मल्टीलेटरल संस्थानों में सुधार जैसे मामलों पर चर्चा की जाएगी। विदेश मंत्रियों की बैठक में यूक्रेन और पश्चिम एशिया जैसी अंतरराष्ट्रीय समस्याओं पर भी चर्चा होने की उम्मीद है। एनएसए और विदेश मंत्री ने इस बैठक में शामिल नहीं होने का फैसला इसलिए किया है, क्योंकि पहलगाम हमले के बाद सुरक्षा चिंताओं की वे निगरानी कर रहे हैं। ऐसे में ब्रिक्स मंच पर भारत की मौजूदगी को सुनिश्चित करने के लिए भारतीय ब्रिक्स शेरपा की भागीदारी अहम होगी।

दिल्ली में रह रहे पांच हजार पाकिस्तानी

नई दिल्ली। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ सख्त रुख अपनाया। पाकिस्तानियों को उनके देश वापस भेजने का काम किया जा रहा है। केंद्र सरकार के आदेश का पालन करते हुए कई राज्य सरकारें ने उनके राज्य में मौजूद पाकिस्तानी नागरिकों को वापस पाकिस्तान भेजने में लगी है। दिल्ली में करीब 5000 पाकिस्तानी नागरिकों की पहचान की गई है। भारत के खुफिया विभाग ने दिल्ली पुलिस को इसकी लिस्ट सौंपी है। आईबी ने दिल्ली में रह रहे करीब 5000 पाकिस्तानी नागरिकों की सूची दिल्ली पुलिस को सौंप दी है ताकि इन लोगों की घर वापसी सुनिश्चित की जा सके। विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय ने यह सूची दिल्ली पुलिस की विशेष शाखा के साथ साझा की है और आगे सत्यापन और पहचान के लिए इसे संबंधित जिले के साथ भी साझा किया गया है।

भारत-नेपाल सीमा पर हाई अलर्ट, श्रावस्ती में घर घर तलाशी अभियान

श्रावस्ती। उत्तर प्रदेश के श्रावस्ती जनपद के भारत नेपाल सीमा पर तैनात सशस्त्र बलों को संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने के निर्देश दिए गए हैं। नेपाल से भारत में आवाजाही करने वाले प्रत्येक व्यक्ति की कड़ी तलाशी ली जा रही है। सुरक्षा बलों के स्तर से सीमा के सभी महत्वपूर्ण रास्तों और चेक पोस्टों पर गहन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। बता दें कि जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद देशभर में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सतर्कता बढ़ा दी गई है। इसी क्रम में उत्तर प्रदेश के श्रावस्ती जनपद में स्थित भारत-नेपाल सीमा पर भी हाई अलर्ट घोषित कर दिया गया है। सुरक्षा एजेंसियों ने सीमा पर चौकसी और निगरानी बढ़ा दी है। स्थानीय पुलिस प्रशासन भी पूरी तरह सतर्क है और सीमा के आस-पास के गांवों में भी संदिग्ध व्यक्तियों की तलाश जारी है। खुफिया एजेंसियों को भी सक्रिय कर दिया गया है, ताकि किसी भी तरह की अनहोनी को समय रहते रोका जा सके। श्रावस्ती पुलिस अधीक्षक घनश्याम चौरसिया ने बताया कि सीमा पर आने-जाने वालों का पूरा विवरण लिया जा रहा है और हर संदिग्ध गतिविधि की जांच की जा रही है।

पीएम मोदी ने देश को फिर दिलाया आतंक के खिलाफ कार्रवाई का भरोसा

पहलगाम के पीड़ितों को न्याय मिलकर रहेगा

नई दिल्ली। मन की बात कार्यक्रम में पीएम मोदी ने एक बार फिर से पहलगाम हमले को लेकर दुख जताया और साथ ही पहलगाम के दोषियों को कड़ी सजा देने की बात दोहराई। उन्होंने कहा कि पहलगाम की घटना ने देशवासियों को पीड़ा पहुंचाई है और इसे लेकर देशवासियों के मन में गहरी पीड़ा है। लोग पीड़ित परिजनों के दर्द को महसूस कर सकते हैं। हर भारतीय का खून आतंक की तस्वीरों को देखकर खौल रहा है। ऐसे समय में जब कश्मीर में शांति लौट रही थी और लोकतंत्र मजबूत हो रहा था। पर्यटकों की संख्या में अभूतपूर्व बढ़ोतरी हो रही थी और लोगों की कमाई बढ़ रही थी, लेकिन देश के दुश्मनों को और जम्मू कश्मीर के दुश्मनों को ये रास नहीं आया। आतंकी चाहते हैं कि कश्मीर फिर से तबाह हो जाए। इस मुश्किल वक्त में 140 करोड़ देशवासियों की एकता सबसे बड़ा आधार है।

पीएम मोदी ने कहा कि हमें इस चुनौती का सामना करने के लिए अपने संकल्पों को मजबूत करना है। हमें एक दृढ़ राष्ट्र के रूप में अपनी इच्छाशक्ति को मजबूत करना है। भारत के लोगों में जो आक्रोश है, वो पूरी दुनिया में हैं। इस आतंकी हमले के बाद दुनियाभर से लगातार संवेदनाएं आ रही हैं। कई राष्ट्राध्यक्षों ने मुझे भी फोन करके पहलगाम की घटना पर दुख जताया है। इस जघन्य तरीके से किए गए आतंकी हमले की सभी ने कठोर निंदा की है। पूरा विश्व आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में देश के साथ खड़ा है। मैं पीड़ित परिवारों को भरोसा देता हूं उन्हें न्याय मिलेगा...और न्याय मिलकर रहेगा। इस हमले के दोषियों को कठोरतम जवाब दिया जाएगा।

भारत के साथ खड़ा है पूरा विश्व

पीएम ने ये भी कहा कि पूरा विश्व, आतंकवाद के खिलाफ हमारी लड़ाई में, 140 करोड़ भारतीयों के साथ खड़ा है। मैं पीड़ित परिवारों को फिर भरोसा देता हूं कि उन्हें न्याय मिलेगा, न्याय मिलकर रहेगा। इस हमले के दोषियों और साजिश रचने वालों को कठोरतम जवाब दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि पहलगाम में हुआ ये हमला, आतंक के सरपरस्तों की हताशा को दिखाता है, उनकी कायरता को दिखाता है। ऐसे समय में जब कश्मीर में शांति लौट रही थी, स्कूल-कॉलेजों में एक वाइब्रन्सी थी, निर्माण कार्यों में अभूतपूर्व गति आई थी, लोकतंत्र मजबूत हो रहा था, पर्यटकों की संख्या में रिकॉर्ड बढ़ोतरी हो रही थी, लोगों की कमाई बढ़ रही थी, युवाओं के लिए नए अवसर तैयार हो रहे थे। देश के दुश्मनों को, जम्मू-कश्मीर के दुश्मनों को, ये रास नहीं आया। पीएम ने कहा कि आतंकी और आतंक के आका चाहते हैं कि कश्मीर फिर से तबाह हो जाए और इसलिए इतनी बड़ी साजिश को अंजाम दिया। आतंकवाद के खिलाफ इस युद्ध में देश की एकता, 140 करोड़ भारतीयों की एकजुटता, हमारी सबसे बड़ी ताकत है। यही एकता, आतंकवाद के खिलाफ हमारी निर्णायक लड़ाई का आधार है। हमें देश के सामने आई इस चुनौती का सामना करने के लिए अपने संकल्पों को मजबूत करना है।प्रधानमंत्री मोदी ने आगे कहा कि साथियो, भारत के हम लोगों में जो आक्रोश है, वो आक्रोश पूरी दुनिया में है। इस आतंकी हमले के बाद लगातार दुनिया-भर से संवेदनाएं आ रही हैं। मुझे भी ग्लोबल लीडर्स ने फोन किए हैं, पत्र लिखे हैं, संदेश भेजे हैं। इस जघन्य तरीके से किए गए आतंकी हमले की सब ने कड़े शब्दों में निंदा की है। उन्होंने मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदनाएं प्रकट की हैं।

पहलगाम में आतंकी हमला भारत और पाकिस्तान में बढ़ी तानातानी...

कश्मीर के किश्तवाड़ में आर्मी यूनिफॉर्म रखने, सिलने-बेचने पर रोक...नेवी ने एंटी-शिप मिसाइल ड्रिल की

पहलगाम/नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर में पहलगाम के बैसरन घाटी में 22 अप्रैल को आतंकियों ने 26 पर्यटकों पर अंधाधुंध गोलियां बरसाकर हत्या कर दी थी। इसके बाद से घाटी में सुरक्षाबलों का सर्च ऑपरेशन जारी है। किश्तवाड़ में सेना की वर्दी की बिक्री, सिलाई और स्टॉक करने पर रोक लगा दी गई है। इस बीच सुरक्षाबलों ने कश्मीर घाटी में पिछले तीन दिनों में 10 आतंकियों के घर ब्लास्ट से उड़ा दिए हैं। कुपवाड़ा के कंडी खास इलाके में अज्ञात हमलावर ने 45 साल के गुलाम रसूल मगरे को उनके घर पर गोली मारकर हत्या कर दी। उधर, नौसेना ने अरब सागर में कई एंटी शिप फायरिंग ड्रिल की। खास बात यह है कि इस दौरान दागीं गई मिसाइलों से बहुत दूर तक सटीक निशाना लगाया जा सकता है। नौसेना ने कहा कि वह देश की समुद्री सुरक्षा के लिए पूरी तरह तैयार है। भारत की सख्ती और प्रतिबंध के चलते पाकिस्तान की घबराहट बढ़ी हुई है। मगर पाकिस्तान के मंत्री और नेता भारत को गीदड़भभकी देने से बाज नहीं आ रहे हैं। अब पाकिस्तान के मंत्री हनीफ अब्बासी ने भारत को खुलेआम परमाणु हमले की धमकी दी है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान ने अपने शस्त्रागार में 130 परमाणु हथियार केवल भारत के लिए रखे हैं। अब्बासी ने कहा कि अगर भारत सिंधु जल संधि को निलंबित करके पाकिस्तान की जल आपूर्ति को रोकने की हिम्मत करना है तो उसे पूर्ण युद्ध के लिए तैयार रहना चाहिए। पाकिस्तान के 130 परमाणु हथियार प्रदर्शन के लिए नहीं हैं। अगर भारत पानी की आपूर्ति बंद करता है, तो उन्हें युद्ध के लिए तैयार रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमारे पास जो सैन्य उपकरण हैं, जो मिसाइलें हैं, वे प्रदर्शन के लिए नहीं हैं। कोई नहीं जानता कि हमने देश भर में अपने परमाणु हथियार कहां रखे हैं? मैं फिर से कहता हूं ये बैलिस्टिक मिसाइलें, ये सभी भारत पर लक्षित हैं। जम्मू और कश्मीर के किश्तवाड़ में अब सेना की वर्दी की बिक्री, सिलाई और स्टॉक करने पर रोक लगा दी गई है। यह कदम इलाके की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए उठाया गया है। प्रशासन ने आदेश दिया है कि अब कोई भी व्यक्ति सेना की वर्दी नहीं बेच सकेगा, सिल नहीं सकेगा और न ही उसे रख सकेगा। यह नियम शांति और सुरक्षा बनाए रखने के लिए लागू किया गया है। सुरक्षा एजेंसियां इस पर नजर रखेंगी। नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी ने पहलगाम हमले की जांच शुरू कर दी है। एजेंसी पहले घटना के चश्मदीदों से पूछताछ कर रही है। डीआईजी, आईजी और एसपी के नेतृत्व में एनआईए की कई टीमें बनाई गई है। एनआईए ने बैसरन घाटी पहुंच घटनास्थल की जांच भी शुरू कर दी है। आतंकियों के घाटी में घुसने और बाहर निकलने वाली जगहों की तलाश की जा रही है। इस दौरान फोरेंसिक टीम की सहायता भी ली जा रही है।

पाक नागरिक अब 29 तक जा सकेंगे वापस

537 पाकिस्तानी अटारी के रास्ते वापस लौटे

अमृतसर। भारत में वीजा लेकर आए पाकिस्तानी नागरिक अब 29 अप्रैल 2025 तक वापस अपने देश जा सकते हैं। गृह विभाग ने ये फैसला लिया है। लेकिन इसमें सार्क वीजा को लेकर कोई भी बढ़ोतरी नहीं की गई है। वहीं, जिनका लॉन्ग टर्म वीजा अब तक स्वीकृत नहीं हुआ है, उन्हें भी भारत छोड़कर वापस पाकिस्तान लौटने का आदेश दिया गया था। इसी के चलते रविवार को भारत-पाकिस्तान बॉर्डर के अटारी-वाघा गेट पर रविवार को भी पाक नगारिकों की भीड़ देखने को मिली। कई परिवार अपने सामान के साथ लाइन में लगे नजर आए। इनमें बड़ी संख्या में महिलाएं, बुजुर्ग और छोटे बच्चे भी शामिल हैं। कई लोग भावुक होकर अपने भारतीय रिश्तेदारों से विदा लेते रहे। गृह मंत्रालय द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार, पाकिस्तान के वे नागरिक जो भारत में वीजा शर्तों का उल्लंघन कर रहे हैं या जिनके वीजा बढ़ाने की प्रक्रिया पूर्ण नहीं हुई है, उन्हें तत्काल देश छोड़ना होगा। पुलिस और इमिग्रेशन विभाग के अधिकारियों ने इन निर्देशों को सख्ती से लागू करने की तैयारी कर ली है। गुरदासपुर, अमृतसर, फिरोजपुर और पंजाब के अन्य सीमावर्ती जिलों से भी कई पाकिस्तानी नागरिक आज सीमा की ओर रवाना हुए हैं। अधिकारी हर स्थान पर दस्तावेजों की जांच कर रहे हैं ताकि कोई भी बिना अनुमति भारत में न रह सके। पंजाब पुलिस के प्रोटोकॉल ऑफिसर अरुण कुमार के अनुसार रविवार, को 237 के करीब पाकिस्तानी नागरिक वापस रवाना हुए। जबकि, 116 भारतीय वापस लौटे। अभी तक कुल 537 के करीब पाकिस्तानी नागरिक वापस जा चुके हैं और 850 के करीब भारतीय नागरिक भी वापस लौट चुके हैं।

बीएसएफ भी दुश्मनों को कड़ा जवाब देने को तैयार-अखिलेश

जैसलमेर (ईएमएस)। पहलगाम आतंकी हमले के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दो टूक कहा है कि आतंकियों को उनकी कल्पना से बड़ी सजा मिलेगी। पीएम मोदी के कड़े रुख के बाद बीएसएफ भी दुश्मनों को कड़ा जवाब देने को तैयार है। जैसलमेर बीएसएफ कंपनी कमांडेंट अखिलेश ने कहा कि हम दुश्मनों का जवाब देने को तैयार हैं। पीएम मोदी ने जो आतंकवादियों के खिलाफ जो कड़ा अपनाया है, उसे अंजाम तक पहुंचाने को बीएसएफ तैयार हैं। हम हमेशा से सरहदों पर अलर्ट रहते हैं। बीएसएफ ने सरहद पर सैनिकों की संख्या बढ़ दी है। हम हर तरह की परिस्थिति से निपटने के लिए तैयार हैं। हम बस आदेश का इंतजार कर रहे हैं। 1971 के युद्ध में बीएसएफ द्वारा दुश्मनों को खदेड़ने पर उन्होंने कहा कि हमारी तैयारी 1971 से भी ज्यादा बेहतर है। अगर हमारे समक्ष उस समय की स्थिति आती है, तब हम दुश्मनों को नेस्तनाबूद करने को तैयार हैं। सरहद के उस पार आतंकी हाफिज सईद के ठिकानों पर कहा कि उसकी मूवमेंट ग्राउंड पर दिखाई नहीं देती है। लेकिन, हमें खुफिया सूचना मिलती रहती है कि उसकी मूवमेंट पीछे की ओर है। हमारी उस पर पूरी नजर रहती है और पूरी तरह से मुस्तैद हैं और हर तरह से जवाब देने के लिए तैयार हैं। भारत-पाक जैसलमेर सीमा पर बीएसएफ सुरक्षा का जिम्मा संभालती है, जिसमें अवैध घुसपैठ और तस्करी को रोकना शामिल है। पहलगाम आतंकी घटना के बाद जवान अलर्ट मोड पर सीमा की निगरानी कर रहे हैं। युद्ध की स्थिति में दुश्मनों से कैसे पार पाना है, जवानों को इस बारे में विशेष ट्रेनिंग करते हुए भी देखा जा रहा है।

अवैध पाकिस्तानी नागरिकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी - फडणवीस

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने अवैध पाकिस्तानी नागरिकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की बात कही। उन्होंने कहा कि राज्य में अवैध रूप से रह रहे पाकिस्तानी नागरिकों को चिह्नित कर उनके खिलाफ त्वरित कार्रवाई होगी। केंद्र की नीति के अनुसार, अवैध पाकिस्तानी नागरिकों को उसी तरह ढूंढा जाएगा, जैसे बांग्लादेशी प्रवासियों के मामले में किया गया था। अवैध प्रवासियों की पहचान और उनके खिलाफ कार्रवाई के लिए राज्य सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध है। इस बीच, महाराष्ट्र के वरिष्ठ कैबिनेट मंत्री और बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले ने सीएम फडणवीस की प्रशंसा कर उन्हें राज्य का अब तक का सबसे बेहतरीन मुख्यमंत्री बताया। बावनकुले ने कहा कि फडणवीस 2034 तक मुख्यमंत्री के पद पर बने रहने वाले है। इस बयान पर हल्के-फुल्के अंदाज में प्रतिक्रिया देकर फडणवीस ने कहा, अगर बावनकुले का बस चले, तब वे मुझे अगले सौ साल तक मुख्यमंत्री बनाए रखे। सीएम फडणवीस ने कहा कि आतंकवाद से लड़ने का संकल्प और मजबूत हुआ है। पाकिस्तान को अगर सिंधु जल समझौते के तहत पानी की आपूर्ता? रोक दी गई, तब बूंद-बूंद पानी के लिए संघर्ष करना होगा।

बिहार सरकार ने बताया, सभी पाकिस्तानी नागरिक राज्य से जा चुके

पटना। बिहार की नीतीश सरकार ने कहा है कि हाल के दिनों में राज्य में आए सभी पाकिस्तानी नागरिक 27 अप्रैल की समय सीमा से पहले वापस जा चुके है। रिपोर्ट के मुताबिक बिहार सरकार द्वारा उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार बिहार के विभिन्न जिलों में विजिट वीजा और टूरिस्ट वीजा पर आए कुल 19 पाकिस्तानी नागरिक 25 अप्रैल या उससे पहले राज्य से जा चुके है। यह विवरण उन पाकिस्तानी नागरिकों से जुड़ा है, जो जनवरी 2025 के बाद राज्य में आए थे। गृह विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव अरविंद कुमार चौधरी ने बताया कि राज्य में कोई भी पाकिस्तानी नागरिक नहीं है। टूरिस्ट वीजा पर आए सभी पाकिस्तानी नागरिकों को वापस भेजा गया है। राज्य में अब केवल वे पाकिस्तानी नागरिक ही रह रहे हैं, जो मेडिकल वीजा और लॉन्ग टर्म वीजा (एलटीवी) पर हैं। नीतिश सरकार ने संबंधित अधिकारियों को सुनिश्चित करने का निर्देश दिया था कि कोई भी पाकिस्तानी नागरिक केंद्र द्वारा निर्धारित समयसीमा से आगे भारत में न रहे। बता दें कि पहलगाम हमले के बाद भारत से पाकिस्तानी नागरिकों को वापस भेजा जा रहा है।

यूएई के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद ने की पीएम मोदी से बात, पहलगाम हमले की कड़े शब्दों में की निंदा

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत को वैश्विक समर्थन मिलना जारी है। इसी क्रम में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से फोन पर बात की और आतंकी हमले में मारे गए निर्दोषों की हत्या की कड़े शब्दों में निंदा की। गौरतलब है कि 22 अप्रैल को हुए इस हमले में दो दर्जन से ज्यादा निर्दोष लोग मारे गए थे। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर इसकी जानकारी देते हुए बताया कि दोनों नेताओं ने एक स्वर में कहा, आतंकवाद का कोई भी रूप बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। यूएई के राष्ट्रपति ने इस दुखद घटना पर गहरी संवेदना व्यक्त की और भारत के प्रति अपनी अटूट एकजुटता दोहराई। प्रधानमंत्री मोदी ने भी इस समर्थन के लिए शेख मोहम्मद का दिल से आभार जताते हुए कहा, गुनहगारों को न्याय के कठघरे में लाया जाएगा। भारत का संकल्प अटल है। यह बातचीत भारत और यूएई के बीच मजबूत हो रहे रणनीतिक और कूटनीतिक संबंधों का भी प्रतीक है, जो वैश्विक आतंकवाद के खिलाफ साझा लड़ाई में नई मजबूती प्रदान कर रही है।

सुरक्षा बलों ने 10 आतंकियों के घर किए ध्वस्त

श्रीनगर। आतंकवादियों और आतंकी संपर्कों पर अपनी व्यापक कार्रवाई जारी रखते हुए सुरक्षा बलों ने बांदीपोरा जिले के चोटीपोरा गांव में एक आतंकवादी के घर को ध्वस्त कर दिया। अब तक करीब 10 आतंकियों के घर जमींदोज किए गए हैं। जिन आतंकियों के घर ध्वस्त किए गए हैं उनमें लश्कर-ए-तैयबा के आदिल हुसैन ठोकर, जाकिर अहमद गनई, अमीर अहमद डार, आसिफ शेख, शाहिद अहमद कुट्टे, अहसान उल हक अमीर, जैश-ए-मोहम्मद के अमीर नजीर वानी, जमील अहमद शेर गोजरी, द रेजिस्टेंस फ्रंट के अदनान सफी डार और फारूक अहमद तेदवा शामिल हैं। सुरक्षा अधिकारियों के अनुसार, अहसान उल हक ने 2018 में पाकिस्तान में प्रशिक्षण लिया और हाल ही में घाटी में घुसपैठ की थी। लश्कर कमांडर शाहिद अहमद कुट्टे कई राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों में शामिल रहा है और जाकिर अहमद गनी कई आतंकवाद-संबंधी गतिविधियों में कथित संलिप्तता के लिए निगरानी में था। अधिकारियों ने बताया कि फारूक अहमद तेदवा पाकिस्तान से अपनी गतिविधियां चला रहा है। वहीं, थोठर पर मंगलवार को पहलगाम में हुए आतंकी हमले में सीधे तौर पर शामिल होने का संदेह है। पुलिस प्रवक्ता ने कहा कि ध्वस्तीकरण और तलाशी का उद्देश्य जम्मू-कश्मीर में आतंकवादी तंत्र को नष्ट करना है। पहलगाम के बैसरन मैदान में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले के बाद अब तक कश्मीर में आतंकवादियों के 10 घरों को ध्वस्त किया जा चुका है। इस हमले में 26 लोगों की मौत हो गई थी। पहलगाम आतंकी हमले में अब तक 175 संदिग्धों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है।

आदेश-अटारी-वाघा सीमा पर लगी फसलें दो दिन के भीतर काट लें किसान

अटारी। भारत पाकिस्तान के बीच बन रहे युद्ध जैसे हालातों को देखते हुए अटारी-वाघा सीमा के आसपास के किसानों को निर्देश दिए गए है कि वे दो दिन के भीतर अपने खेतों की फसलें काट लें। रोड़ावाला गांव के गुरुद्वारा साहिब में की गई यह घोषणा पहलगाम में हुई एक घटना के बाद की है। गांव के सरपंच तरसेम सिंह ने गुरुद्वारा साहिब में बीएसएफ (सीमा सुरक्षा बल) अधिकारियों के निर्देश पर यह घोषणा की। घोषणा के अनुसार, जिन किसानों की जमीन भारत-पाकिस्तान सीमा के तारों के उस पार है, उन्हें दो दिन के भीतर अपनी फसल काट लेनी होगी। इसके बाद सीमा को पूरी तरह बंद कर दिया जाएगा और किसी भी किसान को फसल काटने की अनुमति नहीं दी जाएगी। गुरुद्वारा साहिब के बाबा ने इस दौरान उपस्थित लोगों को इस आदेश की गंभीरता को समझाते हुए तत्काल कार्रवाई करने की अपील की। इस घोषणा के बाद गांव के किसानों में तेजी से फसल कटाई का काम शुरू हो गया है। गांव के एक किसान हरदेव सिंह ने मीडिया को बताया, हमारी जमीन बाड़ के उस पार है। बीएसएफ के आदेश के बाद हमने तुरंत अपनी फसल काटना शुरू कर दिया है। पहलगाम में हुई घटना बेहद निंदनीय है और हम राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए बीएसएफ के हर आदेश का पालन करने को तैयार हैं।

पहलगाम हमले के बाद रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और सीडीएस चौहान के बीच अहम बैठक

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत सरकार ने आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई का संकेत दिया है। सुरक्षा बल जम्मू-कश्मीर में लगातार सर्च ऑपरेशन चला रहे हैं और एनआईए इस हमले की गहन जांच में जुटी है। रविवार को चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के आवास पर एक अहम बैठक की। इस बैठक में आतंकवादियों के खात्मे और जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा स्थिति को मजबूत करने की रणनीति पर चर्चा की गई। जानकारी के अनुसार रक्षा मंत्री के साथ हुई बैठक के बाद सीआरपीएफ, जम्मू-कश्मीर पुलिस, और सेना ने मिलकर संवेदनशील इलाकों में सर्च ऑपरेशन तेज कर दिया है, और कई संदिग्धों को हिरासत में लिया गया है। वहीं, सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के डायरेक्टर जनरल दलजीत सिंह चौधरी भी गृह मंत्रालय पहुंचे और सीमा सुरक्षा और आतंकवाद के खिलाफ चल रही कार्रवाइयों पर चर्चा की। इसके अलावा, एनआईए की एक विशेष टीम भी पहलगाम पहुंची है, जो आतंकी हमले की साजिश और आतंकी नेटवर्क की गहरी पड़ताल कर रही है। इस हमले की जिम्मेदारी लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े टीआरएफ ने ली है, और पाकिस्तान से संदिग्ध कनेक्शन के मद्देनजर भारत सरकार ने कई कड़े कदम उठाए हैं। इनमें सिंधु जल संधि का निलंबन, अटारी बॉर्डर चेकपोस्ट बंद करना, पाकिस्तानी नागरिकों के लिए वीजा सेवाओं पर रोक, और भारत में पाकिस्तानी राजनयिकों को 48 घंटे में देश छोड़ने का आदेश शामिल हैं। भारत की सुरक्षा स्थिति में यह रणनीतिक कदम पाकिस्तान के आतंकवाद को समर्थन देने वाली नीति के खिलाफ सख्त संदेश देते प्रतीत हो रहे हैं।

युवा कांग्रेस में चुनाव की प्रक्रिया हुई शुरू

उम्र की सीमा ने बदली युवा राजनीति की तस्वीर, वर्षों से जिला अध्यक्ष के लिए मेहनत कर रहे दावेदार हुये चुनाव से बाहर

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। कांग्रेस में युवा कांग्रेस के चुनाव की प्रक्रिया शुरू हो गई है । 27 अप्रैल से नामांकन फॉर्म भरे जाने की प्रकिर्या शुरू हो गयी है जो 6 मई तक चलेंगी । उसके बाद दावा आपत्ति और जमा किए गए फार्मो की जांच की जाएगी । प्रत्याशियों को 11 मई को घोषणा पत्र जमा करना है और उसके बाद 11 मई से 11 जून तक सदस्यता अभियान चलाया जाएगा । उसके बाद चुनाव की तारीख घोषित की जाएगी। इस बार चुनाव की प्रक्रिया को कांग्रेस ने पारदर्शिता लाने के लिए ऑनलाइन कर दिया है जिसमें प्रत्याशी ऑनलाइन एप के माध्यम से ही नामांकन फार्म भरेंगे और पूरी चुनाव की प्रक्रिया ऑनलाइन होगी , किंतु इस बार युवा कांग्रेस के चुनाव में बड़ा बदलाव किया गया है और प्रत्याशियों की उम्र की सीमा निश्चित कर दी गई है। जिससे यह चुनाव काफी चर्चित हो गया है और इसमें बहुत से ऐसे लोग थे जिन्होंने पहले से ही युवा कांग्रेस के चुनाव लड़ने के लिए मेहनत किए थे, वह उम्र की सीमा निश्चित होने के कारण बाहर हो चुके हैं । इसके बाद कई चर्चित चेहरे तो मायूस है तो वही कुछ लोग ऑनलाइन प्रक्रिया होने के कारण अपने स्तर पर नामांकन फॉर्म भर रहे हैं और चुनाव का उतना उत्साह सीधे नहीं दिखाई दे रहा है ।

आपको बता दे कि युवा कांग्रेस के चुनावों का बिगुल बज चुका हैं। 27 अप्रैल से शुरू हुई चुनावी प्रक्रिया से फिर एक बार चुनाव का माहौल बन रहा हैं । लेकिन इस बार चुनाव में सबसे चर्चित बात उम्र की सीमा रही है । संगठन ने साफ कर दिया हैं कि केवल 18 से 35 वर्ष तक के ही युवा चुनाव लड़ सकेंगे। इससे कई ऐसे युवा नेता, जिन्होंने बीते वर्षों में संगठन के लिए मेहनत की, अब इस दौड़ से बाहर हो गए हैं। इन नेताओं का मानना है कि यदि चुनाव 2023 में तय समय पर हो जाते, तो वे भी इस मंच पर अपनी भूमिका निभा सकते थे। अब जब दो साल बाद चुनाव हो रहे हैं, तो उम्र की सीमा पार कर चुके कई पूर्व युवा नेता केवल दर्शक बनकर रह गए हैं। संगठन के इस निर्णय पर उठ रहे सवाल यह भी दिखाते हैं कि राजनीतिक मंच पर देरी सिर्फ तारीखों को नहीं, अवसरों को भी पीछे छोड़ देती है। जबकि बहुत से पूर्व युवा नेता और संगठन में सक्रिय रहे युवा नेता जिला अध्यक्ष का चुनाव लड़ना चाहते थे, किंतु उम्र की सीमा से सभी बाहर हो गए हैं । इस बार संगठन द्वारा चुनाव में पारदर्शिता लाने के मकसद से चुनाव को ऑनलाइन एप के माध्यम से करवाया जा रहा है पहले दिन एप के माध्यम से कुछ अभ्यर्थियों द्वारा नामांकन फार्म भी भरे गए हैं किंतु पूरी

प्रक्रिया ऑनलाइन होने के कारण अभी यह स्पष्ट नहीं हो पा रहा है कि अभी तक कितने लोगों ने नामांकन फार्म जमा किया है । इस बार जिले में यूथ कांग्रेस के जिला अध्यक्ष ,विधानसभा अध्यक्ष और ब्लॉकों में ब्लॉक अध्यक्ष के चुनाव होने हैं जिसके लिए 27 अप्रैल से नामांकन फॉर्म भरे जाने की प्रक्रिया शुरू हो गई है ।

पारदर्शिता की ओर ऑन्लाइन हुई प्रकिर्या

इस बार पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन माध्यम से संचालित की जा रही है। संगठन की ओर से मोबाइल ऐप पर कुछ रुपए शुल्क देकर 18 से 35 आयु वर्ग के युवक-युवती सदस्य बन सकते हैं और तुरंत बोटिंग भी कर सकते हैं। इसके लिए आधार या वोटर कार्ड के साथ फोटो/वीडियो अपलोड करना अनिवार्य होगा। अधिकांश युवा नेताओ का माना है कि यह ऑनलाइन (तकनीकी प्रणाली) चुनाव में पारदर्शिता लाएगी।

उम्र की सीमा से युवा नेता नाराज

इस चुनावी प्रक्रिया ने एक बार फिर सवाल खड़े किए हैं कि क्या किसी संगठन में तय समय पर चुनाव न कराना महज तकनीकी चूक है या राजनीतिक रणनीति, 2020 में कार्यकाल पूरा होने के बाद 2023 में चुनाव की उम्मीद थी, लेकिन जब 2025 में चुनाव हो रहे हैं, तो साफ है कि कई युवा नेता अब युवा की परिभाषा से ही बाहर हो चुके हैं। उनके लिए यह चुनाव एक बंद दरवाजा बन गया है। जबकि उम्र की सीमा लाने से बहुत से चर्चित नाम और संगठन के लिए मेहनत कर रहे हैं युवा नेता चुनाव से बाहर हो गए और वह अब संगठन से नाराज भी नजर आ रहे हैं। जबकि कई युवा नेता वर्ष 2020 से युवा कांग्रेस में चुनाव होने का इंतजार कर रहे थे , ताकि वह इस चुनाव में भाग ले सके, किंतु उम्र की सीमा से सभी का मनोबल टूट गया।

इन्होंने की दावेदारी

जहां एक ओर यह पूरी प्रक्रिया एप के माध्यम से ऑनलाइन हो रही है तो वही कुछ युवा नेताओं ने युवा कांग्रेस के चुनाव में अपनी दावेदारी की है ।जिसमें वार्ड क्रमांक 27 के युवा पार्षद आशुतोष डहरवाल द्वारा युवा कांग्रेस के जिला अध्यक्ष के लिए दावेदारी की है जो इस समय वार्ड क्रमांक 27 के पार्षद पद पर पदस्थ हैं। लंबे समय से एनएसयूआई में जिला अध्यक्ष के पद पर रहे दयाल वासनिक ने भी हो रहे युवा कांग्रेस के चुनाव में जिला अध्यक्ष के लिए दावेदारी की है। दयाल वासनिक द्वारा कॉलेज के समय से राजनीति करते हुए छात्र जीवन से राजनीति में अपने कदम रखे थे , जो लगातार छात्रों की मांगों को रखते हुए कई आंदोलन, प्रदर्शन और चक्का जाम कर वह आगे ब ?ते गये , उन्होंने कांग्रेस के विधानसभा और लोकसभा चुनाव में भी कांग्रेस को मजबूत करने और संगठन के लिए काम किया है । वही इस बार फिर वह जिला अध्यक्ष के लिए अपनी किस्मत आजमाने उतरे हैं। विधानसभा अध्यक्ष के लिए नितिन सीहोरे और दीपक जादव ने भी दावेदारी की है तो अन्य ब्लॉक अध्यक्ष के होने वाले चुनाव में भी अलग-अलग ब्लॉकों से युवा नेता ब्लॉक अध्यक्ष के लिए अपना नामांकन फार्म भरेंगे ।

2 दिन से लापता महिला का शव तारफाटा नाले से बरामद

बालाघाट(पदमेश न्यूज)। जिले के बहेला थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम कांदला के तारफाटा के नाले से इसी ग्राम की एक महिला वायवंता पति सुकरु उइके 50 वर्ष का शव बरामद किया गया। यह घटना 25 अप्रैल को उसे समय हुई जब यह महिला बकरी चराने के लिए घर से निकली थी। इस महिला की नाला में फिसलने से मौत होने की संभावना व्यक्त की जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार वायवंता बाई अपने परिवार के साथ खेती मजदूरी करती थी। जिसके परिवार में पति सुकरु उइके के अलावा तीन लड़के और तीन लड़की है। तीनों लड़की और दो लड़कों की शादी हो चुकी है। सभी लोग बाहर शहर में जाकर मजदूरी करते हैं। हाल ही में बायवंता बाई के बेटे मजदूरी करके घर आये हुये थे और शादी चले गए थे। घर में वायवंता बाई अपने पति शुकरु उइके के साथ में थी। 25 अप्रैल को सुबह 10ः00 बजे वायवता बाई का पति सुकरु उइके शादी में चला गया था। इसके बाद वायवंता बाई बकरी चराने चली गई थी। शाम को जब उसका पति सुकरु उइके घर आया उस समय वायवता। बाई घर में नहीं थी। इस दौरान उसके बेटे भी आ गए थे ।पूछने पर बताया कि वायवता बाई बकरी चराने गई थी किंतु नहीं लौटी। वायवंता बाई की उसके परिजनों ने गांव मोहल्ले में खोजबीन किये। किंतु वह नहीं मिली। बताया गया की 25 अप्रैल को 3:30 बजे करीब ग्राम खांडाफरी के चरवाहे ने ग्राम कांदला के तारफाटा नाले में एक महिला की लाश देखी थी। इस संबंध में उन्होंने ग्राम कांदला के सरपंच को बताया था। रात्रि होने इस संबंध में सरपंच ने किसी को नहीं बताया। दूसरे दिन 26 अप्रैल को ग्राम कादला समीप तारफाटा के नाला में वायवंता बाई का शव दिखाई दिया। जिसकी सूचना मिलने पर बहेला पुलिस थाने से सहायक उपनिरीक्षक बिज्जू माम्मन अपने स्टाफ के साथ कांदला पहुंचे और मृतिका वायवंता बाई का बरामद किए। शव पंचनामा कार्यवाही पश्चात पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौप दिया गया। संभावना व्यक्त की गई की वायवंता बाई नाले में हाथ पैर धोने के दौरान नाले में फिसलने से उसकी नाले में डूबने से मौत हो गई। आगे मर्ग जांच सहायक उप निरीक्षक श्री माम्मन द्वारा की जा रही है।

खमरिया के तालाब में डूबने हुई मृत्यु के मामलें में एसडीएम ने जारी की आर्थिक सहायता

मृतकों के परिजनों को 4-4 लाख रुपये की राशि स्वीकृत

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। लालबर्रा तहसील में खमरिया के तालाब में शनिवार को कार्तिक पिता अरूण पटले और बसंतराय शरणागत की डूबने से मृत्यु के बाद एसडीएम वारासिवनी द्वारा प्राकृतिक आपदा में आर्थिक सहायता स्वीकृत की गई है। उन्होंने लालबर्रा तहसीलदार द्वारा प्राप्त प्रकरण में कई गई अनुशंसा पर मृतक के पीडित पिता नेमचंद जाति पवार निवासी ग्राम खमरिया और मृतक बसंतराय शरणागत के पीडित पुत्र नंदकिशोर शरणागत 4-4 लाख रूपये की राशि स्वीकृत की गई है।

आदिवासी लड़कियों से सामूहिक दुष्कर्म के मामले में आरोपियों को दी जाए फाँसी

मप्र आदिवासी कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष रामू टेकाम ने बालाघाट पहुचकर लिया मामले का संज्ञान, मांग पूरी न होने पर बालाघाट सहित प्रदेश भर में आंदोलन की दी चेतावनी

बालाघाट (पदमेश न्यूज़)। हट्टा थाना क्षेत्र में बीते दिनों 04 आदिवासी लड़कियों के साथ सामूहिक दुष्कर्म का एक मामला सामने आया है। जिले के इस सनसनीखेज सामूहिक बलात्कार कांड में आदिवासी समाज सहित सर्व समाज द्वारा लगातार आरोपियों को फांसी की सजा दिए जाने की मांग की जा रही है ।हट्टा थाना क्षेत्र में घटित उक्त सामुहिक दुष्कर्म वाली घटना की जानकारी मिलते ही मध्य प्रदेश आदिवासी कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष रामू टेकाम बालाघाट पहुंचे। जहां उन्होंने जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष संजय उईके, मध्य प्रदेश आदिवासी विकास परिषद अध्यक्ष दिनेश धुर्वे सहित अन्य सामाजिक बन्धुओ के साथ पीड़ितों के गांव पहुंचकर उनके परिजनों से मुलाकात की ।वही परिवार से वस्तु स्थिति की जानकारी लेकर पुलिस अधीक्षक नगेंद्र सिंह से मुलाकात की है जिन्होंने सामूहिक दुष्कर्म वाले मामले में लिप्त सभी आरोपियों पर वैधानिक कार्यवाही किए जाने की मांग की है। शनिवार की देर रात नगर के सर्किट हाउस में एसपी से मुलाकात कर मध्य प्रदेश आदिवासी कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष रामु टेकाम ने रात में ही पत्रकार वार्ता का आयोजन किया। आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान उन्होंने प्रदेश भर में आदिवासियों पर समय समय पर हो रहे अत्याचार की बात कहते हुए इस सामुहिक दुष्कर्म वाले मामले की कड़ी निंदा की है ।जहां उन्होंने सामूहिक दुष्कर्म के इस मामले में लिप्त

सभी आरोपियों को सिर्फ और सिर्फ फांसी की सजा सुनाई जाने की मांग की। तो वहीं उन्होंने इस पूरे मामले को लेकर बालाघाट सहित संपूर्ण प्रदेश में आंदोलन किए जाने की भी बात कही है।

कानून व्यवस्था पर लगातार हमलावर हो रही कांग्रेस

इधर घटित हुए घटनाक्रम को लेकर अब कांग्रेस प्रदेश सरकार पर हमलावर दिखाई दे रही है, बीते दिनों तक जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष संजय उईके और विधायक अनुभा मुंजारे ने प्रदेश में हो रही दुष्कर्म की घटनाओं को प्रदेश सरकार का फेलियर बताया तो वही 26 अप्रैल को बालाघाट पहुंचे प्रदेश आदिवासी कांग्रेस अध्यक्ष रामू टेकाम ने आरोपियों को फांसी की सजा सुनाये जाने की मांग की, बतांदे कि 26 अप्रैल को प्रदेश आदिवासी कांग्रेस अध्यक्ष रामू टेकाम का बालाघाट आगमन हुआ था जिन्होने पीड़ितों के गाँव पहुंचकर पीड़ित परिवार से चर्चा की, जिसके बाद वह बालाघाट पहुंचे और मामले में पुलिस अधीक्षक से विस्तृत जानकारी लेते हुए मामले को फास्ट ट्रेक कोर्ट में चलाकर ऐसा घिनौना कृत्य करने वाले आरोपियों को तत्काल ही फॉसी की सजा दिलवाये जाने की मांग की।

तो बालाघाट सहित प्रदेश भर में होंगे आंदोलन- रामु टेकाम

देर रात आयोजित पत्रकार वार्ता को सम्बोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष रामु टेकाम ने बताया कि लगातार कांग्रेस आदिवासी समाज, दलितों के खिलाफ होने वाले अत्याचारों के खिलाफ लड़ाई लड़ रही है, यह जो घटना घटी है या काफी निंदनीय है। हमने एसपी साहब से मुलाकात कर मामले में त्वरित और वैधानिक कार्रवाई किए जाने की मांग की है। जल्द ही इस घटना के खिलाफ बालाघाट सहित पूरे प्रदेश में कांग्रेस आंदोलन करेगी और आरोपियों को फॉसी की सजा दिये जाने की मांग की जायेगी।इस दौरान कांग्रेस जिलाध्यक्ष संजय उईके, आदिवासी कांग्रेस के पदाधिकारी दिनेश धुर्वे, युवा नेता शुभम, सहित अन्य मौजूद रहे।

बालाघाट प्रवास पर पहुंचे मध्यप्रदेश तेल घानी बोर्ड के अध्यक्ष साहू

जिला तेली साहू समाज के पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं ने किया स्वागत, विभिन्न मुद्दों पर की चर्चा

बालाघाट(पदमेश न्यूज)। मध्यप्रदेश तेल घानी बोर्ड के अध्यक्ष रामकिशन साहू (केबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त) का रविवार को एक दिवसीय प्रवास पर बालाघाट आगमन हुआ। बालाघाट प्रवास के दौरान बोर्ड अध्यक्ष साहू अनेक कार्यक्रमों में शामिल हुए। वहीं जिला तेली साहू समाज के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने स्थानीय सर्किट हाउस में उनसे मुलाकात कर उनका आत्मीय स्वागत किया। मुलाकात के दौरान जिले में सभी ग्रामों में संत जगनाडे महाराज और माता कर्मा का मंदिर बनाए जाने, जिला मुख्यालय में सामाजिक भवन बनाए जाने, सामाजिक गतिविधियों, समाज के उत्थान, समाज के लोगों को शिक्षित कर जागरुकता लाने सहित अन्य विषयों पर चर्चा की ।इस दौरान जिला तेली साहू समाज के संरक्षक नारायण मदनकर ने जिले में हो रही सामाजिक गतिविधियों के बारे में अवगत कराया। पूर्व अध्यक्ष कैलाश साहू ने जिला मुख्यालय में माता कर्मा का मंदिर, समाज का भवन सहित अन्य आवश्यकताओं के बारे में जानकारी दी।

सभी की एकजुटता और ताकत के कारण समाज को मिला बड़ा सम्मान - साहू

मप्र तेल घानी बोर्ड के अध्यक्ष रामकिशन साहू ने कहा कि जब समाज की रथयात्रा का समापन भोपाल के जंबूरी मैदान में हुआ था, तब मप्र प्रदेश सरकार ने सभी की एकजुटता और ताकत के कारण समाज को सम्मान दिया। मध्यप्रदेश तेल घानी बोर्ड का गठन किया। इस बोर्ड के प्रथम अध्यक्ष होने का गौरव उन्हें प्राप्त हुआ है। प्रदेश सरकार के इस प्रयास से अब तेली समाज का एक व्यक्ति मंत्री सदैव बना रहेगा, चाहे सरकार किसी भी दल की हो। उन्होंने कहा कि प्रत्येक पांच वर्ष में समाज का एक महाकुंभ भोपाल के जंबूरी मैदान में होगा। इस महाकुंभ के माध्यम से हम अपने समाज की एकजुटता और ताकत का प्रदर्शन कर सकते हैं। इसके अलावा उन्होंने प्रदेश में समाज के द्वारा किए गए कार्यों की जानकारी भी दी। उन्होंने जिले के सभी सामाजिक बंधुओं से आव्हान किया है कि वे समाज हित में जो भी सहयोग बनेगा, वह करने के लिए हमेशा तत्पर है।

इस अवसर पर जिला तेली साहू समाज के संरक्षक नारायण मदनकर, महिला प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष आशा साहू, पूर्व जिला अध्यक्ष कैलाश साहू, कन्हैया लाल हटवार, इशूलाल धावड़े, जिला मीडिया प्रभारी भानेश साकुरे, हीरा बावनकर, रवि भेलावे, त्रिवेणी साहू, रजनी साहू, कीर्ति साहू, संजय हटवार, संतोष हटवार, सारिका हटवार, बसंत समरिते, सुशीला समरिते, दिव्यांश बावनकर, रुद्र हटवार सहित अन्य बड़ी संख्या में सामाजिक बंधु उपस्थित थे।

दुष्कर्म में शामिल आरोपियों को कठोर दंड दिया जाएगा- सांसद श्रीमती पारधी

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। हट्टा थाना क्षेत्र के दुगलई में गत 23 अप्रैल को दुष्कर्म की घटना में शामिल सभी 7 आरोपियों को जेल भेज दिया गया है। पुलिस द्वारा की गई त्वरित कार्यवाही के बाद कठोर दंड देने के लिए पुलिस द्वारा कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी। रविवार को सांसद श्रीमती भारती पारधी पीड़ित बालिकाओं से मिलकर ढांढस देते हुए कठोर कार्यवाही के लिए आश्वस्त किया। साथ ही सांसद श्रीमती पारधी ने जनजाति कार्य विभाग द्वारा स्वीकृत राहत राशि का स्वीकृति आदेश प्रदान किया।

सांसद श्रीमती पारधी वन स्टॉप सेंटर में रह रही पीडिताओं से मिलने पहुँची थी। इसके पश्चात वे परिजनों से मिलने दुगलई पहुँची। परिजनों के साथ चर्चा करते हुए कहा कि पुलिस को निर्देशित किया कि प्रकरण को अपराध की श्रेणी में लेकर कठोरतम दण्ड दिलाने में अपनी भूमिका निभाये। प्रत्येक पीड़ित बच्चियों के परिजनों को चार लाख बारह हज़ार पांच सौ रुपये की प्रारंभिक आर्थिक सहायता की कुल राशि 16.50 लाख का आदेश जारी कर प्रदान किया गया। पुलिस और प्रशासन से लगातार संपर्क बनाए रखने एवं हर संभव आर्थिक तथा सामाजिक सहायता प्रदान करने हेतु निर्देशित किया गया। इस दौरान एएसपी श्री विजय डावर, संयुक्त कलेक्टर राहुल नायक व सीएसपी वैशाली सिंह मौजूद रहीं।

आवश्यकता है

कार चलाने हेतु ड्रायवर की आवश्यकता है
योग्यता-10वीं पास
वेतन- 10000+
बालाघाट एवं आसपास के रहने वाले ही संपर्क करें
मिलने का समय शाम 5 बजे से शाम 8.00 बजे तक
संपर्क
बाघरेचा तिजारे एण्ड एसोसिएट्स चार्टड एकाउन्टेन्ट्स, श्याम टॉकीज एण्ड मॉल द्वितीय तल मेन रोड बालाघाट (मप्र)
मो. 9201340520/7999613237

खुशखबरी

किसी भी कंपनी की बाईक श्री फायनेंस में फायनेंस कराने पर बाईक के शोरूम रेट में 2500/- रूपये की नगद छुट श्री फायनेंस द्वारा दी जाएगी।
संपर्क करें :
श्री फायनेंस जनपद कॉम्पलेक्स वारासिवनी
7879930478
नोट : ऑफर सिमित समय के लिए

घरेलू कार ड्राइवर चाहिए
वेतनमान 10000
संपर्क करें -9329595770

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

जिला अस्पताल की सबसे कठिन परीक्षा आज से

परीक्षा में पास तो जिला अस्पताल को मिल जाएगा नेशनल स्तर का दर्जा, सोमवार से 3 दिनों तक नेशनल स्तर की टीम करेगी सर्वे, आजादी के बाद जिला अस्पताल का पहली बार होगा नेशनल टेस्ट

बालाघाट(पदमेश न्यूज)। जिस तरह आईएएस बनने के लिए यूपीएससी की कठिन परीक्षा में स्टैंडर्ड रैंक हासिल करना पड़ता है।ठीक इसी तरह नेशनल स्तर के अस्पताल के लिए क्वालिटी स्टैंडर्ड सर्वे में उच्च रैंक हासिल करना अनिवार्य है। जो अस्पताल एनक्यूएएस (नेशनल क्वालिटी इंश्योरेंस स्टैंडर्ड) की इस परीक्षा में अच्छा रैंक प्राप्त कर लेता है उस अस्पताल को नेशनल स्तर का अस्पताल घोषित कर दिया जाता है। तो वहीं केंद्र द्वारा 3 वर्षों तक उस अस्पताल को स्पेशल पैकेज प्राप्त होते हैं। देशभर के अस्पतालों के लिए होने वाला सबसे कठिन सर्वे आज से जिला अस्पताल में शुरू होगा जो आगामी 30 अप्रैल तक चलेगा। जहां नेशनल स्तर की एनक्यूएएस टीम, बालाघाट में तीन दिनों तक रहकर जिला अस्पताल में बारीकियों से स्वास्थ्य सुविधाओं ,,सेवाओ व व्यवस्थाओं का आकलन करेंगी। वहीं स्टाफ नर्स से लेकर वार्ड बॉय और चिकित्सकों तक के साक्षात्कार(इंटरव्यू) लिए जाएंगे। जिसके आधार पर जिला अस्पताल का सर्वे कर रैंकिंग घोषित की जाएगी।यदी इस सर्वे में जिला अस्पताल खरा उतरकर अच्छा रैंक प्राप्त कर लेता है तो फिर बालाघाट जिला नेशनल अस्पतालों की लिस्ट में शामिल हो जाएगा। जिसका नाम न केवल बालाघाट, बल्कि मध्य प्रदेश अपितु पूरे भारत देश में जिला अस्पताल का नाम राष्ट्रीय स्तर पर आएगा।जिसको लेकर जिला अस्पताल प्रबंधन ने तैयारी पूर्ण कर ली है।

अंग्रेजों के जमाने का है जिला अस्पताल,पहली बार आ रही नेशनल टीम

बताया जा रहा है कि जिला अस्पताल अंग्रेजों के जमाने का अस्पताल है। जो पहले सीएचएमओ कार्यालय में संचालित होता था। जानकारी के अनुसार आजादी के पूर्व 1945-46 में इसे बूढा अस्पताल के नाम से शुरू किया गया था। जिसके बाद वर्तमान स्थान पर इसे शहीद भगत सिंह जिला अस्पताल (बूढ़ी अस्पताल) के नाम से संचालित जा रहा है। बताया गया कि इसके पूर्व राज्य स्तर की टीमों ने इस अस्पताल का कई बार सर्वे किया है। लेकिन नेशनल स्तर की यह टीम बालाघाट जिला अस्पताल का नेशनल क्वालिटी सर्वे कर रैंक का निर्धारण करने पहली बार बालाघाट आई है।यदि सब कुछ ठीक-ठाक रहा और जिला अस्पताल को इस क्वालिटी सर्वे में अच्छा रैंक हासिल हो गया तो फिर जिला अस्पताल भी राष्ट्रीय स्तरों के अस्पतालों में शामिल हो जाएगा।

सर्वे के लिए 18 भागो में बांटा गया जिला अस्पताल

बताया जा रहा है कि एनक्यूएएस सर्वे के लिए नेशनल टीम बालाघाट पहुंच चुकी है। जो

सोमवार 28 अप्रैल से 30 अप्रैल तक जिला अस्पताल का सर्वे कर यहां मिलने वाली सुविधाओं और सेवाओं का आकलन करेंगी। वहीं चिकित्सकों के इंटरव्यू सहित अन्य उपकरणों का बारीकी से निरीक्षण कर अन्य दस्तावेजों की जांच करेगी। जानकारी के अनुसार इस टीम ने, जिला अस्पताल के इस सर्वे व जांच रिपोर्ट के लिए जिला अस्पताल को 18 भागों में विभाजित किया है। जहां 6-6 भागों का 03 अधिकारी 03 दिनों तक बारीकी से निरीक्षण कर सर्वे करेंगे। वही यहां मिलने वाली सुविधाओं व सेवाओं की जांच कर अपनी रिपोर्ट तैयार करेंगे।

निरीक्षण टीम में इनका समावेश

बताया जा रहा है कि नेशनल स्तर की टीम में वेस्ट बंगाल अस्पताल से डॉक्टर शिशिर नसकर, महाराष्ट्र जिला हिंगोली के सिविल सर्जन डॉक्टर गोपाल शंकराराव कदम और चंडीगढ़ से डॉक्टर रेनू भगाना शामिल हो रही है।

आईने की तरह चमकाया जा रहा जिला अस्पताल

नेशनल टीम द्वारा सोमवार से शुरू किए जाने वाले एनक्यूएएस सर्वे के कार्य को लेकर बालाघाट जिला अस्पताल को आईने की तरह चमकाया जा रहा है। जहां जगह-जगह रंग रोगन कर अस्पताल परिसर की साफ सफाई की जा रही है। तो वहीं पूरे अस्पताल में जगह-जगह पेड़ पौधे, आकर्षक बैनर स्लोगन लिखे जा रहे हैं। तो वहीं अस्पताल की साफ सफाई पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इसके अलावा अस्पताल परिसर के अंदर और बाहर युद्ध स्तर पर सफाई अभियान किया गया है। वहीं वाहनों के स्टैंड से लेकर पेयजल की व्यवस्था पानी की टंकी, जनरेटर, विद्युत व्यवस्था, साफ सफाई, झाड़ू पोछा सहित अन्य प्रकार की व्यवस्थाएं दुरुस्त की गई है।अस्पताल प्रबंधन को अब इंतजार बस नेशनल टीम द्वारा शुरू किए जाने वाले एनक्यूएएस सर्वे का है।अस्पताल प्रबधंन द्वारा उम्मीद जताई जा रही है कि जिला अस्पताल इस सर्वे में अच्छा रैंक प्राप्त कर नेशनल अस्पतालों की लिस्ट में शामिल हो जाएगा।

नेशनल टीम सर्वे को लेकर तैयारियां पूर्ण-डॉ निलय जैन

इस पूरे मामले को लेकर की गई चर्चा के दौरान जिला अस्पताल सिविल सर्जन डॉ निलय जैन, ने बताया कि दिल्ली से 3 सदस्यों की टीम जिला अस्पताल के निरीक्षण के लिए आ रही है। यह हमारे लिए सबसे बड़े इम्तिहान से काम नहीं है। पहली बार नेशनल स्तर की टीम जिला अस्पताल के निरीक्षण के लिए पहुंच रही है। तीन दिनों तक अधिकारी जिला अस्पताल का निरीक्षण करेंगे बारीक से बारीक चीजों का अवलोकन करेंगे मशीनरी से लेकर डॉक्यूमेंटेशन, सर्जरी, डेनेज सिस्टम, पानी टंकी, वाटर कूलर, इलेक्ट्रिक सप्लाई जिला अस्पताल में मिलने वाली सभी सुविधाएं सेवाएं और व्यवस्थाएं देखेंगे। इसके अलावा वार्ड बॉय से लेकर बड़े चिकित्सक तक सभी का इंटरव्यू होगा, कार्य की पद्धति देखेंगे। हर सेवाएं सुविधाओ का आकलन करेंगे, मरीजों से बात करेंगे, दवाइयां की सप्लाई से लेकर उनके वितरण उनका स्टॉक सभी कुछ इस टीम द्वारा देखा जाएगा। यदि सब कुछ ठीक रहा तो यह टीम सर्वे के आधार पर रैंक देगी, अच्छा रैंक मिलने पर बालाघाट का नाम पूरे मध्य प्रदेश ही नहीं बल्कि देश की लिस्ट में आ जाएगा। नेशनल अस्पतालों में जिला अस्पताल को गिना जाएगा और आगामी 3 साल तक जिला अस्पताल को विशेष पैकेज मिलेंगे।जिससे सुविधाओं और सेवाओं में और अधिक इजाफा होगा इसकी तैयारी हमने पूर्ण कर ली है।

गोंदिया रेल लाइन पर ट्रेन की चपेट में आने से एक युवक की मौके पर मौत

मानसिक रूप से अस्वस्थ था गणेश जामरे

बालाघाट(पदमेश न्यूज)। किरनापुर थाने की रजेगांव पुलिस चौकी क्षेत्र में आने वाले ग्राम बोडुंदाकला समीप गोंदिया रेलवे लाइन पर ट्रेन की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई ।मृतक युवक गणेश पिता जयकिशोर जामरे 23 वर्ष ग्राम सतोना थाना रामपायली निवासी है। रजेगांव पुलिस ने इस युवक का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम सतोना निवासी जयकिशोर जामरे खेती किसानी करते हैं।। इसके परिवार में पत्नी और दो बेटे हैं ।जिनमें बड़े बेटे की शादी हो चुकी है। छोटा बेटा गणेश जामरे शादी नहीं हुई थी। और वह मिस्त्री का काम करता था। बताया गया है कि पिछले कुछ दिनों से गणेश जामरे का मानसिक संतुलन ठीक नहीं था ।जिसका इलाज झाड़फूंक से किया जा रहा था। दो दिन पहले ही किसी बाबा के पास लेजा कर गणेश हमारे का झाड़-पक से इलाज करवाया गया था ।।25 अप्रैल की रात्रि में गणेश जामरे खाना खाने के बाद सो गया था। 26 अप्रैल को सुबह गणेश जामरे शौच के लिए घर से निकला था जो घर वापस नहीं आया ।परिवार वालों ने गणेश जामरे की तलाश किये किंतु वह नहीं मिला। इस दौरान परिवार वालों को सूचना मिली कि ग्राम बोड़ूदाकला के पास रेलवे लाइन किनारे एक युवक की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो चुकी है। तब परिवार वालों ने जाकर देखें यह युवक गणेश जामरे था। बताया गया है कि गणेश जामरे घर से निकलने के बाद ग्राम बोड़ूदा कला रेलवे लाइन किनारे चल रहा था। कुछ लोगों ने उसे मना भी किये की ट्रेन आने वाली है। किंतु गणेश ने उन्हें पत्थर मारने लगा था। इसी दौरान वहा।से गुजर रही ट्रेन की चपेट में आने से गणेश जामरे घसीटटे चला गया और उसकी मौत हो गई। जिसकी सूचना मिलने पर पुलिस चौकी से सहायक उप निरीक्षक ग्लैडविन क्षत्रिया ने ग्राम बोड़ूदा कला रेलवे ट्रैक पहुंचकर मृतक युवक गणेश जामरे का शव बरामद

किये और पंचनामा कार्यवाही पश्चात पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिए। आगे मर्ग जांच सहायक उप निरीक्षक श्री छत्रिया द्वारा की जा रही है।

पीड़िताओं को मिलने गांव पहुंची विधायक, आरोपित के मकान पर बुलडोजर चलाने की उठ रही मांग

पुलिस ने तत्काल कार्यवाहीं कर 16 लाख 50 हजार रूपये की आर्थिक सहायता राशि की जारी

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। हट्टा थाना क्षेत्र में बीते दिनों घटी बालिकाओं के साथ घटना को लेकर अब राजनीतिक पार्टी के जनप्रतिनिधि और स्वयं सेवी संस्थाएं सामने आने लगी है। जहां कुछ युवाओं ने आरोपितों के घर पर बुलडोजर चलाने की मांग को लेकर महामहिम के नाम ज्ञापन सौंपा । बालाघाट विधायक ने भी हट्टा थाना क्षेत्र के ग्राम दुगलाई जाकर पीड़ति परिवार से मुलाकात कर कड़ी से कड़ी कार्रवाई किए जाने का आश्वासन पीड़ित परिवार को दिया है । थाने में भी धाराओं को कम नहीं किए जाने को लेकर पुलिस अधिकारियों से बालाघाट विधायक ने चर्चा की है।

आपको बता दे कि बीते दिनों हट्टा थाना क्षेत्र के ग्राम दुगलाई में घटी घटना को लेकर जनप्रतिनिधि और स्वयं सेवी संस्था भी आरोपितों पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई हो इसलिए आवेदन, निवेदन कर ज्ञापन सौंप रहे हैं । जिसको लेकर 27 अप्रैल को कुछ युवा और जनप्रतिनिधि ने महामहिम के नाम चागोंटोला थाने में ज्ञापन दिया है और आरोपितों के घरों पर बुलडोजर चलाये जाने की मांग की है । इधर बालाघाट विधायक अनुभा मुंजारे अपने साथियों के साथ हट्टा थाना और पीड़ित परिवार के घर दुगलाई पहुंची , जहां उन्होंने पीड़ित परिवार से चर्चा कर आरोपितों पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई किए जाने का आश्वासन दिया है। बालाघाट विधायक द्वारा पीडति परिवार के घर और उनकी स्थिति को देखकर पक्के मकान बनाए जाने एवं शासन की योजना दिलाए जाने

की भी पीड़ित परिवार से चर्चा की है। उसके बाद बालाघाट विधायक हट्टा थाना पहुंची जहां उन्होंने थाना प्रभारी सहित पुलिस से आरोपितों पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई किए जाने और धारा बढ़ाने की भी बात बालाघाट विधायक द्वारा की गई है और साथ ही क्षेत्र में कानून व्यवस्था मजबूत करने हेतु पुलिस कर्मियों को कहा है।

बेटियों के साथ अन्याय पर भाजपा सरकार क्यों है चुप - संजय उइके

बैहर विधायक संजय उइके ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर भाजपा सरकार पर कई गंभीर आरोप लगाए जिसमें उन्होंने कहा कि 23 अप्रैल को बालाघाट जिले में चार आदिवासी नाबालिग बच्चियों के साथ सामूहिक बलात्कार जैसी वीभत्स घटना हुई, जिसने मानवता को शर्मसार कर दिया है। इस जघन्य अपराध को घटित हुए कई दिन बीत चुके हैं, लेकिन आज तक प्रदेश के मुख्यमंत्री, बालाघाट के प्रभारी मंत्री या किसी भी वरिष्ठ भाजपा नेता ने पीड़ित परिवारों से मिलना तो दूर, एक संवेदना का शब्द तक नहीं बोला। श्री उइके ने आरोप लगाया है कि यह चुप्पी किस बात की है, क्या आदिवासी बेटियों का दर्द इस सरकार के लिए कोई मायने नहीं रखता , क्या भाजपा की प्राथमिकता में आदिवासी समाज की अस्मिता और सुरक्षा कहीं नहीं आती , आदिवासी बेटियों के साथ हुए इस अन्याय पर सरकार का अब तक कोई स्पष्ट रुख क्यों नहीं आया ,पीड़ित परिवारों को अब तक न्याय दिलाने के लिए क्या ठोस कदम उठाए गए हैं , आरोपियों को कठोरतम सजा दिलाने के लिए सरकार कितनी गंभीर है, भाजपा सरकार की यह संवेदनहीनता साफ दर्शाती है कि उनके लिए आदिवासी समाज केवल चुनावी भाषणों और वोटों तक सीमित है। जब धरातल पर न्याय और सुरक्षा देने की बात आती है, तो भाजपा सरकार मौन साध लेती है।

प्रारंभिक आर्थिक सहायता राशि के आदेश हुये जारी

पुलिस द्वारा पीडति परिवार को प्रारंभिक आर्थिक सहायता राशि जारी करने के आदेश जारी कर दिए गए हैं। इस विषय पर पुलिस द्वारा प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया गया कि जिले के ग्राम दुगलई में रहने वाली 3 नाबालिग एवं 1 बालिग आदिवासी बच्चियों के साथ थाना हट्टा अंतर्गत हुए गैंगरेप जैसे गंभीर अपराध में पुलिस द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए सभी सातों आरोपियों को तत्काल गिरफ्तार किया गया। प्रकरण में कठोरत दण्ड दिये जाने हेतु प्रकरण को चिन्हित अपराध की श्रेणी में लिया गया। प्रत्येक पीडित बच्चियों (परिजन) को चार लाख बारह हजार पांच सौ रूपये की प्रारंभिक आर्थिक सहायता की कुल राशि 16 लाख 50 हजार रूपये का आदेश जारी कर दिया गया हैं ।पीडित परिजनों को पुलिस एवं प्रशासन से सम्पर्क बनाये रखने तथा हर संभव आर्थिक एवं सामाजिक सहायता प्रदान करने आश्वस्त किया गया है। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए नगर पुलिस अधीक्षक वैशाली सिंह कराहलिया के नेतृत्व में टीम गठित कर प्रकरण से सम्बंधित पहलुओं पर बारिकी से विवेचना की जा रही है।

जिले के पुलिस अधिकारी और कर्मचारियों को प्रदान किया गया अति उत्कृष्ट सेवा एवं उत्कृष्ट सेवा पदक

बालाघाट(पदमेश न्यूज)। वर्ष 2024 के लिए केंद्रीय गृह मंत्रालय भारत सरकार के राजपत्र आदेश क्रमांक 30 दिनांक 28 जुलाई 2018 के माध्यम से स्थापित केंद्रीय गृहमंत्री के अति उत्कृष्ट सेवा पदक तथा उत्कृष्ट सेवा पदक से प्रदेश के 395 पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी को प्रदान किया गया है जिसमें बालाघाट जिले मैं तैनात पुलिस अधिकारी और कर्मचारियों को उनकी अति उत्कृष्ट एवं उत्कृष्ट सेवा पदक प्रदान किया गया है ।जिसमें अति उत्कृष्ट सेवा पदक राजोल सिंह राजपूत उप निरीक्षक विसबल 36 वी वाहिनी, निखिलेश अग्निहोत्री प्रधान आरक्षक , किशन लाल मरावी प्रधान आरक्षक, शांति उइके कार्यवाहक सहायक उप निरीक्षक हमदर्द सेल, ओमकार बिझलेकर 36 वी वाहिनी विसबल, थानुलाल सोनेकर प्रधान आरक्षक पुलिस महानिरीक्षक कार्यालय बालाघाट, विनोद कुमार चौधरी प्रधान आरक्षक पुलिस महानिरीक्षक कार्यालय बालाघाट, अनिल कुमार मानेपूरे कार्यवाहक सहायक उपनिरीक्षक पुलिस लाइन बालाघाट, मोहम्मद अब्दुल कादिर प्रधान आरक्षक पुलिस महान निरीक्षक कार्यालय बालाघाट, नथानिल कुमार कार्यवाहक सहायक उप निरीक्षक पुलिस अधीक्षक कार्यालय बालाघाट, ग्लैडविन छत्रिया कार्यवाहक सहायक पुलिस चौकी रजेगांव, विनोद कुमार ठाकरे कार्यवाहक प्रधान आरक्षक पुलिस लाइन बालाघाट, रमेश कुमार उक्के कार्यवाहक प्रधान आरक्षक पुलिस लाइन बालाघाट, श्रीमती गीता गौतम कार्यवाहक प्रधान आरक्षक, धर्मेंद्र सिंह धुर्वे कार्यवाहक प्रधान आरक्षक, श्रीमती वर्षा परिहार कार्यवाहक सहायक उपनिरीक्षक पुलिस अधीक्षक कार्यालय बालाघाट को अति उत्कृष्ट सेवा पदक प्रदान किया गया है।

उत्कृष्ट सेवा पदक - संजय कुमार पुलिस महानिरीक्षक जॉन बालाघाट, विनोद कुमार तुमराम निरीक्षक 36 वी वाहिनी विसबल बालाघाट, निर्मल कुमार कुमरे प्रधान आरक्षक कनकी बालाघाट, मनोज कुमार पांडे प्रधान आरक्षक कनकी बालाघाट, राम लखन यादव प्रधान आरक्षक कनकी बालाघाट, सुजीत कुमार पाटिल प्रधान आरक्षक 36वी वाहिनी विसबल, गजेंद्र सिंह प्रधान आरक्षक कनकी बालाघाट, राजेश सिंह बघेल प्रधान आरक्षक कनकी बालाघाट, दिनेश कुमार शाक्य प्रधान आरक्षक कनकी बालाघाट ,आनंद कुमार डहाटे प्रधान आरक्षक कनकी बालाघाट, सुनील कुमार सोनेकर प्रधान आरक्षक पुलिस लाइन बालाघाट,रिझन लाल उइके प्रधान आरक्षक 36 वी वाहिनी विसबल, बृजेंद्र सिंह सेंगर प्रधान आरक्षक हाकफोर्स बालाघाट, रिखीराम कटरे प्रधान आरक्षक हॉक फोर्स बालाघाट, रणजीत सिंह कार्यवाहक प्रधान आरक्षक बालाघाट, हरेसिह मरावी आरक्षक पुलिस लाइन बालाघाट, जीवनलाल भलावी कार्यवाहक प्रधान आरक्षक पुलिस लाइन बालाघाट, बिसराम सिंह धुर्वे कार्यवाहक प्रधान आरक्षक भरवेली, रमेश कुमार ठाकरे कार्यवाहक प्रधान आरक्षक साले टेकरी, मुरलीधर रंगडाले कार्यवाहक प्रधान आरक्षक कोतवाली बालाघाट, मोहनलाल रंगडाले कार्यवाहक प्रधान आरक्षक पुलिस कंट्रोल रूम बालाघाट, सीवम लाल कोकोटे कार्यवाहक प्रधान आरक्षक पुलिस लाइन बालाघाट, धर्म सिंह मार्को कार्यवाहक प्रधान आरक्षक नगर पुलिस अधीक्षक कार्यालय बालाघाट, इमरान खान कार्यवाहक प्रधान आरक्षक पुलिस लाइन बालाघाट, वेद प्रकाश उइके आरक्षक एस आई बी बालाघाट, कुलदीप अरगुले कार्यवाहक प्रधान आरक्षक बीएसबी बालाघाट, ॠषि कुमार सोनी कार्यवाहक प्रधान आरक्षक पुलिस लाइन बालाघाट, देवी सिंह आरक्षक हाकफोर्स बालाघाट, इमरान खान कार्यवाहक प्रधान आरक्षक पुलिस लाइन बालाघाट, भूपेंद्र कुमार साकरे कार्यवाहक प्रधान आरक्षक रक्षित केंद्र बालाघाट, पवन यादव कार्यवाहक प्रधान आरक्षक पुलिस अधीक्षक कार्यालय बालाघाट, जितेंद्र कुमार यादव कार्यवाहक प्रधान आरक्षक कोतवाली बालाघाट, दीपक बनवाले कार्यवाहक प्रधान आरक्षक पुलिस अधीक्षक कार्यालय बालाघाट, रविंद्र कुमार पूरी कार्यवाहक प्रधान आरक्षक अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कार्यालय नक्सली सेल बालाघाट, डालचंद राहंगडाले कार्यवाहक प्रधान आरक्षक हाईवे पुलिस चौकी गर्रा, विजय कुमार पन्द्रे कार्यवाहक प्रधान आरक्षक एसडीओपी कार्यालय परसवाड़ा, शिवपाल दुरयाम कार्यवाहक प्रधान आरक्षक महिला थाना बालाघाट, अनिल मेहरबान आरक्षक(आरमोरर) पुलिस लाइन बालाघाट, कुमारी आशा पटले कार्यवाहक प्रधान आरक्षक नगर पुलिस अधीक्षक कार्यालय बालाघाट, लखन लाल वरकड़े कार्यवाहक उप निरीक्षक पुलिस अधीक्षक कार्यालय बालाघाट, विशाल सिंह परते कार्यवाहक उप निरीक्षक पुलिस अधीक्षक कार्यालय बालाघाट को उत्कृष्ट सेवा पदक प्रदान किया गया है।

1 वर्ष बीत जाने के बाद भी नहीं सुधारा गया वेदर स्टेशन

सही नहीं मिल पायेंगें बड़गांव स्थित कृषि विज्ञान केंद्र से तापमान के आकड़े

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। 1 वर्षो से खराब हुई बड़गांव स्थित कृषि विज्ञान केंद्र के वेदर स्टेशन को अभी तक नहीं सुधारा गया है, जबकि कुछ ही दिनों में गर्मी तेज पढ़ने वाली है और यहां से तापमान के अधिकतम और न्यूनतम आंकड़ों को बताया जाता था , किंतु इस वर्ष बड़गांव स्थित कृषि विज्ञान केंद्र से सही आंकड़े जिले की जनता को नहीं मिल पाएंगे, वही संबंधित अधिकारियों का कहना है कि उनके द्वारा पत्राचार तो किया गया है और एक बार टीम ने आकर देखा भी है लेकिन अभी तक वेदर स्टेशन को पूरी तरह से रिपेयर नहीं किया जा सका है ।

आपको बता दे की अन्नदाताओं के साथ आम लोगों को मिलने वाली मौसम (तापमान) की सटीक जानकारी नहीं मिल पा रही है। कारण है- बड़गांव स्थित कृषि विज्ञान केंद्र में स्थित आटोमैटिक वेदर स्टेशन का लगभग एक साल से बंद पड़ा होना। तकनीकी खामियों से जूझ रहे इस स्टेशन के बंद होने से लोगों को जिले का अधिकतम और न्यूनतम तापमान का सही-सही आंकड़ा नहीं मिल पा रहा है। वैकल्पिक व्यवस्था के रूप में कृषि विज्ञान केंद्र मलाजखंड आर्ब्जवेटरी से ये आंकड़ा ले रहा है, लेकिन यहां से मिलने वाली तापमान की जानकारी पहाड़ी क्षेत्र के मौसम के मुताबिक होती है। वहीं, कृषि विज्ञान केंद्र के वेदर स्टेशन से मैदान इलाके के तापमान की सटीक जानकारी प्राप्त होती है। यही वजह है कि किसानों से लेकर आम लोगों को अधिकतम व न्यूनतम तापमान को लेकर अक्सर भ्रम की स्थिति से गुजरना

पड़ रहा है। इसका असर खेती पर भी पड़ रहा है। मौसम संबंधी प्रमाणिक आंकड़ा न मिलने से किसानों के खेती-किसानी के कार्य प्रभावित हो रहे हैं।

वर्ष 2021 में लगाया गया था स्टेशन

बड़गांव (किरनापुर) स्थित कृषि विज्ञान केंद्र में वर्ष 2021 में आटोमैटिक वेदर स्टेशन की स्थापना की गई थी। इसका मकसद दिल्ली से क्षेत्रीय कार्यालय भोपाल को प्राप्त होने वाले मौसम के पूर्वानुमान के साथ समय-समय पर तापमान संबंधी आंकड़ा जुटाकर किसानों से साझा करना है, लेकिन जुलाई 2024 से यह स्टेशन तकनीकी खामियों के चलते बंद पड़ा है। बताया गया कि स्टेशन में लगे सेंसर खराब हैं, जिन्हें सुधारने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं, लेकिन दस महीनों बाद भी इसमें कोई सुधार नहीं आया है। इस कारण जिले में वर्तमान में पारा कितना गिरा या कितना उछ्ला, इसका सही आंकड़ा नहीं मिल पा रहा है। केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक भी मानते हैं कि मोबाइल से प्राप्त तापमान और वेदर स्टेशन के तापमान में अंतर होता है।

199 इकाइयाँ हुई बंद

पहले आटोमैटिक वेदर स्टेशन का संचालन और देखरेख जिला कृषि मौसम इकाई करती थीं, लेकिन सालभर पहले सरकार ने ऐसी देशभर की 199 इकाइयों को बंद कर दिया, जिसके बाद वेदर स्टेशन भगवान भरोसे हैं। जानकारी के अनुसार, पुणे की एक कंपनी वार्षिक रख-रखाव शुल्क लेकर इस स्टेशन की देखरेख करती है। कुछ महीने पहले कंपनी ने सेंसरों की जांच की, लेकिन सुधार नहीं हो सका। तब जिम्मेदारों ने जल्द सुधार कार्य के दावे किए थे, लेकिन आज भी स्थिति जस की तस है।

स्टेशन बंद होने से तापमान के आंकड़े नहीं मिल पा रहा है - एसआर धुवारे

प्रमुख विज्ञानी डा. एसआर धुवारे कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा बताया गया की इस समस्या को लेकर चर्चा के बाद इंजीनियर सुधार कार्य के लिए आए थे, लेकिन समस्या दूर नहीं हुई। ये सही है कि स्टेशन बंद होने से तापमान संबंधी प्रमाणिक आंकड़ा नहीं मिल पा रहा है। इसके सुधरने से डाटा कैलकुलेशन में आसानी होगी और तापमान का प्रमाणिक आंकड़ा मिलेगा। इस संबंध में गंभीरता से उच्चाधिकारियों से चर्चा की जाएगी और कमियां दूर कर इसे जल्द शुरू कराया जाएगा।

पुलिया का किया जा रहा कछुआ गति से निर्माण, आवागमन में हो रही परेशानी

ग्रामीण एवं राहगीरों ने तीव्र गति से एवं गुणवत्तापूर्ण पुलिया का निर्माण करवाने की प्रशासन से की मांग, मामला - ग्राम बघोली से पंढरापानी-रानीकुठार पहुंच मार्ग के नाले के ऊपर बन रहे पुलिया का

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय से लगभग 5 किमी. दूर ग्राम पंचायत बघोली से पंढरापानी-रानीकुठार पहुंच मार्ग के बीच स्थित शासकीय प्राथमिक स्कूल पंढरापानी के समीप रोड़ के बीच में नाले के ऊपर पुलिया बना हुआ था। जो जीर्णशीर्ण हो चुका था एवं किसी भी समय पुलिया ढह सकता था जिससे बड़ी दुर्घटना होने की संभावना बनी हुई थी। साथ ही लंबे समय से नवीन पुलिया का निर्माण करवाने की मांग ग्रामीणजन एवं राहगीरों के द्वारा शाासन-प्रशासन से किया जा रहा था। जिसके बाद शासन से राशि स्वीकृत होने के बाद विगत माह से प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क विभाग के द्वारा जीर्णशीर्ण पुलिया के स्थान पर लाखों रूपयों की लागत से नवीन पुलिया का निर्माण कार्य करवाया जा रहा है। लेकिन निर्माण कार्य कछुआ गति से किया जा रहा है और बरसात के पूर्व पुलिया बनकर तैयार नही हुआ तो इस मार्ग से आने-जाने वालों को खासा परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। वहीं नवीन पुलिया निर्माण के चलते बाजू से अस्थाई मार्ग का निर्माण किया गया है जिससे ग्रामीणजन एवं राहगीर आना-जाना कर रहे है। लेकिन अस्थाई मार्ग की चौड़ाई कम होने एवं मोड़ाई होने के कारण आने-जाने में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही इस दौरान अगर दुपहिया व चौपहिया वाहन गुजरते समय अनियंत्रित होते है तो मार्ग के किनारे बने गड्ढे में गिरने से बड़ी दुर्घटना होने की संभावना बनी हुई है। इसलिए ग्रामीणजन एवं राहगीरों से निर्माण कंपनी से तीव्र गति एवं गुणवत्तापूर्ण पुलिया का निर्माण कार्य करवाने की मांग शासन-प्रशासन से की है।

बरसात के पूर्व पुलिया बनकर नही हुआ तैयार तो होगी परेशानी, जिम्मेदार मौन

आपकों बता दे कि ग्राम पंचायत बघोली से पंढरापानी पहुंच मार्ग के बीच से गुजरे नाले के ऊपर पुर्व में पुलिया का निर्माण नही होने पर बरसात के दिनों में आने-जाने वालों को खासा परेशानियों का सामना करना पड़ता था। उक्त समस्या को देखते हुए विगत वर्ष पूर्व शासन-प्रशासन के द्वारा बघोली से पंढरापानी-रानीकुठार पहुंच मार्ग का निर्माण के साथ ही नाले के ऊपर पुलिया का निर्माण किया गया था किन्तु निर्माण कार्य गुणवत्तापूर्ण नही होने कारण कुछ ही साल बाद पुलिया जीर्णशीर्ण हो चुका था और इस वर्ष बरसात के पुर्व नवीन पुलिया का निर्माण कार्य नही किया जाता तो तेज बारिश में नाले में बाढ़ आने पर पुलिया ढह सकता था। इसलिए ग्रामीणजन एवं राहगीरों ने शासन-प्रशासन से जल्द नवीन पुलिया का निर्माण करवाने की मांग किये थे। जिसके बाद प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क विभाग के द्वारा लाखों रूपयों की लागत से विगत तीन से चार माह से नवीन पुलिया का निर्माण कार्य करवाया जा रहा है। लेकिन कार्य कछुआ गति से किया जा रहा है जिसके कारण अब तक निर्माण कार्य पुरा नही हो पाया है। वहीं बरसात के पूर्व पुलिया का निर्माण कार्य पुरा नही हुआ तो बारिश के दिनों में इस मार्ग से आने-जाने वाले ग्रामीणजन, राहगीर एवं स्कूली बच्चों को खासा परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। जबकि यह मार्ग बघोली होते ही पंढरापानी, रानीकुठार, धारावासी, कंजई होते हुए बालाघाट-सिवनी हाईवे मार्ग को जोड़ता है और इस मार्ग से दर्जनों ग्रामों के ग्रामीणजन व राहगीर आना-जाना करते है इसलिए ग्रामीणजन व राहगीरों ने निर्माण कंपनी से पुलिया का तीव्र गति से निर्माण करवाने की मांग की है।

आवागमन में हो रही परेशानी - शिवलाल

शिवलाल परते ने बताया कि बघोली से पंढरापानी-रानीकुठार पहुंच मार्ग स्थित नाले के ऊपर लाखों रूपयों की लागत से नवीन पुलिया का निर्माण किया जा रहा है, लेकिन धीमी गति से कार्य किया जा रहा है। जिसके कारण अब तक निर्माण कार्य पुरा नही हो पाया है और बरसात के पूर्व पुलिया बनकर तैयार नही हुआ तो आने-जाने में बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। श्री परते ने बताया कि यह मार्ग बघोली, पंढरापानी, रानीकुठार होते हुए बालाघाट-सिवनी हाईवे मार्ग में मिलता है और इस मार्ग से दर्जनों ग्रामों के ग्रामीणजन एवं राहगीर आना-जाना करते है एवं आवागमन के लिए पुलिया निर्माण स्थल के बाजू से कच्चा अस्थाई मार्ग बनाया गया है जिसे लोग आना-जाना करते है। लेकिन सड़क की चौड़ाई कम होने एवं मोड़ाई में होने के कारण हर समय दुर्घटना घटित होने की संभावना बनी रहती है इसलिए हमारी मांग है कि तीव्र गति से पुलिया का निर्माण कार्य पूरा किया जाये ताकि आने-जाने में हो रही परेशानियों से निजात मिल सके।

तीव्र गति एवं गुणवत्तापूर्ण निर्माण करवाये प्रशासन - सावन

उपसरपंच सावनलाल सलामे ने बताया कि नाले के ऊपर बना पुलिया क्षतिग्रस्त हो चुका था, जिसके ऊपर से आवागमन बंद कर दिया गया था। जिसके बाद शासन से राशि स्वीकृत होने के बाद विगत 3 माह से लाखों रूपयों की लागत से नवीन पुलिया का निर्माण कार्य किया जा रहा है। जिसका निर्माण कार्य अंतिम चरण में है किन्तु एक महीने के बाद बरसात का मौसम आ जायेगा। उसके पहले पुलिया बनकर तैयार नही हुआ तो ग्रामीणजनों को आने-जाने में खासा परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। श्री सलामे ने बताया कि नवीन पुलिया कालम वाला बन रहा है जिससे पानी आगे आसानी से निकल जायेगा परन्तु धीमी गति से कार्य किया जा रहा है इसलिए हमारी मांग है कि तीव्र गति से निर्माण करवाये ताकि बरसात के पूर्व पुलिया बनकर तैयार हो सके।

खबर का हुआ असर, तहसील कार्यालय में लगा ठंडे पानी की मशीन

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय स्थित तहसील कार्यालय में ठंडे पानी की मशीन खराब हो चुकी थी। जिसके कारण इस भीषण गर्मी में तहसील कार्यालय में राजस्व सहित अन्य काम से आने वाले ग्रामीणजन, पक्षकार, अधिववक्ता एवं कर्मचारियों को पीने के पानी के लिए परेशान होना पड़ रहा था। ठंडे पानी की मशीन खराब होने एवं पीने की पानी की व्यवस्था नही होने की समस्या को लेकर गत दिवस बालाघाट एक्सप्रेस अखबार में समाचार प्रकाशित किया गया था। जिसके बाद तहसील कार्यालय के जिम्मेदार अधिकारी हरकत में आये और खराब हो चुकी ठंडे पानी की मशीन का सुधार कार्य करवाकर पुनः उसे लगा दिया गया है। अब गर्मी में लोगों को पीने के लिए ठंडा पानी मिलने लगा है और दुर-दराज से आने वाले क्षेत्रीयजनों व कर्मचारियों को गर्मी में पीने के ठंडे पानी के लिए परेशान नही होना पड़ रहा है। आपकों बता दे कि तहसील कार्यालय में 77 ग्राम पंचायत के लोग अपने राजस्व सहित अन्य कार्यों के लिए रोजाना तहसील कार्यालय आते है। लेकिन समय पर समस्या का निराकरण एवं काम नही होने पर वे तहसील कार्यालय में भटकते रहते है। लेकिन इस भीषण गर्मी में तहसील कार्यालय में पीने के लिए ठंडे पानी की व्यवस्था नही होने से परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था क्योंकि विगत माह से तहसील कार्यालय के ठंडे पानी की मशीन बंद यानि खराब हो चुकी थी जिसे सुधारा नही गया था। जिसके कारण तहसील कार्यालय में दुर-दराज से आने वाले ग्रामीण, पक्षकार व अधिवक्ताओं सहित अन्य लोगों को इस भीषण गर्मी में पीने का ठंडे पानी के लिए परेशान होना पड़ रहा था। साथ ही दुकानों में पहुंचकर एवं पानी की बॉटल खरीदी कर अपनी प्यास बुझा रहे थे। उक्त समस्या को लेकर गत दिवस बालाघाट एक्सप्रेस अखबार में समाचार प्रकाशित किया गया था। जिसके बाद अधिकारी हरकत में आये और बंद पड़ी ठंडे पानी की मशीन का सुधार कार्य करवाकर उसे पुनः लगा दिया गया है। वहीं तहसील परिसर में ठंडे पानी की मशीन लग जाने से अब लोगों को गर्मी के दिनों में पीने का ठंडे पानी मिलने लगा है और प्यास लगने पर वे पानी पीकर अपनी प्यास बुझा रहे है।

अरब सागर में दिखाई दी भारत की समुद्री ताकत, नौसेना ने ब्रह्मोस एंटी-शिप मिसाइल का किया सफल परीक्षण

नई दिल्ली। भारत-पाकिस्तान में बढ़ते तनाव के बीच भारतीय नौसेना ने अपनी युद्ध तैयारी का दमदार प्रदर्शन करते हुए अरब सागर में कई सफल एंटी-शिप फायरिंग की। नौसेना ने अत्याधुनिक ब्रह्मोस एंटी-शिप मिसाइल का परीक्षण किया, जिसकी रेंज करीब 300 किलोमीटर है। इस परीक्षण के साथ ही भारतीय नौसेना ने स्पष्ट कर दिया कि वह किसी भी समय, कहीं भी, किसी

भी प्रकार से राष्ट्र के समुद्री हितों की रक्षा करने के लिए युद्ध के लिए तैयार, विश्वसनीय और भविष्य के लिए सक्षम है। 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने अपनी सैन्य तैयारियों को और तेज कर दिया है। हमले के 48 घंटे के भीतर भारतीय नौसेना ने अपने विध्वंसक युद्धपोत आईएनएस सूरत से सतह से हवा में मार करने वाली मध्यम दूरी की मिसाइल का सफल परीक्षण किया। इस दौरान आईएनएस सूरत ने समुद्र में एक लक्ष्य को सटीकता से भेदा। इसके अलावा, हाल ही में डीआरडीओ और भारतीय नौसेना ने स्वदेशी वर्टिकल-लॉन्च्ड शॉर्ट-रेंज सरफेस-टू-एयर मिसाइल (वीएल-एसआरएसएएम) का भी सफल परीक्षण किया। यह परीक्षण 26 मार्च को ओडिशा के चांदीपुर स्थित एकीकृत परीक्षण रेंज से किया गया था, जिसमें मिसाइल ने कम ऊंचाई पर उच्च गति वाले हवाई लक्ष्य को सटीकता से नष्ट किया। गौरव का भी सफल परीक्षण भारतीय रक्षा क्षमता को और मजबूती देते हुए, इसी महीने भारत ने लड़ाकू विमान से दागे जाने वाले लंबी दूरी के ग्लाइड बम गौरव का भी सफल परीक्षण किया है। 8 से 10 अप्रैल के बीच सुखोई-30 एमकेआई विमान से किए गए ट्रायल्स के दौरान गौरव बम ने लगभग 100 किलोमीटर दूर स्थित लक्ष्यों पर अत्यधिक सटीक निशाना साधा। इस परियोजना में अदाणी डिफेंस सिस्टम्स एंड टेक्नोलॉजीज ने भी भागीदारी निभाई। इन परीक्षणों के जरिए भारत ने न केवल अपने आत्मनिर्भर रक्षा उत्पादन की दिशा में एक और कदम बढ़ाया है, बल्कि मौजूदा हालात में अपने दुश्मनों को भी स्पष्ट संदेश दिया है कि भारतीय सेना, वायुसेना और नौसेना — सभी मोर्चों पर पूरी तरह तैयार हैं।

बघोली में केबिनेट मंत्री, तेलघानी बोर्ड अध्यक्ष रविकिरण साहू का किया गया स्वागत एवं सम्मान

केबिनेट मंत्री ने भक्त शिरोमणि माता कर्मादेवी की पूजा अर्चना कर प्राप्त किया आशीर्वाद, सामाजिक बंधुओं से की मुलाकात

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय स्थित ग्राम पंचायत बघोली में म.प्र. शासन के केबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त एवं तेलघानी बोर्ड अध्यक्ष रविकिरण साहू का 27 अप्रैल को आगमन हुआ। इस अवसर पर साहू (तेली) समाज के द्वारा केबिनेट मंत्री रविकिरण साहू का भव्य स्वागत किया गया। जिसके बाद श्री साहू ग्राम स्थित भक्त शिरोमणि माता कर्मा देवी एवं देवकी नंदन भगवान श्रीकृष्ण मंदिर पहुंचे और पूजा अर्चना कर आशीर्वाद प्राप्त किये। तत्पश्चात तेली साहू समाज के द्वारा शाल, श्रीफल देकर केबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त एवं तेलघानी बोर्ड अध्यक्ष रविकिरण साहू का सम्मान किया गया। इस अवसर पर साहू तेली समाज के पदाधिकारियों ने केबिनेट मंत्री, तेलघानी बोर्ड अध्यक्ष को ग्राम में भक्त शिरोमणि माता कर्मा देवी एवं देवकी नंदन भगवान श्रीकृष्ण मंदिर के निर्माण सभी के सहयोग से किये जाने। साथ ही मंदिर के प्रवेश गेट के सामने किसी अन्य व्यक्ति के द्वारा दीवार बना दिया गया है एवं पूर्व में मंदिर निर्माण के दौरान आई परेशानियों के बारे में जानकारी देते हुए मंदिर के प्रवेश द्वार के सामने जिस व्यक्ति ने अतिक्रमण कर दीवार बना लिया है उसे तोड़ने की मांग की। जिसके बाद केबिनेट मंत्री, तेलघानी बोर्ड अध्यक्ष श्री साहू ने थाना प्रभारी से कहा कि जिस व्यक्ति के द्वारा मंदिर के प्रवेश द्वार के सामने दीवार बना दिया गया है जिससे मंदिर में आने वाले एवं अन्य कार्यक्रम आयोजित किये जाने में परेशानी हो रही है। इसलिए उसे जल्द हटाये ताकि भक्त शिरोमणि माता कर्मादेवी मंदिर में आने वाले श्रध्दालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो। साथ ही यह भी कहा कि साहू (तेली) समाज संगठित होकर समाजोत्थान के क्षेत्र में बेहतर काम करें। साहू (तेली) समाज

पदाधिकारी खेमलाल साहू ने कहा कि भक्त शिरोमणि माता कर्मा देवी के मंदिर निर्माण के लिए काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा है और बड़े संघर्ष के बाद यह मंदिर का निर्माण हुआ है एवं मंदिर निर्माण के लोकार्पण के एक महीने बाद केबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त, तेलघानी बोर्ड अध्यक्ष रविकिरण साहू जी का बघोली में आगमन हुआ है जिनका मंदिर निर्माण में बहुत सहयोग मिला है। साथ ही मंत्री जी से निवेदन करते है कि मंदिर निर्माण सहित अन्य कार्य में आ रही समस्या का समाधान करें। श्री साहू ने कहा कि केबिनेट मंत्री श्री साहू जी हमारे समाज के गौरव है जिन्होने समाज उत्थान के लिए बेहद संघर्ष किया है, पैदल यात्राएं एवं कलश यात्रा निकाली है। जो मध्य प्रदेश सहित अन्य पड़ोसी रा'यों तक पहुंची जिसके माध्यम से अपने समाज को जागृत करने का भी प्रयास किया है इसलिए हम सभी को संगठित होकर समाजोत्थान के क्षेत्र में काम करना है। इस अवसर पर पतिराम समरीत,जयराम साटोने, तेजराम पटले, कुशोबा तुलसीकर, मूलचंद लांजेवार, चमरूलाल अगासे, पन्नालाल समरीत, खेमलाल साहू, देवराम साहू, रूपलाल लांजेवार, मनोज समरीत, डिलेश समरीत, ओमकार पटले, ताराचंद पटले, चुन्नीलाल महेरकर, रमेश समरीत, पुनाराम महेरकर, नवेंद्र महेरकर, मुकेश समरीत, गौरीशंकर समरीत, सुबेलाल लांजेवार, भिवराम साहू, देवराम महेरकर, रतिराम महेरकर, पतिराम महेरकर, भागचंद लांजेवार, प्रेमलाल पटले, हेमराज पटले, गौतम तुलसीकर, खोजलाल सेलोकर, हीरालाल पटले, महेश महेरकर, दुर्गेश चकोले, कन्हैयालाल धानेश्वर, खिलेंद्र टेम्भरे, कैलाश रंगारे, सावन कावरे, भेजेंद्र टेम्भरे, टेकचंद गौतम, हरिलाल यादव, मूलचंद चौधरी, पतिराम कल्यारी, बालकिशन साटोने, दीपेंद्र साहू, विपिन साहू, कृपाशंकर साटोने, भूपेंद्र तुलसीकर, ध्रुव महेरकर, गगन पटले, आकाश समरीत, विकास समरीत, विशाल समरीत, अजय समरीत, कैलाश समरीत, नुपेंद्र लांजेवार सहित ग्रामीणजन व स्वजातीय बंधु उपस्थित रहे।

संगठित होकर समाजोत्थान के क्षेत्र में करे काम - रविकिरण

केबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त, तेलघानी बोर्ड अध्यक्ष रविकिरण साहू ने कहा कि ग्राम बघोली में विगत दिवस भक्त शिरोमणि माता कर्मा देवी का निर्माण कर सामाजिक बंधुओं ने जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाये है। जिस कार्यक्रम में मुझे आमंत्रित किया गया था किन्तु किसी कारणवश नही आया पाया था, लेकिन मैंने कहा था कि जब भी मैं बालाघाट आऊंगा जरूर बघोली स्थित माता कर्मादेवी के मंदिर पहुंचकर आशीर्वाद प्राप्त करूंगा और आज भक्त शिरोमणि माता कर्मा देवी एवं देवकी नंदन भगवान श्रीकृष्ण मंदिर पहुंचकर पूजा अर्चना कर आशीर्वाद प्राप्त किया है। साथ ही मैं माता कर्मा देवी के श्री चरणों में सिर झुकाकर नमन करता हूं कि जिस तरह से हमारे सामाजिक बंधुओं के द्वारा छोटे से गांव में इतना बड़ा भव्य भक्त शिरोमणि माता कर्मा देवी एवं देवकी नंदन भगवान श्रीकृष्ण मंदिर का निर्माण कर प्राण-प्रतिष्ठा एवं उदघाटन कर दिया है यह बहुत प्रशंसा की बात है और माता कर्मादेवी सभी के जीवन में हमेशा खुशहाली बनाये रखे। श्री साहू ने कहा कि हमारा समाज एक जागरूक समाज है और इस मंदिर निर्माण में जो जमीन को लेकर परेशानियों आई है उसे दुर करने में हमारा पूरा सहयोग रहेगा। साथ ही यह भी कहा कि मंदिर के सामने किसी व्यक्ति के द्वारा दीवार बना दिया गया है। जिसके कारण ग्रामीणजनों को मंदिर दिखाई नही दे रहा है एवं मंदिर में कार्यक्रम करने में परेशानी होती है इसलिए प्रशासन से मांग है कि दीवार को तोड़े एवं ग्रामीणजनों से भी निवेदन है कि आपसी सामंजस्य बैठक कर इस समस्या का समाधान करें और अपनी जागरूकता का परिचय दे। साथ ही सामाजिक बंधुओं से संगठित होकर समाजोत्थान एवं बच्चों को अच्छी शिक्षा प्रदान करने की बात कही।

आसमान से बरस रही आग, नहीं खुले सार्वजनिक प्याऊ

प्याऊ नही खुलने से बस स्टैण्ड में यात्रीगण टंकी का गर्म एवं हैंडपंप का पानी पीने मजबूर, यात्रीगण एवं स्थानीय दुकानदारों ने जनपद पंचायत से जल्द शीतल प्याऊ खोलने की मांग की

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय सहित ग्रामीण क्षेत्रों में आसमान से आग बरस रही है। जिसके कारण तापमान बढ़ते ही जा रहा है और गर्मी के दिनों में लोगों को सबसे अधिक प्यास लगती है। जिससे उनके गले को तर करने के लिए शीतल जल (पानी) की जरूरत पड़ती है परन्तु लालबर्रा स्थित बस स्टैण्ड एवं अन्य स्थानों पर जनपद पंचायत, ग्राम पंचायत व समाजसेवी संस्था के द्वारा अब तक सार्वजनिक प्याऊ नही लगवाया (खुलवाया) गया है। जिसके कारण राहगीर, स्थानीय दुकानदार व यात्रीगण इस भीषण गर्मी में ठंडे पेयजल के लिए परेशान हो रहे है। साथ ही नगर मुख्यालय के हद्‌य स्थल बस स्टैण्ड में ठंडे पेयजल की व्यवस्था नही होने के कारण क्षेत्रभर से पहुंचने वाले लोगों में स्थानीय प्रशासन के प्रति आक्रोश व्याप्त है और मजबूरी में सार्वजनिक यात्री प्रतिक्षालय में लगे पानी टंकी व हेंडपंप का गर्म पानी पीने मजबूर है या फिर शीतल पानी खरीदकर लोग अपनी व्यास बुझा रहे है। वहीं वर्तमान में लग रही भीषण गर्मी के मौसम में लू से बचने के लिए एवं गले को तर करने के लिए शीतल जल की आवश्यकता होती है जहां की ठंडे पानी से लोग अपनी प्यास बुझाते है इसलिए जागरूक नागरिकों ने जनपद पंचायत, ग्राम पंचायत व समाजसेवी संस्थाओं से जल्द बस स्टैण्ड सहित अन्य सार्वजनिक स्थानों पर शीतल प्याऊ खुलवाने की मांग की है। आपकों बता दे कि भीषण गर्मी प्रारंभ होते ही मार्च के अंतिम व अप्रैल माह के प्रथम सप्ताह में जनपद पंचायत, ग्राम पंचायत व समाजसेवी संस्था के द्वारा स्थानीय बस स्टैण्ड एवं अन्य सार्वजनिक स्थानों में ठंडे पानी के लिए प्याऊ खुलवा दिया जाता था। जहां से क्षेत्रभर से पहुंचने वाले लोग, यात्रीगण व स्थानीय दुकानदार प्यास लगने पर उक्त स्थान से पानी पीकर अपने कंठ को तर कर लेते थे परन्तु इस वर्ष अप्रैल माह समाप्ति में है लेकिन अब तक प्याऊ नही खोला गया हैं। जिससे लोगों में प्रशासन के प्रति आक्रोश व्याप्त है और जल्द ही नगर मुख्यालय के हद्‌यस्थल बस स्टैण्ड एवं अन्य सार्वजनिक स्थानों पर शीतल प्याऊ खुलवाने की मांग की है।

मंगेझरी बस्ती में पानी की किल्लत : नल जल योजना कि समस्या से ग्रामीण आक्रोशित

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत मंगेझरी की बस्ती में पानी की किल्लत बनी हुई है। जहां नल जल योजना का सफल संचालन नही होने से ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त है। जिनके द्वारा पानी की प्राप्ति के लिए विभिन्न स्त्रोत के चक्कर लगाए जा रहे हैं। जिसमें उन्हें अधिक दूरी तय करनी पड़ रही है तो वहीं पानी भी पर्याप्त प्राप्त नही हो पा रहा है। यह बस्ती के विभिन्न स्थानों पर समस्या बनी हुई है जहां मुश्किल से दो से तीन वार्डों को छोड़कर अन्य वार्डों में थोड़ा बहुत पानी प्राप्त हो रहा है। जो पर्याप्त नहीं है तो वहीं बाकी के नल हवा फेंक रहे हैं जहां ग्रामीण नल जल योजना को लेकर काफी परेशान है। जिनके द्वारा विभाग से योजना में आ रही समस्या का समाधान करने की मांग की जा रही है।

७ वार्डों में से ३ वार्डों में ही मिल रहा पानी

ग्राम पंचायत मंगेझरी एक बड़ी पंचायत है जो विभिन्न टोलो में बटी हुई है। जिसकी बस्ती में वार्ड नंबर ११ से १७ तक ७ वार्ड स्थित है। जहां पर पीने के शुद्ध पानी की समस्या बनी हुई थी जिसको देखते हुए जल जीवन मिशन के तहत लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग वारासिवनी के माध्यम से नल जल योजना स्वीकृत करवाई गई थी। जिसकी पानी की टंकी का निर्माण किया गया वहीं पूरे ग्राम में नल जल योजना की पाइप लाइन का भी विस्तार कर दिया गया। परंतु ग्राम के वार्ड नंबर ११,१२ एवं १३ में लोगों को नल जल योजना के माध्यम से पानी उपलब्ध हो पा रहा है । वहीं वार्ड नंबर १४,१५,१६,१७ में कई लोगों को पानी नहीं मिल रहा है कुछ लोगों को पानी मिल भी रहा है तो पर्याप्त नहीं है। एक से दो बाल्टी पानी ही नल जल योजना में मिल पा रहा है। ऐसे में उक्त वार्ड वासियों को हैंडपंप या कुएं से २०० मीटर की दूरी तय कर पानी लाना पड़ रहा है। जहां पर हैंडपंप की स्थिति भी खराब होने लगी है जल स्तर भी नीचे जा रहा है । उक्त समस्या को लेकर कई बार ग्रामीणों के द्वारा ग्राम सरपंच एवं पीएचई विभाग को शिकायत की गई है। किंतु किसी के द्वारा उक्त समस्या पर संज्ञान नहीं दिया गया है जिसके कारण स्थिति यथावत बनी हुई है । जहां ग्रामीणों के द्वारा नल जल योजना से पर्याप्त पानी उपलब्ध कराने की मांग की जा रही है।

नाम मात्र की ग्राम में नल जल योजना बनी है जिससे सभी परेशान है-विजय नेवारे

पंच विजय नेवारे ने बताया कि पानी की टंकी यहां पर बनी हुई है पर पानी सभी को नहीं मिल पाता है। आधे लोगों को पानी मिलता है आधे लोगों को नहीं मिलता है पानी की प्रमुख समस्या बनी हुई है। अभी गर्मी आने वाली है तो यह समस्या और बढ़ेगी पानी की जरूरत हर किसी को है। इसमें एक समस्या है कि वाटर लेवल अब नीचे जा रहा है ऐसे में सभी लोग इधर उधर से पानी लाकर पूर्ति कर रहे हैं। ग्राम के जो हैंडपंप और कुंए बने हैं वहां से पानी लाते हैं जिसके लिए २०० मीटर दूर जाना पड़ता है। यह जो नल जल योजना बनी है ऐसा लगता है कि नाम मात्र की है।

४ दिन पानी फिर नल जल योजना बंद रहती है-देवेन्द्र चौहान

ग्रामीण देवेंद्र चौहान ने बताया की मंगेझरी में पानी की टंकी बनी हुई है जिससे कुछ वार्डों में पानी आता है कुछ वार्डों में नहीं आता है। पाइप लाईन तो सभी जगह डाल दी गई है और १ वर्ष से अधिक का समय हो गया है यह नल जल योजना प्रारंभ हुई है। जिसे पंचायत में हैंडोवर कर ली है हमारे द्वारा उस समय की बात पंचायत में रखी गई थी तो बताया गया कि ठेकेदार ने कहा है कि बचा हुआ काम वह पूरा करके देगा इसीलिए हमने हैंडोवर लिए है। परंतु आज भी काम पूरा नहीं हुआ है चार दिन पानी मिलता है ८ दिन बंद रहती है इस प्रकार योजना बनी हुई है।

ग्राम में पानी की स्थिति खराब है-रोशन लाल पटले

ग्रामीण रोशन लाल पटले ने बताया कि हमारे यहां जो नल जल योजना बनी हुई है वह बराबर नहीं है। कभी पानी मिलता है कभी पानी नहीं मिलता है हमारे वार्ड में तो एक भी हैंडपंप नहीं है। जिस कारण से हम कुएं से पानी लाते हैं परंतु दूसरे मोहल्ले में हैंडपंप है जहां उनकी स्थिति खराब है। किसी से अच्छा पानी तो किसी से खराब पानी निकल रहा है हर कोई को पानी की समस्या है। गर्मी लगातार बढ़ रही है ग्रामीण क्षेत्र होने से घरों में मवेशियों को भी खूब पानी लगता है ऐसे में काफी दिक्कत हर किसी को बनी हुई है हम चाहते हैं कि सभी को पर्याप्त पानी मिले।

इनका कहना है

दूरभाष पर चर्चा में बताया कि बस्ती में नल जल योजना का संचालन करने वाले व्यक्ति के कारण यह समस्या बन रही है। जिसे पूर्व में भी समझाइस दी जा चुकी है वहीं जल स्तर भी नीचे जा रहा है जिस कारण से टंकी बराबर भर नहीं पाती है। यदि ऐसी समस्या है तो समाधान कर सभी को पानी पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा।

लोकचंद रोडगे
सरपंच ग्राम पंचायत मंगेझरी

मौसम परिवर्तन के साथ हुई बूंदाबांदी

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज) । नगर सहित क्षेत्र में २७ अप्रैल की दोपहर में अचानक मौसम ने करवट ली बदली का मौसम बना गया। वहीं कुछ समय रिमझिम

बूंदा बांदी का दौर चला जिससे वातावरण में ठंडक व्याप्त हो गया। इससे लोगों को भीषण गर्मी से राहत मिली तो वहीं किसानों के चेहरे भी खिल उठे क्योंकि कुछ स्थानों पर तेज बारिश हुई। वहीं वातावरण में व्याप्त ठंडक उनकी फसल में लाभ होगा तो वहीं सूर्य देवता बादलों के पीछे छुपे रहे। नगर वासियों ने भी भीषण गर्मी से राहत महसूस की जहां बच्चे बूढ़े सभी अपने घरों के अंदर से हवा तूफान एवं रिमझिम बारिश का आनंद लिया। ऐसे में रविवार की सुबह से सूर्य देवता आसमान में अपनी चमक बिखेरते हुए उपस्थिति बनाए हुए थे। हर तरफ लोग भीषण गर्मी से परेशान नजर आ रहे थे इसी समय दोपहर करीब ४.३० बजे मौसम में करवट ली। जिसमें हवाएं चलने लगी सूर्य देवता बादलों में छुप गए और बदली छा गई । इस दौरान तेज हवाएं चलने के साथ बूंदाबांदी का दौर प्रारंभ हो गया जिसने नगर सहित क्षेत्र में व्याप्त गर्मी को ठंडक में परिवर्तित कर दिया। विदित हो कि यह गर्मी का मौसम चल रहा है खेतो में कडकती धूप के बीच सिंचाई का संकट खड़ा है ऐसे समय में किसान बारिश की कामना कर रहे है। इस हल्की बूंदाबांदी के बाद भी चल रही तेज हवाओं से किसानों के द्वारा बारिश की संभावना लगाई जा रही है। जिसने पूरे वातावरण को ठंडा कर लोगों को ठंडक का एहसास करवाकर आनंदित कर दिया। ऐसे में रात्रि के समय यदि बारिश हो जाती है तो किसानों के लिए यह वरदान साबित होगा।

पहलगाम आतंकी हमले की मदरसे के नाजिम ने की कड़ी निंदा

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज) । २२ अप्रैल २०२५ को कश्मीर के पहलगाम बैसरन घाटी में पाकिस्तानी आतंक वादियों के द्वारा कायराना हमला कर २६ बेकसूर लोगों की निर्मम हत्या कर दी गई। जिसकी सर्वत्र निंदा की जा रही है। इसी कड़ी में मौलाना आजाद एजुकेशन सोसायटी के माध्यम से ग्राम डोंगरिया में संचालित मदरसा के नाजिम प्रबंधक मौलाना इरशाद के द्वारा भी उक्त आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा की गई। तथा अपने साथी स्टाफसहित हमले में मारे गये लोगों व उनके परिवार के लोगों के प्रति सहानुभूति व्यक्त की गई। नाजिम मौलाना इरशाद ने बताया कि इस्लाम धर्म अमन चैन और भाई चारा का संदेश देता है। इस्लाम धर्म के अनुसार कोई व्यक्ति यदि किसी निर्दोष व्यक्ति की नाहक हत्या करता है तो वह व्यक्ति ऐसा है जैसा उसने सारे इंसानों की हत्या कर दी। इस्लाम का आतंकवाद एवं आतंकवादियों से कोई संबंध नहीं है। आतंक वादियों ने जो कायरता पूर्वक कृत्य किया है वह कतई काबिले बर्दाश्त नहीं है। हम इस घटना की कड़े शब्दों में निंदा करते हैं। भारत सरकार आतंक वादियों के खिलाफ जो भी कड़ी से कड़ी कार्यवाही करेगा हम तथा हमारा समाज उसका समर्थन करता है। हम अपनी तरफ से मांग करते हैं कि आतंक वादियों को ऐसी सख्त सजा दी जायें कि उससे उनके जैसे अन्य दहशतगर्द लोग इबरत हासिल करें और भविष्य में कोई ऐसी घटना को अंजाम देने की वे हिम्मत भी ना कर सके।

सीएम राइज स्कूल प्रवेश प्रक्रिया पर उठ रहे सवाल

बिना चयन प्रक्रिया के हुआ प्रवेश, निराश होकर लौटे पालकगण

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। सीएम राइज टिहलीबाई शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय वारासिवनी के नवीन सत्र की प्रवेश प्रक्रिया संपन्न हो गयी है। इस प्रक्रिया पर प्रश्न चिन्ह खड़े हो रहे हैं इसमें बताया जा रहा है कि बिना कोई चयन प्रक्रिया का पालन किये प्रवेश प्रक्रिया संपन्न कर ली गई है। इस दौरान अंतिम तिथि के पहले ही प्रवेश पूर्ण होने से पालको को निराश होकर वापस लौटना पड़ा है। जबकि यह योजना प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी योजना है जिससे शिक्षा के क्षेत्र में बड़ा बदलाव माना जा रहा है। ऐसे में विद्यालय की प्रवेश प्रक्रिया से पालको में आक्रोश व्याप्त है।

अंतिम तिथि के पहले ही कर दी प्रवेश प्रक्रिया

प्राप्त जानकारी के अनुसार नगर के सीएम राइज टिहलीबाई शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में नवीन शैक्षणिक सत्र के लिए प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ की गई थी। जिसके लिए क्षेत्र के लोगों से आवेदन आमंत्रित किए गए थे। परंतु उक्त प्रवेश प्रक्रिया निर्धारित तिथि के पूर्व ही पूर्ण कर ली गई। जहां पर अपने बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए प्रवेश करवाने पहुंचे गरीब पालकों को वापस लौटना पड़ा है। वहीं कई पालकों को दस्तावेज पूर्ण होने पर प्रवेश नहीं दिया गया। जहां पर समस्त कक्षाओं में रिक्त पदों पर पहले आओ पहले पाओ की तर्ज पर प्रवेश प्रक्रिया संपन्न करा दी गई। जबकि निर्धारित अवधि तक समस्त कक्षाओं के लिए फार्म एकत्रित किए जाने थे । उसके बाद चयन प्रक्रिया मेरिट या लाट के माध्यम से रिक्त स्थान पर विद्यार्थियों को लिया जाना था। उसमें भी शासकीय विद्यालयों से आने वाले विद्यार्थियों को प्राथमिकता दी जानी थी परंतु ऐसा कुछ देखने को नहीं मिला जिसको लेकर पालको में आक्रोश व्याप्त है।

सीएम राइज स्कुल बलशाली और धनवान लोगों के लिय हैं गरीबो के लिये नहीं-दीपक बांगरे

पालक दीपक बांगरे ने बताया कि वह सिकंद्रा रहते हैं मेरे पास काम करने वाला वर्कर है जिसका पैर टूट चुका है वह नहीं आ सकता था तो उसके बच्चे की प्रवेश प्रक्रिया के लिए हम यहां आए थे। हमें २५ अप्रैल तक फार्म जमा करने की जानकारी दी गई थी किंतु अब बता रहे हैं कि पहले ही तारीख समाप्त हो गई है। इस प्रक्रिया के लिए ज्यादा बोलना ठीक नहीं होगा बड़े स्तर की बात है यहां २५ अप्रैल तक फार्म जमा होने से फिर चयन कर लिस्ट निकाली जानी थी। किंतु ऐसा कुछ समझ नहीं आ रहा है ऐसा लग रहा है कि बलशाली और धनवान लोगों के काम हो गए हैं। गरीब का कोई नहीं है हम दो तीन दिन से फार्म लेने के लिए आ रहे हैं और कोशिश भी कर रहे हैं । यहां पर पहले तो मना कर दिया गया कि हम २५ को बताएंगे। आज जब हम फॉर्म देने आए तो बता दिए की तारीख खत्म हो गई है यह प्रक्रिया हमें भ्रमित कर रही है। अब इसे क्या नाम दे अनुचित होगा ज्यादा बोलना हम अपने शब्द रोक रहे हैं पर यह ठीक नहीं हो रहा है। जिस प्रकार २५ अप्रैल तक फॉर्म लेकर सूची निकलना था या लाट निकलना था पर लास्ट डेट के पहले ही प्रवेश प्रक्रिया संपन्न हो गई।

इनका कहना है

मौखिक चर्चा में बताया कि प्रवेश प्रक्रिया जो की जानी थी वह नियम अनुसार की गई है।

हुमराज पटले
उप प्राचार्य सीएम राइज स्कुल वारासिवनी

मध्य प्रदेश बैंक मित्र संगठन की जिला स्तरीय बैठक संपन्न

१ मई को काली पट्टी बांधकर करेंगे विरोध प्रदर्शन

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज) । वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत लिंगमारा स्थित श्रीराम बालाजी मंदिर में मध्य प्रदेश बैंक मित्र संगठन की जिला स्तरीय बैठक आयोजित की गई । यह बैठक कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष सरफ्राज हुसैन ,जिला अध्यक्ष रूपक भालाधारे सहित अन्य बैंक मित्रों की उपस्थिति में प्रारंभ की गई। जिसमें सभी को बताया गया कि बैंक एवं कंपनियों के द्वारा लगातार बीमा पॉलिसी करने को दबाव बनाया जा रहा है। ऐसे में प्रदेश स्तर से आह्वान किया गया है कि सभी बैंक मित्र १ मई २०२५ को अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस के उपलक्ष्य में एक दिन काली पट्टी बांध कर विरोध प्रदर्शन करेंगें। संगठन ने भारतीय रिजर्व बैंक नई दिल्ली एवं भारतीय रिजर्व बैंक के भोपाल स्थित कार्यालय एवं समस्त राष्ट्रीयकृत बैंको के आंचलिक कार्यालयों को मेल एंव डॉक के माध्यम से अपनी समस्याओं से अवगत कराया हैं। यदि एक सप्ताह के अंदर कोई उचित कार्यवाही नहीं की जाती है तो सभी बैंक मित्र काली पट्टी बांधकर विरोध प्रदर्शन करेंगें। क्योंकि बैंक मित्रों को बैंको एवं कंपनियों के द्वारा जबरन बीमा करने के लिए दवाव बनाया जाता है, तथा लक्ष्य की पूर्ति नहीं करने पर आईडी बंद कर दी जाती है। इस तरह बैंक मित्रों को कभी भी बेरोजगार कर दिया जाता है जिससे सभी मानसिक रूप से परेशान है। अब सभी बैंकों के बैंक मित्रों का उक्त संगठन ट्रेड यूनियन में पंजीकृत हो गया है जो बैंक मित्रों के हितो के लिए लगातार अपनी लड़ाई लड़ता रहेगा। इस दौरान उपस्थित लोगों के द्वारा अपने अपने सुझाव भी रखे गए जिस पर विचार मंथन किया गय। सरफराज हुसैन ने बताया कि वर्ष २०१४ से लगातार हमारे द्वारा कार्य किया जा रहा है जिसमें ९० प्रतिशत लोगों के बीमा कर दिए गए हैं। ऐसे में बैंकों के द्वारा जीवन ज्योति, जीवन सुरक्षा, अटल पेंशन यह तीनों बीमा करने के लिए परेशान किया जा रहा है जिसको लेकर हमारे द्वारा विरोध किया जाएगा। इस अवसर पर बड़ी संख्या में बैंक मित्र मौजूद रहे।

हमारी भाषाई विविधता हमारी शक्ति है

भारत हजारों वर्ष पूर्व से अपनी अनमोल विशेषताओं का धनी रहा है। भारत में अनमोल विशाल प्राकृतिक संपदा, अनमोल संस्कृति, साहित्य, ज्ञान, भाषाई विविधता का ख़ज़ाना भरा है। यह देखकर ऐसा महसूस होता है कि सारी सृष्टि में मां सरस्वती ने भारत पर अनमोल कृपा बरसाई है, क्योंकि ऐसा बेजोड़ खजाना शायद ही वैश्विक रूप से किसी देश में होगा ऐसा मेरा मानना है। साथियों बात अगर हम इस अनमोल ख़ज़ाने की करें तो हम सब 135 करोड़ जनसंख्याकिय तंत्र को गंभीरता से रेखांकित कर इसका लाभ उठाना होगा क्योंकि यह हमारी अनमोल धरोहर और शक्ति भी है तथा आत्मनिर्भर भारत बनाने की अनमोल कड़ियों में से यह भी एक है जिसके आधार पर हमें आत्मनिर्भर भारत में अनमोल सहयोग व ताकत प्राप्त होगी। साथियों बात अगर हम हमारी भाषाई विविधता की करें तो हर भारतीय भाषा का गौरवशाली अनमोल इतिहास, समृद्धि, साहित्य भाषा योग्यता है जो हमारी शक्ति है और अनेकता में एकता की भाषा की मिठास से वैश्विक स्तरपर भारतीय साहित्य के साथ-साथ भारत की प्रतिष्ठा भी बड़ी है। साथियों बात अगर हम उपरोक्त भाषाई ख़ज़ाने को रेखांकित करने के महत्व की करें तो भारतीय बौद्धिक क्षमता विश्व प्रसिद्ध है और 135 करोड़ जनसंख्यकीय तंत्र में हर व्यक्ति के पास अपने ढंग की एक विशेष कला है जो उसे उनके भाषाई इतिहास,साहित्य, पूर्वजों से मिली है जिसका उपयोग करने के लिए उनके पास उचित और पर्याप्त प्लेटफार्म नहीं है और अगर है भी तो सभी के लिए नहीं है कुछ ही लोगों के लिए है जिसे हमें रेखांकित कर उनके लिए अपना कौशल दिखाने विश्वविद्यालय स्तरपर ग्रामीण क्षेत्रों में भाषाई विविधता के कड़ियों को जोड़ने एक अभियान चलाना होगा और उस कौशल को बाहर निकालकर हमें तराशना होगा और आत्मनिर्भर भारत में महत्वपूर्ण योगदान मिलेगा। साथियों बात अगर हम भाषाई विविधता को एक माला में पिरोने की करें तो इसमें राजभाषा हिंदी को एक सखी के रूप में प्रयोग करना होगा और हमारी भाषाई विविधता को हमारी शक्ति बनाना होगा। साथियों बात अगर हम माननीय पूर्व उपराष्ट्रपति द्वारा एक कार्यक्रम में संबोधन की करें तो पीआईबी के अनुसार उन्होंने भी कहा कि हर भारतीय भाषा का गौरवशाली इतिहास है, समृद्ध साहित्य है, हम सौभाग्यशाली हैं कि हमारे देश में भाषाई विविधता है। हमारी भाषाई विविधता हमारी शक्ति है क्योंकि हमारी भाषाएं हमारी सांस्कृतिक एकता को अभिव्यक्त करती हैं । इस संदर्भ में उन्होंने युवा छात्रों से संप्रदाय, जन्म, क्षेत्र, लैंगिक विभेद, भाषा आदि भेदभावों से ऊपर उठकर देश की एकता को मजबूत करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि एक सभ्य समाज से यही अपेक्षित है कि उसकी भाषा सौम्य, सुसंस्कृत और सृजनशील हो। उन्होंने विश्वविद्यालयों से अपेक्षा की कि वे यह संस्कार डालें कि साहित्य लेखन से समाज में सभ्य संवाद समृद्ध हो, ना कि विवाद पैदा हो। हम अपनी अभिव्यक्ति की आज़ादी को भाषा की मर्यादा और समाज के अनुशासन में रह कर प्रयोग करें। उन्होंने कहा कि विदेशों में फैले प्रवासी भारतीय समुदाय तथा विश्व के अन्य हिंदी भाषी देशों को, मातृभूमि भारत से जोड़े रखने में हमारी भारतीय भाषाओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। इस संदर्भ में उन्होंने विश्वविद्यालयों से आग्रह किया कि वे हिंदी भाषी देशों और प्रवासी भारतीय समुदाय के लेखकों की साहित्यिक कृतियों को अपने बौद्धिक विमर्श में शामिल करें। हमारी भाषाई विविधता को देश की शक्ति बताते हुए, उन्होंने इस विविधता में एकता के सूत्र को मजबूत करने का आग्रह किया और कहाकि इसके लिए ज़रूरीहै कि भाषाओं में आपस में संवाद बढ़े। उन्होंने कहा कि इस कार्य में विश्वविद्यालयों के भाषा विभागों की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। विश्वविद्यालयों के भाषा विभागों के बीच निरंतर संपर्क और बौद्धिक संवाद रहना चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट के जजों की टिप्पणियाँ विवादों में

सुप्रीम कोर्ट के दो सदस्यों की खंडपीठ ने शुक्रवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ कोर्ट में एक एसी टिप्पणी की, जिसकी चर्चा देशभर में हो रही है। राहुल गांधी द्वारा की गई विनायक दामोदर राव सावरकर पर की गई टिप्पणी को सुप्रीम कोर्ट ने गैर जिम्मेदाराना बताते हुए सख्त लहजे में कहा, यदि दोबारा राहुल गांधी द्वारा स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों का मजाक बनाया गया, विनायक दामोदर सावरकर के खिलाफ यदि कोई बयान दिया गया, तो हम स्वयं संज्ञान लेकर राहुल गांधी पर कार्रवाई करेंगे। सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी एक ऐसे मामले में आई, जिसमें राहुल गांधी ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के उस आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील की थी, जिसमें हाईकोर्ट ने ट्रायल कोर्ट से जारी समन को रद्द करने से इनकार किया था। हाईकोर्ट ने अपने आदेश में कहा था, राहुल गांधी सेशन कोर्ट में पुनरीक्षण याचिका दायर कर सकते हैं। इस मामले की अपील राहुल गांधी की ओर से सुप्रीम कोर्ट में पेश की। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में सुनवाई की। राहुल गांधी के खिलाफ जो आपराधिक कार्रवाई चल रही थी, उस पर सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगा दी है। यह मामला सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस मनमोहन की बेंच में सुनवाई के लिए लगा था। 17 नवंबर 2022 को भारत जोड़ो यात्रा के दौरान महाराष्ट्र के अकोला में दामोदर राव सावरकर के खिलाफ राहुल गांधी ने टिप्पणी की थी। इस बयान के बाद देश भर में राहुल गांधी के खिलाफ कई स्थानों पर मुकदमे दर्ज किए गए। सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान मौखिक टिप्पणी करते हुए कहा, स्वतंत्रता सेनानियों के साथ ऐसा व्यवहार ठीक नहीं है। कानून के आधार पर राहुल गांधी को राहत दी जा रही है। सुप्रीम कोर्ट ने जब अपना फैसला लिखा, उसमें जो टिप्पणी की गई थी। उसका कोई उल्लेख नहीं है। पिछले कुछ वर्षों से सावरकर की विचारधारा को लेकर सरकार उन्हें स्वतंत्रता संग्राम का महानायक बनाने का प्रयास कर रही है। पिछले कुछ दशकों में इंग्लैंड से बहुत सारे ऐसे दस्तावेज जो ब्रिटिश सरकार के पास थे, वे एक लंबे समय के बाद भारत सरकार के पास समय-समय पर वापस लौटे हैं। इन दस्तावेजों में वीर सावरकर जब जेल में बंद थे उस समय लिखे पत्र भी सार्वजनिक हुए। यह पत्र कब भारत सरकार को मिले हैं इसकी जानकारी तो नहीं है। दामोदर राव सावरकर शुरुआती दौर में अंग्रेजों के खिलाफ स्वतंत्रता संग्राम की लड़ाई में उतरे थे। जब उन्हें जेल हुई, उसके बाद उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम आंदोलन से अलग होते हुए, अंग्रेज सरकार से माफी मांगी। अपने आप को अंग्रेज सरकार का मुलाजिम बताते हुए सरकार को भरोसा दिलाया था, सरकार जो कहेगी वह करेंगे। द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान दामोदर राव सावरकर ने अंग्रेजों की सेना में युवाओं की भरती के लिए अभियान चलाया था। ब्रिटिश सरकार द्वारा जो दस्तावेज सार्वजनिक किए गए हैं, उसके अनुसार दामोदर राव सावरकर को अंग्रेज सरकार से पेंशन भी मिलती थी। इस बात की जानकारी दस्तावेजों के माध्यम से बहुत बाद में प्राप्त हुई है। दामोदर राव सावरकर ने छदम नाम से एक पुस्तक लिखी। जिसमें उन्हें वीर सावरकर के रूप में प्रस्तुत किया गया। 2014 में जब से केंद्र में भाजपा की सरकार आई है। उसके बाद से वीर सावरकर

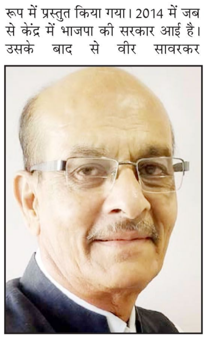

को महिमा मंडित करते हुए, स्वतंत्रता संग्राम का महान आंदोलनकारी और विचारक बताने की एक नई कोशिश शुरू की गई है। नाथूराम गोडसे जिन्होंने महात्मा गांधी की हत्या की थी, उन्हें भी महानायक बनाया जा रहा है। जगह-जगह उनके मंदिर बनने लगे। इसके साथ ही महात्मा गांधी और जवाहरलाल नेहरू जैसे स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के बारे में उनकी आलोचना करते हुए, गलत तथ्यों के आधार पर, देश में एक नई राजनीति शुरू हुई है। राहुल गांधी जिस मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट गए थे। सुप्रीम कोर्ट मे जो याचिका उन्होंने लगाई थी। उस पर विचार करके कोर्ट को निर्णय देना था। पिछले कुछ वर्षों में महात्मा गांधी, इंदिरा गांधी, जवाहरलाल नेहरू एवं अन्य स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के बारे में गलत तथ्यों के साथ आलोचना एक पक्ष द्वारा प्रचारित की जा रही है। इसी पक्ष द्वारा वीर सावरकर और नाथूराम गोडसे को लेकर जो बातें प्रचारित की जा रही हैं, वह सत्य से परे हैं। इस पर राजनीतिक संग्राम तो होना ही था। वह हो भी रहा है। सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट में पिछले कुछ वर्षों से मामलों की सुनवाई के दौरान तरह-तरह की टिप्पणियां जजों द्वारा की जाती हैं। जब उन्हीं मामले में आदेश आते हैं। उनमें न्यायालय में जो टिप्पणियां जजों द्वारा की गई थी वह आदेश में देखने को नहीं मिलती हैं। न्यायालय में जजों द्वारा जो मौखिक टिप्पणियां की जाती हैं, उन्हें लेकर सरकार और एक राजनीतिक संगठन उसका इस्तेमाल अपने राजनीतिक फायदे के लिए करने लगता है। जिसके कारण अब हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के जज भी राजनीतिक विवाद का विषय बनने लगे हैं। पूर्व सीजेआई रंजन गोगोई, कोलकाता के एक जज महोदय वहां की राज्य सरकार के खिलाफ सुनवाई के दौरान तरह-तरह की टिप्पणी करते रहे। जिसके कारण पश्चिम बंगाल की राज्य सरकार को समय-समय पर काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। वही जज महोदय इस्तीफा देकर भाजपा में आ गए और सांसद बन गए। कोर्ट की मौखिक टिप्पणियों को आधार बनाकर सरकार उसे निर्णय के रूप में प्रचारित करती है। जन सामान्य के बीच में यह धारणा बनने लगी है। हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के जज सरकार के खिलाफ जो भी मामले होते हैं उन मामलों में सरकार को विशेष तरजीह देती है। जबकि न्यायालय के लिए सभी पक्ष समान रूप से बराबर हैं। जब निर्णय आते हैं, न्यायालय द्वारा जो टिप्पणियां मौखिक रूप से की गई हैं। जब उनके अनुकूल फैसला देखने को नहीं मिलता हैं, तो लोगों का न्यायपालिका पर विश्वास कम होने लगता है। कोर्ट द्वारा जो भी टिप्पणी की जाती है यदि वह सभी के ऊपर समान रूप से लागू की जाती हैं तो इससे आमजनों का न्यायपालिका के ऊपर विश्वास बढ़ेगा। यदि वही टिप्पणियां केवल एक वर्ग विशेष के बारे में की जाती हैं। आदेश में उन्हें स्थान नहीं मिलता है। दूसरे पक्ष द्वारा यदि वही कार्य किये जा रहे हैं, न्यायालय द्वारा उन्हें अनदेखा किया जाता है। हजारों मामले में यह अंतर पिछले कुछ वर्षों में देखने को मिल रहा है। जिसके कारण न्यायपालिका की विश्वसनीयता और न्याय प्रक्रिया पर लोगों के मन में सवाल उठने लगे हैं। न्यायपालिका की विश्वसनीयता और निष्पक्षता को बनाए रखने की जिम्मेदारी हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट की है। जिस तरह से वीर सावरकर को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने राहुल गांधी को चेतावनी दी है। एक बार फिर सुप्रीम कोर्ट की उस टिप्पणी की बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया देश में देखने को मिल रही है। पिछले कुछ वर्षों मे वीर सावरकर और नाथूराम गोडसे और उनकी विचारधारा को लेकर देश में नई राजनीति शुरू हुई है। उसकी क्रिया-प्रतिक्रिया स्वाभाविक रूप से होगी। स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के बारे में यदि यह टिप्पणी करनी थी, तो सावरकर को लेकर नहीं करनी थी। किसी भी स्वतंत्रता संग्राम सेनानी के खिलाफ यदि इस तरीके की टिप्पणियां की जाती हैं।

- **सनत जैन**

हिमाचल की सड़कों पर मौत का तांडव कब थमेगा?

हिमाचल में सड़क हादसों की लकीर नियति ने बहुत गहरी लिख दी है।सड़क हादसे अभिशाप बनते जा रहे है। 2025के चार महिनों में हजारो लोग मौत के मुह में समा चुके है। हादसों को देखकर हालात ऐसे बन गए है कि अल सुबह घर से निकले लोग शाम को घर पहुंचेगे इसकी कोई गारंटी नहीं होती है। सड़क हादसों हर रोज घरों के चिराग बूझ रहे है।बच्चे अनाथ हो रहे है।मातओं व बहनों के सिदूंर मिट रहे है। यह सिलसिला अनवरत जारी है। हिमाचल में किन्नौर से लेकर भरमौर तक प्रतिदिन भीषण व दर्दनाक सड़क हादसे होते जा रहे है। एक बार फिर लाशों के ढेर लग गए लाशों को ढ़ाकने के लिए कफन कम पड़ गए द्य 25 अप्रैल 2025 को पंडोह में एक कार के खाई में गिर जाने से एक ही परिवार के पांच लोग मौत की नींद सो गए यह बहुत ही दर्दनाक हादसा हुआ है एक साथ पांच चितायें जलने से हर आँखों से आंसू बह रहे थे शादी का माहौल मातम में बदल गया यह बारात से लौट रहे थे द्य बीते साल 2024में भी बहुत दर्दनाक हादसे हुए थे यह हादसे बदस्तूर जारी हैं द्यआकडों के अनुसार 4 दिसंबर 2023 का काला दिन काल बनकर 11 लोगों को लील गया था द्य तीन सड़क हादसों में कई घरों के चिराग बुझ गए थे। पहला हादसा शिमला जिला के सुन्नी में हुआ था जहाँ एक पिकअप गहरी खाई में गिर गई और छः लोगों की मौत हो गई थी मरने वालों में जम्मू कश्मीर के चार लोगों की मौत हो गई थी यह चारों एक ही गाँव के रहने वाले थे तथा एक हप्ता पहले ही काम पर सुन्नी आये थे द्य दूसरा हादसा ददाहू संगड़ाह मार्ग पर एक टिपर खाई में गिर गया था और दो लोगों की मौत हो गई थी और दो लोग घायल हो गए थे। तीसरा हादसा मंडी जिले के गोहर के केलोधार में शादी समारोह में भाग लेकर जंजेहली लौट रहे तीन लोगों की कार खाई में गिर गई और तीनों की मौत हो गई थी और दो घायल हो गए थे इस हादसे में पति पत्नी की मौत हो गई । एक दिन में ग्यारह लोगों की मौत से लोग सदमे में है। 2 नवबंर 2023 को करवा चौथ के दिन मंडी व बिलासपुर में दो सड़क हादसों में तीन महिलाओ समेत छह की मौत हो गई थी और आठ लोग घायल हो गए थे यह बहुत ही दर्दनाक हादसा हुआ था जो असमय ही इतनी जिंदगीयाँ लील गया था द्य करवा चौथ के दिन हुआ यह हादसा कभी नहीं भूलेगा । चारों तरफ चीखो पुकार मच गई थी पल भर में लोग चिथड़ों में बदल गए थे द्यभीषण सडक हादसे कब रुकेंगे यह एक यक्ष प्रश्न बन गया है द्य दर्दनाक हादसे में किसी ने अपना पति तो किसी ने अपनी पत्नी खोई है । कोटली व घुमारवीं में हुए इन हादसों से लोग मातम में हैं द्यवर्ष 2018 में शिमला से 130 किलोमीटर दूर मुगंरा में एक वाहन के खाई में गिरने से 13 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई थी ।हादसें में मरने वालों में पांच लोग एक ही परिवार के थे मरनेवालों में ज्यादातर चिड़गांव के गावों के थे । मरने वालों में चार महिलाएं आठ पुरुष व एक बच्ची थी । मृतक आपस में करीबी रिश्तेदारथे ।मौत के इस दर्दनाक मंजर में हुई इन अकाल मौतों से हर हिमाचली गमगीन हुआ था ।यह लोग हाटकोटी से उतराखंड में मदिर दर्शन को जा रहे थे।मगर मंदिर पहुचने से पहले ही काल के गाल मे समा गए। हर रोज सड़के खून से लाल हो रही है लाशो के ढेर लग रहे है।लापरवाही से घरों के चिराग असमय बुझते जा रहे हैं। परिवार के परिवार खत्म हो रहे है।लाशो के अग्नि देने वाले भी नहीं बच रहे है।हजारो लोग ता उम्र हादसों का दंश झेल रहे है।पल भर में जीता-जागता आदमी लाशों के चिथड़ों में तब्दील हो रहा है।बच्चे अनाथ हो रहे है।प्रदेश में प्रतिदिन हो रहे इस मौत के ताडव को रोकने के लिए कारगर कदम उठाने होगें। इन सड़क हादसों से हर हिमाचली उद्वेलित है। गत वर्ष शिमला के रामपुर के खनेरी में पास बस के खाई में गिर जाने से 28 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई थी। कांगडा के देहरा के ढलियारा में श्रध्दालूओं की एक बस खाई में गिरने से 10 लोगों की मौत हो गई थीं और 45 के लगभग बुरी तरह से घायल हो गए थे।बस 200 मीटर गहरी खाई में गिरी थी।प्रदेश में हर रोज हादसों का सिलसिला जारी है।प्रतिदिन भीषण हादसे होते जा रहे है ।प्रदेश में एक दिन में 13 लोगों की मौतें बहुत ही दुखद है। प्रदेश में ऐसा कोई दिन नहीं होता जब किसी की सड़क हादसे में मौत न हुई हो हादसों का यह क्रम लगातार जारी है।सबक न सीखना लोागों की आदत बन गया है इतने हादसे हो रहे है मगर सुधार शून्य ही है।इस पर मंथन करना होगा। जनवरी 2023से लेकर अक्टूबर 2025 के चार महिनों में हजारों हादसे हो चुके है और हजारों लोग मारे जा चुके है और यह सिलसिला थमनें का नाम नहीं ले रहा है। इससे पहले कई भीषण हादसे हो चुके है।कुछ साल पहले भीषण हादसा मंडी के झिड़ी में हुआ था जब एक निजि बस चालक की लापरवाही के कारण 40 से अधिक लोगों की असमय मौत हो गई थी। व्यास नदी में गिरी इस बस में लगभग 70 सवारियां सवार थी। चालक कथित तौर पर मोबाईल फोन पर बात कर रहा था कि बस अनिंयत्रित हो गई और नदी में समा गई। पल भर में ही यात्री लाशों में तब्दील हो गये। गनीमत रही कि राफटिंग दल ने जान जोखिम में डालकर 17 लोगों की जिदंगियां बचा ली नही तो मरने वालों का आंकडा 60 हो जाता यह हादसा नहीं सरासर हत्या थी कि चालक ने खुद छलांग लगाकर यात्रियों को असमय मौत के मुहं में धकेल दिया। बीते हादसों से न तो यात्रियों ने सबक सीखे और न ही प्रशासन ने कोई सबक सीखा ।अक्सर देखा गया है कि ज्यादातर हादसे ओवरलोडिगं के कारण होते है क्योकि इस 42 यात्रियों कि क्षमता वाली बस में 70 यात्री सफर कर रहे थे। कांगडा के आशापुरी में तथा बिलासपुर के बंदला में भी ऐसे भीषण हादसे हो चुके हैं। अप्रैल माह में चंबा में भी 12 यवकों की मौत हो गई थी। हमीरपुर में भी मजदूर दिवस के दिन एक टाटा सूमों के खाई में गिरने से 10 मजदूरों की मृत्यु हो गई थी ।बीते 2024 में इतने बड़े-बड़े हादसे हुए मगर इसमें सुधार नहीं हुआ ।आखिर कब थमेगा यह मौत का मंजर इसका जबाव प्रशासन को देना होगा। प्रतिवर्ष हजारों लोग हादसों का शिकार होते है तथा इतने ही घायल होते है लोग असमय काल के गाल में समाते जा रहे हैं मगर हालात सुधरने के बजाए बिगड़ते ही जा रहे है लोग बीते हादसों को कैसे भूल जातें है हिमाचल में हर रोज लापरवाही के कारण लोगों को मौत नसीब हो रही है अगर लोग जरा सी सावधनी बरते तो हादसों को रोका जा सकता है और अनमोल जीवन को बचाया जा सकता है ।बीते हादसों पर नजर डाली जाए तो रौगटे खडे हो जाते है। सड़को पर मौत रेंग रही है और स ?के रक्तरंजित हो रही हैं। अमूमन देखा गया है कि निजि बसों के कारण ज्यादातर दुर्घटनाएं हो रही है। क्योकि इन बसों में अप्रशिक्षित चालकों की लापरवाही के कारण भंयकर हादसे हो रहें हैं। मोबाइल पर प्रतिबन्ध है लेकिन इसकी खुजेआम धज्जियां उडाई जा रही है। प्रशासन भी हादसे के कुछ दिन सक्रियता दिखाता है फिर वही हालात हो जातें है। लोग भी किराये में कुछ रियायत के कारण सरकारी बसों में यात्रा न कर निजि बसों को अहमिहत देतें है और जिदंगियों से खिलवाड करवातें है। चंद चांदी के सिक्कों की खतिर बसों के परिचालक बसों में अपेक्षा से अधिक यात्रियों को बिठाते है और खुद मौत को निमंत्रण देते हैं। प्रतिदिन सडकों पर ओवरलोडिग बसें सरपट दौडती रहती है मगर प्रशासन आखें बंद करके सोया रहता है जब हादसा हो जाता है तब इसकी कुभंकरणी नींद टूटती है । प्रशासन के पहुचनें तक लोगों की सासें खत्म हो चुकी होती है। यदि प्रशासन समय= पर कारवाई करता रहे तों इन हादसों पर लगाम लग सकती है। मगर ऐसा नहीं होता ।समझ से परे है कि प्रशासन जितना पैसा राहत कार्यों में बांटता है यदि पहले ही सुरक्षा बरती जाए तो लोगों की अनमोल जिन्दगियां बच सकती हैं। एक व्यक्ति की लापरवाही का खामियाजा लोगों को जान देकर भुगतना पड रहा है। ऐसे लोगों को सजा-ए -मौत देनी चाहिए जो जानबूझकर लोगों की मौत का कारण बनते हैं। यह हादसा इतने जख्म दे गया कि लोगों को उबरने में वर्षों लग जाएगें। इसमें घरों के चिराग बूझ गये कई बच्चों के सिर से बाप का साया उठ गया तो कई माताओं व बहनों के सुहाग छिन गये, माता -पिता के बुढापे के सहारे असमय काल के गाल मे समा गए। इस हादसे मे आनी के एक परिवार के चार सदस्यों की मौत हो गई। विशेषज्ञ रिपोटों में सामने आता है कि 80 फीसदी हादसे चालकों की लापरवाही के कारण होतें है जबकि 20 फीसदी तकनीकी खराबी के कारण होतें है। हर हादसे के बाद मैजिस्ट्रेट जांच होती है मगर कुछ समय बाद यह भी ठंडे बस्ते में पड जाती है।ऐसे हत्यारे चालकों को सरेआम सजा देनी चाहिए ताकि भविष्य में कीमती जाने बच सके। ऐसे हादसे क्यों नहीं रूक पा रहे है यह एक यक्ष प्रश्न बनता जा रहा है। पुलिस भी इन हादसों को रोकनें में नाकाम साबित हो रही है। पुलिस पैट्रोलिगं करने वाले भी इन दुर्घटनाओं को राकेनें में अक्षम नजर आते है। यदि इस ओवरलोडिगं बस पर शिकंजा कसा होता तो शायद यह हादसा न होता, हर चैराहे पर पुलिस होती है क्या इस पर किसी की नजर नहीं पडी। ऐसे कई सवाल है जिनका जबाब लापरवाह व बहरे हो चुके प्रशासन को देना होगा। सरकार को इन हादसों पर रोक लगानें के लिए सुधारात्मक कदम उठाने होगें मात्र मुआवजा देकर कर्तब्य की इतिश्री नहीं करनी चाहिए।

- **नरेन्द्र भारती**

रजा का खजाना

फारस के शासक साइरस अपनी प्रजा की भलाई में जुटे रहते थे। लेकिन खुद उनका जीवन सादगी से भरा था। वह रियासत की सारी आमदनी व्यापार, उद्योग और खेतीबाड़ी में लगा देते थे। इस कारण शाही खजाना हल्का रहता था। लेकिन प्रजा खुशहाल थी। एक दिन साइरस के दोस्त और पड़ोसी शासक प्रोशियस उनके यहां आए। उनका मिजाज साइरस से बिल्कुल अलग था। उन्हें प्रजा से ज्यादा अपनी खुशहाली की चिंता रहती थी। उनका खजाना हमेशा भरा रहता था। बातों-बातों में जब प्रोशियस को साइरस के खजाने का हाल मालूम हुआ तो उन्होंने साइरस से कहा, अगर आप इसी तरह प्रजा के लिए खजाना लुटाते रहोगे तो एक दिन वह एकदम खाली हो जाएगा। आप कंगाल हो जाओगे।

अगर आप भी मेरी तरह खजाना भरने लगें तो आपकी गिनती मेरी तरह सबसे धनी शासकों में होने लगेगी। साइरस मुस्कराए फिर बोले आप दो दिन ठहरिए मैं इस मामले में लोगों का इम्तिहान लेना चाहता हूं। उन्होंने घोषणा करवा दी कि एक बहुत बड़े काम के लिए साइरस को दौलत की निहायत जरूरत है। उन्हें पूरी उम्मीद है कि प्रजा मदद करेगी। दो दिन पूरा होने से पहले ही शाही महल के बाहर मोहरों, सिक्कों व जेवरों का बड़ा ढेर लग गया। यह देख प्रोशियस हैरत में पड़ गए। साइरस ने कहा, मैंने रियासत का खजाना लोगों की खुशहाली पर खर्च करके एक तरह से उन्हीं को सौंप दिया है। लोग उसमें इजाफा करते रहते हैं। मुझे जब जरूरत होगी वे मुझे लौटा देंगे जबकि तुम्हारा खजाना बांझ है, वह कोई बढ़ोतरी नहीं कर रहा है।

राजनीति की रंगमंचीय दुश्मनी और जनता की असली बेवकूफी

कभी किरण चौधरी और शशि थरूर मंचों पर एक-दूसरे के खिलाफ़ खड़े होते हैं, कभी हिंदू-मुस्लिम के नाम पर पार्टियों की नीतियाँ बँटती हैं, और इसी बीच पिसती है आम जनता। क्या हमने कभी सोचा कि ये नेता तो एक-दूसरे से हाथ मिलाते हैं, कार्यक्रमों में एक-दूसरे की तारीफ़ भी कर देते हैं, मगर हम, जो पड़ोसी हैं, रिश्तेदार हैं, हम इनके बयान सुनकर दुश्मन क्यों बन जाते हैं? राजनीति को अगर चुनाव तक ही सीमित रखा जाए, तो समाज की शांति बनी रह सकती है। लेकिन जब हम वोट की राजनीति को अपने दिल-दिमाग पर हावी कर लेते हैं, तब नफरत पनपती है। नेताओं का तो अगला चुनाव आ जाएगा, अगला मंच सज जाएगा, लेकिन आम लोगों के दिलों में जो दरार पड़ती है, वो सालों नहीं भरती। अब वक्त है समझने का—राजनीतिक लड़ाइयों को व्यक्तिगत रिश्तों में घुसने मत दो। जो नेता आज एक-दूसरे को गद्दार कहते हैं, वो कल संसद में साथ बैठकर कानून बनाएंगे, और हम? हम अब भी सोशल मीडिया पर बहस कर रहे होंगे।

राजनीति का मंच कभी सीधा नहीं होता। सामने जो दिखता है, वह अक्सर पर्दे के पीछे छिपी सच्चाई का केवल एक दृश्य होता है। एक दृश्य, जिसमें मंच पर नेता जनता के लिए लड़ते, मरते, झगड़ते दिखाई देते हैं, और उसी दृश्य के अंत में वे परदे के पीछे गले मिलकर चाय की चुस्कियों में ठहाके लगाते हैं।

कभी आप ने सोचा है? कि जो लोग टीवी डिबेट्स में एक-दूसरे को 'देशद्रोही' और 'गद्दार' कहते हैं, वे ब्रेक के बाद साथ कॉफी पीते हैं? या जो नेता एक-दूसरे की पार्टियों को 'जनता के दुश्मन' बताते हैं, वे संसद सत्र खत्म होते ही एक-दूसरे के घर डिनर पर भी जाते हैं?

तो फिर असली बेवकूफ़ कौन है? वो नेता जो दिखावे की लड़ाई लड़ता है, या हम, जो उस लड़ाई को दिल पर लेकर अपनों से बैर पाल लेते हैं?

दुश्मनी का अभिनय, यारी की सच्चाई

राजनीति में दुश्मनी एक कला है, और यारी एक ज़रूरत। टीवी पर तीखे तेवर और ट्विटर पर जहरीले तीरों के बाद भी एक सच्चाई बनी रहती है—इन सबका असली उद्देश्य जनता को भावनात्मक रूप से ठगना है। चुनावों में वोट मिलते हैं भावना से, न कि तर्क से। और जब जनता धर्म, जाति, मज़हब, और देशभक्ति के नाम पर जोश में आती है, तभी नेताओं की गोटियाँ सेट होती हैं।

किरण चौधरी और शशि थरूर हों या मोदी और ममता, केजरीवाल और राहुल—ये सब अपने-अपने हिस्से की जनता को भावनाओं में उलझाकर निजी ज़िन्दगियों में आराम से जीते हैं।

जनता- नेता के लिए साधन, खुद के लिए शत्रु

हमें ये सोचकर शर्म नहीं आती कि एक नेता के लिए हम अपने पड़ोसी से झगड़ा कर लेते हैं। वोट डालने से पहले हम दोस्ती तोड़ लेते हैं, व्हाट्सएप पर एक-दूसरे को ब्लॉक कर देते हैं, परिवारों में फूट पड़ जाती है, शादियों में मनमुटाव हो जाते हैं।

क्यों? क्योंकि हमें लगता है कि हमारा नेता देश को बचा रहा है, और तुम्हारा नेता देश बेच रहा है।

इस पागलपन की सीमा तब टूटती है जब आप यह देखते हैं कि जिन नेताओं को आप कट्टर दुश्मन मानते थे, वे एक-दूसरे के बेटे-बेटियों की शादी में साथ फोटो खिंचवा रहे होते हैं।

इतिहास गवाह है- यारी की राजनीति कोई नई बात नहीं

आज का ही नहीं, भारत के राजनीतिक इतिहास में भी ऐसे हजारों उदाहरण मिलते हैं जहाँ विरोधी विचारधाराओं वाले नेता संसद से बाहर एक-दूसरे के घनिष्ठ मित्र रहे हैं।

पंडित नेहरू और श्यामा प्रसाद मुखर्जी एक-दूसरे के कट्टर आलोचक थे, लेकिन व्यक्तिगत सम्मान की लकीर कभी नहीं लांघी।

अटल बिहारी वाजपेयी और सोनिया गांधी संसद में एक-दूसरे पर तीखी टिप्पणियाँ करते थे, परंतु व्यक्तिगत स्तर पर सौहार्द्र बना रहता था।

आज यह मर्यादा खत्म हो चुकी है, पर नेताओं के संबंध अब भी मधुर हैं—बस जनता को भ्रम में रखकर।

धर्म और जाति का खेल- राजनीति का सबसे सस्ता हथियार

हमारे देश की राजनीति धर्म और जाति के ट्रिगर पर चलती है। हिन्दू-मुस्लिम, दलित-ठाकुर, ब्राह्मण-पिछड़ा—हर चुनाव में एक नया विभाजन उछाल दिया जाता है।

और हम हम झपटते हैं इस जाल पर। जैसे ही कोई नेता कहता है हिंदू खतरे में हैं, मुसलमान बढ़ गए हैं, राम का अपमान हुआ है—हम तलवारें निकाल लेते हैं, ट्वीट्स छोड़ने लगते हैं, और बहसों में मर्यादा भूल जाते हैं।

जबकि नेता जानते हैं कि ये मुद्दे सिर्फ जनता को उलझाने के लिए हैं, असल खेल कहीं और खेला जा रहा है—प्राइवेट डील्स, सरकारी टेंडर, ट्रांसफर पोस्टिंग, और सत्ता की कुर्सी।

-डॉ सत्यवान सौरभ

हर माह करें 5 हजार रुपये निवेश, बुढ़ापा हो जाएगा सुरक्षित

मुंबई। नौकरी के दौरान नियमित आय होने से खर्चों की चिंता कम होती है, लेकिन रिटायरमेंट के बाद वित्तीय स्थिरता बनाए रखना बड़ी चुनौती होती है। इस चुनौती से निपटने का सबसे अच्छा तरीका है कि नौकरी शुरू होते ही बेहतर निवेश करना शुरू कर दें। अगर आप अपनी पहली नौकरी के साथ ही हर महीने सिर्फ 5000 रुपये का निवेश करते हैं, तब आप रिटायरमेंट तक आसानी से 2 करोड़ रुपये से ज्यादा का फंड तैयार कर सकते हैं। मान लें कि आपकी नौकरी 25 साल की उम्र में लगती है। अगर आप तभी से हर महीने 5000 रुपये सिस्टमैटिक इंवेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के जरिए निवेश करना शुरू कर देते हैं, तब यह एक छोटा सा कदम भविष्य में आपके लिए एक बड़ा वित्तीय सुरक्षा कवच बन सकता है। आप किसी अच्छी लार्ज कैप, मिड कैप म्यूचुअल फंड या इंडेक्स फंड का चुनाव करके अपनी एसआईपी शुरू कर सकते हैं।

अगर आप हर महीने 5000 रुपये का निवेश करते हैं और आपके निवेश पर औसतन सालाना 14 प्रतिशत का रिटर्न मिलता है, इस हिसाब से 30 साल की अवधि के बाद आपके पास कुल 2,29,98,103 रुपये की भारी-भरकम राशि जमा होगी। यह एक साधारण सा निवेश आपको वित्तीय रूप से आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। वहीं रणनीति की सबसे अच्छी बात यह है कि आपको एक साथ बड़ी रकम निवेश करने की जरूरत नहीं है। हर महीने की छोटी सी बचत धीरे-धीरे चक्रवृद्धि ब्याज (कंपाउंडिंग) की शक्ति से एक विशाल कोष में बदल जाएगी। इसलिए अगर आप अपने रिटायरमेंट को आर्थिक रूप से सुरक्षित और चिंतामुक्त बनाना चाहते हैं, तब आज ही से एसआईपी के माध्यम से निवेश शुरू करने का विचार करें।

अक्षय तृतीया पर करें सोने में निवेश, मिलेगा बेहतर रिटर्न

नई दिल्ली। अक्षय तृतीया के मौके पर सोना खरीदने की परंपरा भारत में सदियों से रही है। इस दिन सोने की खरीद समृद्धि, खुशहाली और सौभाग्य का प्रतीक माना जाता है। सोना खरीदना सिर्फ धार्मिक मान्यता तक सीमित नहीं है, बल्कि वित्तीय योजना के लिहाज से भी महत्वपूर्ण है। जानकार मानते हैं कि आज के समय में जब बाजार में उतार-चढ़ाव रहता है,सोने में निवेश पोर्टफोलियो में लाने का काम करता है। अक्षय तृतीया के मौके पर सोने में निवेश करना न केवल आर्थिक मजबूती का प्रतीक है, बल्कि यह पोर्टफोलियो में संतुलन और लंबी अवधि में अच्छा रिटर्न देने का भरोसेमंद निवेश है। लेकिन निवेश से पहले सोने के प्रकार और उस पर लागू टैक्स नियमों जानना जरुरी रहता है। टैक्स एंड निवेश जानकार बताते हैं कि किसी भी निवेशक के पोर्टफोलियो में इक्विटी, डेट और बुलियन यानी सोना-चांदी का संतुलन होना चाहिए। अगर निवेशक अपना पूरा पैसा सिर्फ एक हीं संपत्ति क्लास में लगाते हैं, तब जोखिम बढ़ने के चांस ज्यादा हो जाते है। इसलिए, निवेश को सुरक्षित बनाने के लिए सोने में निवेश करना जरूरी है। अक्षय तृतीया जैसे शुभ मौके पर सोना खरीदना निवेश की अच्छी शुरुआत मानी जाती है। आमतौर पर सोने की खरीदारी के दो तरीके होते हैं। अगर आप पहनने के लिए खरीदारी कर रहे हैं, चेन, अंगूठी या अन्य ज्वेलरी खरीद सकते हैं। लेकिन अगर मकसद सिर्फ निवेश का है, तब फिजिकल गोल्ड (सिक्के या बार्स), डिजिटल गोल्ड, गोल्ड ईटीएफ या सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड (एसजीबी) जैसे विकल्पों पर ध्यान देना चाहिए। जानकार कहते हैं, ज्वेलरी बेचते समय मेकिंग चार्ज और ज्वेलर के मार्जिन के चलते करीब 20-25 प्रतिशत तक का नुकसान हो सकता है, इसलिए निवेश के मकसद से ज्वेलरी खरीदना कम फायदेमंद होता है।

बाजार जानकारों का कहना है कि दीर्घकालिक नजरिए से सोने की चमक बनी रहेगी। वैश्विक स्तर पर जारी भूराजनीतिक तनाव, व्यापारिक विवाद, मंदी की आशंका, लगातार महंगाई और केंद्रीय बैंकों की ओर से हो रही सोने की खरीदारी के चलते सोने की कीमतों में लंबी अवधि में मजबूती देखी जा सकती है। हालांकि, उन्होंने कहा कि छोटे समय में सोने के भाव में कुछ गिरावट आ सकती है।

भारतीय मादक पेय पदार्थों के लिए वैश्विक बाजारों में काफी मौके- देव

नई दिल्ली। एपीडा (एग्रीकल्चर एंड प्रोसेस्ड फूड प्रोडक्ट एक्सपोर्ट डेवलपमेंट अथॉरिटी) के चेयरमैन अभिषेक देव ने इस संभावनाओं पर जोर दिया है और कहा कि भारतीय मादक पेय पदार्थों के लिए वैश्विक बाजारों में काफी मौके हैं। भारत में बनने वाली शराब की दुनियाभर में मांग तेजी से बढ़ने की उम्मीद जताई जा रही है, और इसका निर्यात 37 करोड़ डॉलर से बढ़कर 2030 तक एक अरब डॉलर तक पहुंच सकता है। उन्होंने बताया कि भारत के पास जिन, बीयर, वाइन और रम जैसे उच्च गुणवत्ता वाले उत्पाद मौजूद हैं, जिनकी मांग वैश्विक स्तर पर बढ़ रही है। देव ने भारतीय मादक पेय कंपनियों के परिसंघ (सीआईएबीसी) द्वारा आयोजित एल्कोबेव इंडिया सम्मेलन में कहा, हमारे पास विभिन्न प्रकार के जिन, बीयर, वाइन और रम जैसे अच्छे उत्पाद हैं, जिनकी निर्यात संभावनाएं बहुत अधिक हैं। उन्होंने उद्योग को यह भी सलाह दी कि वे निर्यात को बढ़ावा देने के लिए नए बाजारों की तलाश करें और घरेलू बाजार से संतुष्ट न रहें। एपीडा के चेयरमैन ने यह भी बताया कि भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच जैविक उत्पादों के लिए आपसी मान्यता समझौता फाइनल होने के करीब है, और इसमें जैविक वाइन भी शामिल है, जो निर्यात के अवसरों को और बढ़ाएगी। इस अवसर पर खाद्य प्रसंस्करण सचिव सुब्रत गुप्ता ने भी उद्योग से आग्रह किया कि वह मूल्यवर्धित उत्पादों पर ध्यान केंद्रित करें और फलों तथा सब्जियों की बर्बादी को रोकने के उपायों को बढ़ावा दें। गुप्ता ने कहा, भारत कृषि उत्पादों का प्रमुख उत्पादक है, लेकिन प्रसंस्करण की क्षमता में हम पीछे हैं। इसके साथ ही उन्होंने मादक पेय पदार्थों के निर्यात को बढ़ाने के लिए जोर दिया और कहा कि इससे भारत को बहुमूल्य विदेशी मुद्रा प्राप्त होगी।

ट्रेड वॉर के बीच एप्पल की बदली रणनीति से चीन को लगा बड़ा झटका

नई दिल्ली। अमेरिका और चीन के बीच चल रहे व्यापारिक तनाव (ट्रेड वॉर) के बीच एप्पल ने अपनी रणनीति में महत्वपूर्ण बदलाव किया है। कंपनी ने योजना बनाई है कि अगले साल तक अमेरिका में बिकने वाले तमाम आईफोन भारत में ही बनाए जाएं। यह कदम चीन से आयात पर बढ़े हुए टैरिफ और व्यापारिक तनाव को देखते हुए उठाया गया है।

मेष- आज का दिन आपके लिए भाग्य के दृष्टिकोण से अच्छा लेने वाला है। आपकी इनकम में वृद्धि होने से आपको खुशी होगी। आपको कार्यक्षेत्र में छोटों की गलतियों को बड़प्पन दिखाते हुए माफ करना होगा। आप यदि बात को लेकर परेशान चल रहे थे, तो उसके लिए अपने पिताजी से बातचीत कर सकते हैं। प्रतिस्पर्धा का भाव आपके मन में बना रहेगा। आप किसी नए व्यवसाय की शुरुआत करना चाहते हैं, तो उसके लिए आप योजना बना सकते हैं।

वृषभ- आज का दिन आपके लिए आत्मविश्वास से भरपूर रहने वाला है। व्यापार में आप अपनी जिम्मेदारियों को समय रहते पूरा करेंगे। आपको एक साथ कई काम हाथ लगने से आपकी व्याकाग्रता बढ़ सकती है।आप किसी दूसरे के मामले में ज्यादा ना बोले। आप अपनी जिम्मेदारियों को समय रहते निभाने की कोशिश करेंगे। जो विद्यार्थी पढ़ाई-लिखाई में लापरवाही कर रहे हैं, उन्हें कुछ नई समस्याएं आ सकती हैं।

मिथुन- आज का दिन आपके लिए कोई बड़ी उपलब्धि हासिल करने के लिए रहेगा। आप कार्यक्षेत्र में अच्छा प्रदर्शन करेंगे। आपके कामों के लिए आपको कोई पुरस्कार भी मिल सकता है। आपके करीबी कामों में आपका पूरा साथ देंगे। किसी भूमि, भवन आदि की खरीदारी की आप योजना बना सकते हैं। आप अपने खान-पान में सात्विक भोजन ले। अपने कामों पर पूरा ध्यान दें।

कर्क- आज का दिन आपके लिए मेहनत से काम करने के लिए रहेगा। आपको अपने आवश्यक कामों में ढील देने से बचना होगा। माताजी यदि आपको कोई जिम्मेदारी दें, तो आप उसे पूरा करने की कोशिश करेंगे। जो जातक सरकारी नौकरी की तैयारी में लगे हैं, उन्हें कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती है। संतान के विवाह में आ रही बाधा भी दूर होगी।

सिंह- आज का दिन आपके लिए सकारात्मक परिणाम लेकर आने वाला है। आपको एक के बाद एक शुभ सूचना सुनने को मिल सकती है। आप दोस्तों के साथ किसी पार्टी आदि को करने की योजना बना सकते हैं। संतान ने यदि किसी परीक्षा को दिया था, तो आज उसके परिणाम आने की संभावना है। आपको किसी जोखिम भरे काम में हाथ डालने से बचना होगा। आपके घर किसी मांगलिक कार्यक्रम का आयोजन हो सकता है।

कन्या- आज का दिन आपके लिए कामकाज के मामले में अच्छा रहने वाला है। आपके मन में ऊर्जा बनी रहेगी। आर्थिक दृष्टिकोण से दिन अच्छा रहने वाला है। आपको किसी बात को लेकर जिद और अहंकार नहीं दिखाना है। कार्यक्षेत्र में आपको यदि कोई काम सौंपा जाएगा, तो आप उसे समय रहते पूरा करने की कोशिश करें। जीवनसाथी से यदि आपकी किसी बात को लेकर कहासुनी चल रही है, तो आप उसे बातचीत के जरिए दूर करेंगे। आपको किसी अजनबी पर भरोसा करना नुकसान देगा।

तुला- आज का दिन आपके लिए साहस और पराक्रम में वृद्धि लेकर आने वाला है। आपको किसी से कोई जरूरी जानकारी शेयर करने से बचना होगा। यदि आप किसी यात्रा पर जाएं, तो उसमें अपने माता-पिता से पूछकर जाएं, तो आपके लिए बेहतर रहेगा। सामाजिक कार्यक्रमों में आप बढ़ चढ़कर हिस्सा लेंगे, आपको किसी पुराने मित्र से लंबे समय बाद मिलकर खुशी होगी।

वृश्चिक- आज आपके कामों से कार्यक्षेत्र में आपकी लोकप्रियता बढ़ेगी। आपके घर किसी अतिथि का आगमन होने से माहौल खुशनुमा रहेगा। आपके मान-सम्मान में वृद्धि होगी। आप अपने घर की साज-सज्जा पर पूरा ध्यान देंगे। पुण्य कार्यों में आपकी काफी रुचि रहेगी। आप किसी को यदि धन उधार देंगे, तो आपके उस धन के वापस आने की संभावना बहुत कम है। आपको किसी से मांगकर वाहन चलाने से बचना होगा। विद्यार्थियों के उच्च शिक्षा के मार्ग प्रशस्थ होंगे।

धनु- आज के दिन आपके लिए वाहनों के प्रयोग से सावधानी बरतने के लिए रहेगा।आपको परिवार में किसी सदस्य के करियर को लेकर कोई महत्वपूर्ण निर्णय लेना पड़ सकता है। जीवनसाथी की सेहत में गिरावट आने से आपको भागदौड़ अधिक रहेगी। आपकी कोई नए काम के प्रति रुचि जागृत हो सकती है। आपको अपने कामों को लेकर जल्दबाजी दिखाने से बचना होगा।

मकर- आज का दिन आपके लिए खर्चो से भरा रहने वाला है। विदेशों से व्यापार कर रहे लोगों को कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकते हैं। आप अपने काम को लेकर योजना बनाकर चलेंगे, तो आपके लिए बेहतर रहेगा। पिताजी को कोई पैरों से संबंधित समस्या उभरने से आपको भागदौड़ रहेगी।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए मिश्रित रूप से फलदायक रहने वाला है। आपकी इनकम बढ़ने से आपको खुशी होगी। पैतृक संपत्ति को लेकर कोई लड़ाई-झगड़ा चल रहा था, तो वह भी दूर होगा। आपका आत्मविश्वास मजबूत होने से आप काफी खुश रहेंगे। आपको अपनी वाणी और व्यवहार पर संयम रखने की आवश्यकता है। आपको कोई बड़ी उपलब्धि मिलने से आपका मन खुश रहेगा। आप किसी बात को लेकर तर्क-वितर्क में ना पड़े।

मीन- आज का दिन आपके लिए व्यवसाय के मामले में अच्छा रहने वाला है। आप अपने कामों पर पूरा फोकस बनाएंगे और अपनी जिम्मेदारियां को भी समय रहते पूरा करने की कोशिश करेंगे। माताजी से आप कुछ पारिवारिक मामलों को लेकर बातचीत कर सकते हैं। आपकी कुछ नए लोगों से मुलाकात होगी। प्रॉपर्टी में इन्वेस्टमेंट करना आपके लिए अच्छा रहेगा। परिवार के सभी सदस्यों का सहयोग आप पर बना रहेगा। वरिष्ठ सदस्यों की सलाह आपके खूब काम आएगी।

शब्दजाल - 7882

शब्द जाल में ब शब्द से शुरू होनेवाली 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. नाम ऊपर से नीचे एवं तिरछे हैं.

बनारसी बाबू, बलमा, बलिदान, बंधन, बंदिनी, बंद दरवाजा, बंदानवाज, बंदिश, बंजारन, बंबई का महाराजा.

शब्दजाल - 7881 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली - 6826

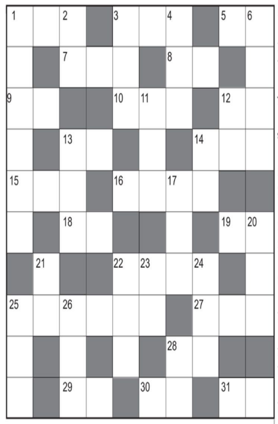

ऊपर से नीचे:-

१. 'रात कली इक ख्वाब में आई' गीत वाली फिल्म-२,२,२
२. फिल्म 'आर या पार' की नायिका-२
३. शाहरूख, माधुरी की 'बड़ी मुश्किल है' गीत वाली फिल्म-३
४. 'तुम भी चलो हम भी चलें' गीत वाली अमिताभ, सायरा की फिल्म-३
६. राजेश खन्ना, राखी की 'छोड़दे जवानी में उदासी' गीत वाली फिल्म-४
११. 'तेरी चाहत में' गीत वाली फिल्म-१,२
१२. नसीरूद्दीनशाह, पूजा की 'आज हमने दिल का हर फैसला' गीत वाली फिल्म-२
१३.'बहारों फूल बरसाओ' गीतवाली फिल्म-३
१४. अमिताभ, शशि, शत्रुघ्न, राखी, परवीन, बिंदिया की फिल्म-२
१७. जीतेंद्र, हेमा की 'एक बेचारा प्यार का मारा' गीत वाली फिल्म-३
२०.फिल्म 'शोला और शबनम' नायिका कौन थी ?-३
२१. फिल्म 'गुनाह' की नायक कौन था-२
२२. जीतेंद्र, लीना की 'कभी खोले ना तिजोरी का' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'मझे तेरे जैसी लड़की' गीत वाली डिनो और बिपाशा की फिल्म-२
२४. अक्षय, करीना की 'यार बदल ना जाना' गीत वाली फिल्म-३
२५. 'फूलों सा चेहरा तेरा' गीत वाली फिल्म-३
२६. राजेश, धर्मेन्द्र, वहीदा की 'हमने देखी है' गीत वाली फिल्म-३
२८.'मैं कुड़ी अनजानी' गीत वाली सनीदेओल, सुष्मिता सेन की फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. अनिल, रेखा की 'तू मेरा मखना' गीत वाली फिल्म-३
३. 'किसीसे तुम प्यार करो' गीत वाली अक्षय, लारा, प्रियंका की फिल्म-३
५. 'सुबह सुबह जब' गीत वाली फिल्म-२
७. राजकुमार, मीनाकुमारी की 'चलो दिलदार चलो' गीत वाली फिल्म-३
८. मंगेशकर बहनों लता, आशा, उषा की चौथी बहन का नाम क्या हैं ?-२
९. अमिताभ, जया की 'आए तुम याद मुझे' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'परदेसी तो हैं परदेसी' गीत वाली फिल्म-३
१२. देवआनंद, निम्मी की 'ओ रूपनगर के सौदागर' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'मैं ने तुझसे प्यार' गीत वाली विनोद खन्ना, भानुप्रिया की फिल्म-२
१४. राजकपूर, मीनाकुमारी की 'ऐ चाँद जहाँ वो जाए' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'घर आजा परदेसी' गीत वाली सनी, अमीषा की फिल्म-३
१६. अजय देवगन, मनीषा, करिश्मा की एक फिल्म-४
१८. 'जलता है जिया' गीत वाली सुनील दत्त, रीनाराय, आशा की फिल्म-२
१९. सनी, सलमान, करिश्मा, तब्बू की 'यारा ओ यारा' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'तारे हैं बारती' गीत वाली अनिल, तब्बू, पूजा बत्रा की फिल्म-४
२५. मनीष, मनीषा की 'तू दीवाना पागल मेरा' गीत वाली फिल्म-३,३
२७. 'लड़की है क्या' गीतवाली फिल्म-३
२८. 'मेरे खयालों की' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'सूर्यवंशी' में नायिका कौन थी-२
३०. सनी, जूही की 'जादू तेरी नजर' गीत वाली फिल्म-२
३१. 'जब कोई बात' गीतवाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 6825

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

28 अप्रैल 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

सोमवार 2025 वर्ष का 118 वा दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1946
मास वैशाख **पक्ष** शुक्ल
तिथि प्रतिपदा 21.11 बजे को समाप्त।
नक्षत्र भरणी 21.38 बजे को समाप्त।
योग आयुष्मान 20.02 बजे को समाप्त।
करण किस्तुघ्न 11.06 बजे तदनन्तर बव 21.11 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 0.2 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 14° 10'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872328
जूलियन दिन 2460793.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना सव्वाल
तारीख 29
विशेष चंददर्शन।

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मेष में	वृष	06.29 बजे से
चंद्र	मेष में	मिथुन	08.27 बजे से
मंगल	कर्क में	कर्क	10.40 बजे से
बुध	मीन में	सिंह	12.56 बजे से
गुरु	वृष में	कन्या	15.08 बजे से
शुक्र	मीन में	तुला	17.19 बजे से
शनि	मीन में	वृश्चिक	19.34 ब.से
राहु	मीन में	धनु	21.50 बजे से
केतु	कन्या में	मकर	23.55 बजे से
राहुकाल		कुंभ	01.41 बजे से
7.30 से 9.00		मीन	03.14 बजे से
बजे तक		मेष	04.45 बजे से

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः सेवा की भावना बनाती है महान

उड़ीसा के कटक शहर के उड़िया बाजार में एक बार प्लेग फैला। मच्छर और गंदगी के कारण लोग बहुत दुखी थे। केवल बापूपाड़ा मोहल्ला इससे बचा था क्योंकि वहां बहुत सारे वकील और बुद्धिजीवी रहते थे। वे अपने घरों और आसपास गंदगी नहीं रहने देते थे। वहां के कुछ लड़कों ने सफाई अभियान चलाने के लिए एक दल बनाया, जिसमें दस साल के बच्चों से लेकर अठारह साल तक के नौजवान शामिल थे। उस दल का मुखिया था बारह साल का बालक। उड़िया बाजार में हैदर अली नाम का एक कुख्यात व्यक्ति रहता था। बापूपाड़ा के लड़के जब उड़िया बाजार में साफ-सफाई करने आए तो हैदर अली ने उन्हें भगा दिया। असल में बापूपाड़ा के प्रति उसके मन में कटुता भरी हुई थी क्योंकि वहां के वकीलों ने उसे कई बार जेल भिजवाया था। लेकिन कुछ ही दिनों के बाद हैदर अली की पत्नी और उसके बेटे को भी प्लेग हो गया। यह सुनते ही अभियान दल का मुखिया उनकी तीमारदारी में लग गया। हैदर अली ने उस लड़के से पूछा, 'तुमको डर नहीं लगता'? लड़के ने जवाब दिया, 'मैं क्यों डरूं?' हैरद अली ने कहा 'मैं तो बापूवाड़ावालों को गालियां देता हूं। सेवामंडल के लड़कों को तो मैंने अपना शत्रु समझकर भगा दिया और तुम मेरी पत्नी और बच्चे की सेवा कर रहे हो। हम तुम्हारी इस हिम्मत और उदारता से बड़े प्रभावित हैं। बेटा! मुझे माफ कर देना। मैंने तुम्हारी सेवा की कद्र नहीं की।' बालक ने कहा, 'आप तो हमारे पिता तुल्य हैं। माफी देने का अधिकार हमें नहीं है, हमें तो आपसे आशीर्वाद लेना चाहिए। आपकी पत्नी मेरी मां जैसी हैं और बेटा मेरे भाई जैसा है।' हैदर अली उस बच्चे की निष्काम सेवा और मधुर वाणी से इतना प्रभावित हुआ कि फूट-फूटकर रोने लगा। लड़के ने कहा, 'चाचा, आप फिक्र न करें। हमें सेवा का मौका देते रहें।' वह एक असाधारण बालक था जो आगे चलकर नेताजी सुभाष चंद्र बोस के नाम से विख्यात हुआ।

सूडोकु नवताल- 7135

मध्यम

6	9			7	4		8	
	8	5	6	2			4	9
7						6		3
	3	9	5				1	
1				8				5
	6				2	9	3	
4		7						2
8	2			5	9	1	7	
	1		2	3			5	8

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 7134 का हल

6	5	3	9	1	7	2	8	4
9	1	8	2	6	4	3	7	5
7	4	2	5	3	8	1	9	6
3	7	1	6	9	2	4	5	8
8	6	9	1	4	5	7	2	3
5	2	4	8	7	3	9	6	1
2	9	5	4	8	1	6	3	7
4	3	6	7	5	9	8	1	2
1	8	7	3	2	6	5	4	9

शब्द पहेली - 8350

बाएँ से दाएँ

1. लाचार, बेबस-3
3. प्राण, जान-3
5. दुर्ग, फोर्ट-2
6. सद्पुरुष-2
8. कवायद-4
10. प्रतिघात, मुआवजा-3
12. कंठ, गला-3
13. लकड़ी-2
14. प्रथम मानव-2
15. धोखेबाज, कपटी-3
17. माजरा, घटना-3
19. कहासुनी, झंझट -4
21. संबोधन-2
23. चावल-2
24. रगड़ना, लगाना-3
25. वादा, प्रतिज्ञा -3

ऊपर से नीचे

1. लता, लतिका-2
2. चावल (अंग्रेजी-3)
3. हूर, अप्सरा-3
4. आकाश, व्योम-2
5. शायरी करनेवाला-3
7. योग्य, उपयुक्त-3
8. अदाकार, फनकार-4
9. घोड़ागाड़ी-2
12. बजरंगबली-4
15. माह, मास-3
16. जांघ, जंघा-2
18. धिक्कार, फटकार-3
19. मामूली, तुच्छ-3
20. बहने का भाव-3
22. संस्कृत में 'मेरा'-2
23. होश, आभास-2

शब्द पहेली -8349 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

शेयर बाजार में इस हफ्ते उतार-चढ़ाव का अनुमान

मुंबई। शेयर बाजार में इस हफ्ते उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है। भारत-पाकिस्तान के बीच टेंशन से लेकर विदेशी निवेशकों की खरीदारी और चौथी तिमाही के रिजल्ट जैसे फैक्टर्स पर बाजार की नजर रहेगी। कश्मीर में हुए इस हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते जियो पॉलिटिकल टेंशन ने निवेशकों को सतर्क कर दिया है। इसी के चलते शुक्रवार को बाजार में और कुछ मुनाफावसूली दिखी। अगर आने वाले दिनों में ये तनाव बढ़ता है तो इसका असर बाजार पर दिख सकता है। ये हमला 22 अप्रैल को पहलगाम में हुआ था जिसमे 26 टूरिस्ट मारे गए। इसके बाद भारत ने सिंधु जल समझौता सस्पेंड कर दिया। पाकिस्तान ने भी लगभग सभी द्विपक्षीय समझौते स्थगित करने का ऐलान किया और कहा कि भारत ने सिंधु जल रोका तो यह एक्ट ऑफ वॉर होगा। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक वैल्यूएशन्स से अट्रैक्ट होकर नेट बायर्स बन गए है। खासकर फाइनेंशियल स्पेस में खरीदारी कर रहे हैं। बीते हफ्ते विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक वैल्यूएशन्स ने कैश सेगमेंट में 17,800 करोड़ के शेयर खरीदे, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों ने 1,132 करोड़ के शेयर खरीदे।1 मई को मंथली ऑटो सेल्स डेटा रिलीज किा जाएगा, जिसपर मार्केट पार्टिसिपेंट्स की नजर रहेगी। वहीं निवेशकों की नजर इंडेक्स ऑफ इंडस्ट्रियल प्रोडक्शन यानी आईआईपी डेटा और एचएसबीसी मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई के फाइनल डेटा जैसे मैक्रोइकॉनोमिक डेटा पर भी रहेगी। चौथी तिमाही के रिजल्ट की बात करें तो बीपीसीएल, आईओसी, कोटक महिंद्रा बैंक, एसबीआई, बजाज फाइनेंस, टीवीएस मोटर और अल्ट्राटेक सीमेंट सहित कई प्रमुख कंपनियां अपने रिजल्ट जारी करेगी। ग्लोबल लेवल पर, टैरिफ और ट्रेड से संबंधित अपडेट पर भी नजर रहेगी। वित्त वर्ष 2026 का पहला आईपीओ ओपन होगा। 28 अप्रैल को मेनबोर्ड सेगमेंट में एथर एनर्जी का आईपीओ खुलेगा। ये वित्त वर्ष 26 का पहला मेनबोर्ड आईपीओ है। एनएमई सेगमेंट में, इस हफ्ते बिडिंग के लिए चार इश्यू खुलेंगे। लिस्टिंग में, टैंकअप इंजीनियर्स के शेयर बीएसई एसएमई या एनएसई एसएमई में से किसी एक पर लिस्ट होंगे। पिछले तीन हफ्तों में निफ्टी 50 का शार्प रिबाउंड लगभग वर्टिकल रहा है। ऐसे में अगले मेजर डायरेक्शनल मूव से पहले कुछ कंसॉलिडेशन की संभावना का संकेत मिल रहा है। इंडेक्स के लिए अपने तेजी के रुझान को बनाए रखने के लिए 23,800 के स्तर को बनाए रखना महत्वपूर्ण होगा।

नियमों में बदलाव, 10 लाख रुपये से अधिक की कीमत वाले सामानों पर देना होगा अतिरिक्त टैक्स

नई दिल्ली । केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने 10 लाख रुपये से अधिक कीमत वाले कई लग्जरी सामानों पर अब टैक्स कलेक्टेड एप सोर्स (टीसीएस) लगाने का दायरा बढ़ाया है। नई व्यवस्था मंगलवार को अधिसूचित की गई थी और यह आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 206सी(1एफ) में किए गए संशोधन के तहत लागू होगी। इसके तहत 10 लाख रुपये से ज्यादा कीमत वाले विशेष हाई-वैल्यू आइटम्स पर 1 फीसदी टीसीएस अनिवार्य किया गया है। पहले यह प्रावधान केवल 10 लाख रुपये से अधिक कीमत वाले मोटर वाहनों पर लागू होता था। लेकिन अब वित्तीय (संशोधन) अधिनियम, 2024 के तहत इस दायरे में अन्य महंगे सामानों को भी शामिल किया गया है। अगर आप 10 लाख से ज्यादा कीमत वाले लग्जरी सामान खरीदने की सोच रहे हैं, तब अब आपको अतिरिक्त टैक्स देना पड़ सकता है। वित्त (संशोधन) अधिनियम, 2024 के तहत इनकम टैक्स एक्ट 1961 की धारा 206सी(1एफ) में बड़ा बदलाव किया गया है। इस बदलाव के जरिए अब सिर्फ महंगी कारों पर ही नहीं, बल्कि कुछ और महंगे सामानों पर भी टैक्स कलेक्शन एट सोर्स (टीसीएस) लगाया जाएगा।

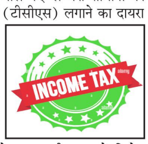

व्हाटसऐप का नया फीचर एडवांस्ड चैट प्राइवेसी लॉन्च

नई दिल्ली। प्राइवेसी सेटिंग्स को और मजबूत करते हुए व्हाटसऐप ने एक नया फीचर एडवांस्ड चैट प्राइवेसी लॉन्च किया है। यह नया अपडेट पर्सनल और ग्रुप चैट दोनों पर लागू होगा। यह फीचर खासतौर पर यूजर्स की निजी बातचीत की सुरक्षा को और बेहतर बनाने के लिए लाया गया है। यूजर को यह फीचर भरोसा देगा कि उनकी बातचीत ऐप के अंदर ही पूरी तरह सुरक्षित रहे। व्हाटसऐप ने स्पष्ट किया है कि उनकी प्राइवेसी की नींव अब भी एंड-टू-एंड एन्क्रिप्शन पर टिकी है, जो पहले से ही यह सुनिश्चित करता है कि मैसेज और कॉल्स केवल भेजने और प्राप्त करने वाले ही देख या सुन सकें। लेकिन अब 'एडवांस्ड चैट प्राइवेसी' फीचर इस सुरक्षा लेयर को और मजबूत करता है। इस फीचर को ऑन करने के बाद चैट्स को एक्सपोर्ट नहीं किया जा सकेगा और मीडिया फाइल्स ऑटोमैटिक डाउनलोड नहीं होंगी। यह फीचर उन लोगों के लिए बेहद उपयोगी साबित होगा जो अपनी प्राइवेट बातचीत को और भी ज्यादा सुरक्षित रखना चाहते हैं। यह नया फीचर व्हाटसऐप के लेटेस्ट वर्जन के साथ सभी यूजर्स के लिए धीरे-धीरे जारी किया जा रहा है। जिन यूजर्स को अभी यह सेटिंग नहीं दिख रही है, वे गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से व्हाटसऐप को अपडेट कर सकते हैं और इस नए प्राइवेसी फीचर का लाभ उठा सकते हैं। व्हाटसऐप का कहना है कि इस फीचर से यूजर्स को यह यकीन मिलेगा कि उनकी चैटिंग की दुनिया पूरी तरह से ऐप तक ही सीमित है और किसी भी बाहरी माध्यम में उसकी कोई झलक नहीं जाएगी।

मौसम ने ली करवट, तेज आंधी तूफान के बाद हुई हल्की बारिश

लांजी (पद्मेश न्यूज)। क्षेत्र में शनिवार से शाम के समय अचानक मौसम परिवर्तन के साथ तेज आंधी तूफान व हल्की बारिश हो रही है। यह सीलसीला दूसरे दिन रविवार को भी जारी रहा। रविवार को शाम 6 बजे अचानक मौसम परिवर्तन हुआ एवं तेज धूल भरी आंधी चलने लगी। कुछ देर आंधी तूफान के बाद हल्की बारिश हुई एवं मौसम शांत हो गया। रविवार बाजार के दिन इस तरह शाम के समय अचानक मौसम परिवर्तन होने के कारण व्यापारियों के साथ ही उपभोक्ताओं को भी परेशानियों का सामना करना पड़ा। तेज आंधी तूफान के बाद हल्की बारिश होने के कारण लोगों को अपने सामान को सुरक्षित बचाने के लिए जुगत करते देखा गया। यह बारिश लांजी क्षेत्र के सभी हिस्सों, भानेगांव, रिसेवाड़ा, साडरा में होना बताया जा रहा है।

तापमान में आई गिरावट

दो दिनों से हो रहें मौसम परिवर्तन के कारण तापमान में गिरावट देखी गई। शुक्रवार को जहां तापमान 40 से 41 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया तो वहीं रविवार को अधिकतम तापमान 37 डिग्री सेल्सियस रहा। हल्की बारिश होने के बाद ठंडी हवाएं भी चली। मौसम विभाग के अनुसार अगले तीन दिनों तक ऐसा ही मौसम रहने का अनुमान है।

विद्युत सप्लाई हुई बाधित

हवा तूफान प्रारंभ होते ही विद्युत विभाग द्वारा कोई अनहोनी घटना न हो इसलिए विद्युत सप्लाई बंद कर दी जाती है। किन्तु देखा जा रहा है कि मौसम के शांत होने के बाद भी विद्युत आपूर्ति बहाल नहीं हो पाती एवं बाद में ज्ञात होता है कि बेनेगांव से लांजी के बीच लाईन फाल्ट होने के कारण विद्युत आपूर्ति बंद है, कर्मचारियों द्वारा फाल्ट ढुंढा जा रहा है। यही वाक्या रविवार को रहा। शाम 6 बजे से गुल हुई बिजली देर रात्रि तक नहीं आ पाई थी। लोगों का मानना है कि विद्युत विभाग द्वारा समय-समय पर मेंटनेंस किया जाता है, तब भी यह बार बार क्यों होता है। बहरहाल विद्युत विभाग को इसका स्थाई समाधान निकालना चाहिए।

लांजी पुलिस ने स्थाई वारंटी को गिरफ्तार कर किया न्यायालय में पेश

लांजी (पद्मेश न्यूज)। लांजी पुलिस अनुभाग के द्वारा अभियान चलाकर स्थाई गिरफ्तारी वारंटियों को पकड़कर न्यायालय में पेश किया जाता है विभिन्न धाराओं मे न्यायालय के द्वारा आरोपियों के विरुद्ध वारंट जारी किया जाता है। आरोपी न्यायालय के द्वारा जारी वारंटों में पेशी पर नही जाने के चलते या फरारी काटने के चलते वारंट जारी होते है जिस पर पुलिस को आदेशित किया जाता है संबधित आरोपी जिसके विरूद्ध विभिन्न धाराओ में वारंट जारी किया गया है उन्हे पकड़कर न्यायालय में पेश किया जाये। जिसके तहत वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों जिनमें पुलिस अधीक्षक नगेन्द्र सिंह के मार्गदर्शन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विजय डाबर, एसडीओपी ओमप्रकाश (भापूसे) के निर्देशन में उक्त अभियान के तहत कार्यवाही थाना प्रभारी लांजी बीभेन्द्रु व्यंकट टांडिया तथा उनकी टीम के द्वारा की जा रही है। इसी कड़ी में 26 अप्रैल को थाना प्रभारी टांडिया के नेतृत्व में पुलिस टीम के द्वारा स्थाई वारंटी आरोपी राहूल पिता सूरजलाल टेकाम उम्र 20 वर्ष निवासी बड़गांव को हिरासत में लेकर आवश्यक कानूनी कार्यवाही पूर्ण कर 26 अप्रैल न्यायालय में पेश किया गया। बतादे कि आरोपी राहूल टेकाम के विरूद्ध अपराध क्रमांक 63/20 धारा 34 ए आबकारी एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध था। इसी प्रकरण में माननीय न्यायालय के द्वारा स्थाई वारंट जारी

किया गया था। जिसके तहत मुखबिर की सूचना के आधार पर लांजी पुलिस ने उक्त फरार चल रहे स्थाई वारंटी को हिरासत में लेकर न्यायालय में पेश किया गया। उक्त स्थाई वारंटी की गिरफ्तारी में प्रमुख रूप से थाना प्रभारी बी.व्यंकट टांडिया, प्रआ धनलाल लिल्हारे, आरक्षक चेतन सोनी, आशुतोष राजपूत, रंजित प्रजापति, दिलीप यादव, संजय भंजेकर एवं अन्य पुलिस बल का सराहनीय योगदान रहा।

कुलर में पानी भरते समय करंट लगने से नरेंद्र हुआ घायल

लांजी (पद्मेश न्यूज)। लांजी बालाघाट मार्ग पर चीचटोला निवासी नरेन्द्र पिता कृष्ण दास लिल्हारे उम्र 43 वर्ष जो 26 अप्रैल को 11 बजे अपने घर के कुलर में पानी भर रहे थे इसी दौरान करंट लगने के चलते नरेन्द्र लिल्हारे घायल हो गया, पडोसियों के द्वारा घटना को देखा गया एवं तत्काल मेन विद्युत सप्लाई बंद कि गई तथा स्थानीय लोगो के मदद से घायल नरेन्द्र लिल्हारे सिविल अस्पताल लांजी लाया गया जहां प्राथमिक उपचार किया जाकर डाक्टर के द्वारा गोंदिया रिफर किया गया, गोंदिया के निजी अस्पताल में नरेन्द्र का उपचार जारी है।

कुलर में पानी भरते समय बरते सावधानी

वर्तमान में भीषण गर्मी के दौर में कुलर आदि प्रयोग आम हो चुका है रोजाना कुलर में पानी भरा जाता है लेकिन कुलर में पानी भरते समय लोग सावधानी नही बरततें जिसके चलते अनेको विद्युत करंट के हादसे सुनने एवं दिखाई पड़ते है। यदि थोडी से सावधानी बरती जाये तो अनेको हादसो से बचा जा सकता है। हमने सैकड़ो ऐसे हादसे में सुनाई दिये है जहां कुलर में करंट लगने के चलते बडी दुर्घटनाऐं घटित हुई है। इन घटनाओं से भी लोग सुधरते दिखाई नही देते और अपनी लापरवाही के चलते दुर्घटना का शिकार हो जाते है। कभी भी कुलर में पानी भरना हो तो विद्युत सप्लाई बंद करे, प्लग निकाले, यह सुनिश्चित करे की कुलर में पानी भरते समय किसी भी प्रकार का विद्युत करंट सप्लाई ना हो रहा हो, ऐसे अनेको विषयो का ध्यान रखा जाये ताकि उक्त प्रकार की घटनाऐं घटित ना हो।

सभी बैंक मित्र बैंको के नियमों के विरोध में 1 मई को काली पट्टी बांध कर करेंगे विरोध प्रदर्शन

लांजी (पद्मेश न्यूज)। अन्तर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस 1 मई को मध्यप्रदेश बैंक मित्र संगठन के द्वारा काली पट्टी बांध कर बैंको के नियमों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करने हेतु प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि संगठन के प्रदेश अध्यक्ष रजत कुमार शर्मा ने कहा कि मध्यप्रदेश के सभी बैंक मित्र 1 मई 2025 को एक दिवसीय विरोध प्रदर्शन हाथों में काली पट्टी बांधकर करेंगे। संगठन ने भारतीय रिजर्व बैंक नई दिल्ली एवं भारतीय रिजर्व बैंक के भोपाल स्थित कार्यालय एवं समस्त राष्ट्री कृत बैंको के आंचलिक कार्यालयों को मेल एवं डाक के माध्यम से अपनी समस्याओं से अवगत कराया है। गौरतलब है कि बैंक मित्रों बैंकों एवं कंपनियों के द्वारा जबरन बीमा करने के लिये दबाव बनाया जाता है तथा लक्ष्य की पूर्ती नही करने पर आईडी बंद कर दी जाती है। इस तरह बैंक मित्रों को कभी भी बेरोजगार कर दिया जाता है। जिससे सभी बैंक मित्र मानसिक रूप से परेशान है। सभी बैंको के बैंक मित्रों का उक्त संगठन ट्रेड यूनियन में पंजीकृत हो गया है जो बैंक मित्रो के हितों के लिये लगातार अपनी लड़ाई लड़ रहा है। इसी कारण वश सभी बैंक काली पट्टी बांधकर विरोध प्रदर्शन कर रहे है।

विद्यार्थियों और अभिभावकों से पुस्तकों पर ली गई अधिक राशि वापस कराने के लिए समिति का गठन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। कलेक्टर मृणाल मीना के निर्देश पर अशासकीय स्कूलों में पुस्तकें की अनिवार्यता के सम्बंध में हुई जांच में कई स्कूलों की अनियमितताए सामने आयी है। जांच के बाद खुलासा हुआ कि स्कूलों द्वारा एनसीईआरटी, सीबीएसई, एससीईआरटी द्वारा मुद्रित पुस्तके के अलावा निजी प्रकाशकों की पाठ्य पुस्तकों का चयन कर अभिभावकों को दुकान विशेष निर्धारित स्थान से पुस्तकें खरीदने के लिए अधिक राशि ली गई। इसके बाद ली गई अधिक राशि वापस कराने के लिए एसडीएम श्री गोपाल सोनी ने दो दलों का गठन किया गया है। गठित समिति के सदस्यों की 26 अप्रैल को स्थानीय सर्किट हाउस में बैठक आयोजित हुई। बैठक में प्रकरण से सम्बंधित विषयो पर चर्चा कर ली गई अधिक राशि वापस दिलाने की रूपरेखा तैयार की गई। समिति में तहसीलदार भूपेन्द्र अहिरवार, तहसीलदार वंदना कुसराम, जिला शिक्षा कार्यालय के सहायक संचालक श्री सीएस मरावी, शामलबाकमावि के प्राचार्य डॉ. एमके जैन, शा हाई स्कूल मगरदर्रा के प्राचार्य श्री आलोक मिश्रा,बोदा हाई स्कूल के प्राचार्य श्री केएल तुरकर, शा हाईस्कूल जागपुर के प्राचार्य श्री टीके गौतम, बीआरसी श्री महेन्द्र शरणागत, पीएम श्री विद्यालय के प्राचार्य श्री बीएस घरते और बीईओ मोहित डेहरिया शामिल है।

विद्यार्थी व अभिभावक आवेदन के साथ साक्ष्य प्रस्तुत कर सकते है

जिन विद्यार्थियों व अभिभावकों को अशासकीय शिक्षण संस्थाओं द्वारा पाठय पुस्तको के अधिक मूल्य लिये जाने की शिकायतें है। वे अपना लिखित आवेदन 29 अप्रैल तक जिला शिक्षा कार्यालय व समिति के सदस्य श्री सीएस मरावी सहायक संचालक को प्रस्तुत कर सकते है। शिकायत के साथ छात्र-छात्राएं किस स्कूल में पढ़ते है ? स्कूल का नाम, क्या पुस्तकें क्रय के लिए सूची विद्यालय द्वारा दी गई थी? दुकानदार का नाम, कच्चा, पक्का बिल, यदि बिल नहीं दिया गया है तो लिखित में कारण, कौन-कौन सी किताबे क्रय की गई एवं उनका मूल्य कितना दिया गया है। आवेदक अपने सभी दस्तावेजों की स्वप्रमाणित छायाप्रति आवेदन के साथ उपलब्ध करा सकते है। जांच समिति छात्र/छात्राओं/ अभिभावकों से प्राप्त होने वाले शिकायतों के प्रपत्र के आधार पर आबंटित स्कूलों का भौतिक सत्यापन करेगी। इसके बाद अशासकीय शिक्षण संस्थाओं/पुस्तक विक्रेता द्वारा अधिक ली गई राशि वापस कराये जाने के संबंध में नियमानुसार अग्रिम कार्यवाही की जायेगी।

पूर्व विधायक किशोर समरीते ने वनमण्डलाधिकारी नेहा श्रीवास्तव पर 10 करोड़ से अधिक के भ्रष्टाचार का लगाया आरोप

लांजी (पद्मेश न्यूज)। संयुक्त क्रांति पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक किशोर समरीते ने मुख्य सचिव भारत सरकार को पत्र लिखकर बालाघाट जिले के वन विभाग में तत्त्कालीन दक्षिण वनमण्डल उत्पादन तथा वर्तमान में उत्तर वनमण्डल सामान्य की वनमण्डलाधिकारी नेहा श्रीवास्तव द्वारा 10 करोड़ से अधिक के भ्रष्टाचार की मध्यप्रदेश शासन द्वारा जांच नहीं करवाने के मामले में संज्ञान लेने बात कही है। श्री समरीते ने कहा कि मध्यप्रदेश शासन नीजी क्षेत्र में 4 हजार करोड़ का कर्ज ले रखा है। म.प्र.शासन पर वर्तमान कर्ज की स्थिति 10 हजार करोड़ से अधिक है। ऐसी परिस्थिति में म.प्र. शासन की जीरो टालरेंस नीति के विपरीत बालाघाट जिले के वन विभाग में दक्षिण वनमण्डल उत्पादन में वनमण्डलाधिकारी रहते हुये श्रीमति नेहा श्रीवास्तव (आई.एफ.एस.) द्वारा वन परिक्षेत्र सुलसुली उत्पादन, बीजागढ़ उत्पादन, रिसेवाड़ा उत्पादन, कन्सुली उत्पादन, पश्चिम लांजी उत्पादन में क्षमता से अधिक मानव दिवस स्वीकृत कर वन परिक्षेत्राधिकारियों के साथ 10 करोड़ से अधिक का फर्जी आहरण किया है। प्रमाण स्वरूप एक कूप में अधिकतम 200 मानव दिवस स्वीकृति का अधिकार वनमण्डलाधिकारी को होता है। इसके विपरीत एक कूप में 2 हजार से 3 हजार मानव दिवस स्वीकृत किये गये। ये स्थिति 70 से 80 कूपों में स्वीकृत किये गये हैं, जो गंभीर जांच का विषय है। इसके विपरीत निकासी मार्गों के निर्माण एवं मरम्मत में भी गई गुना राशि व्यय की गई तथा वाहनों के रख-रखाव एवं मरम्मत में भी कई गुना राशि के फर्जी बिल व्हाउचर बनाये गये। इन सभी कार्यों की प्रशासकीय एवं तकनीकी स्वीकृति वनमण्डलाधिकारी नेहा श्रीवास्तव (आई.एफ.एस.) द्वारा दी गई। साथ ही दक्षिण वनमण्डल उत्पादन में स्थानान्तरण पर राज्य शासन के प्रतिबंध के पश्चात् तथा बिना प्रभारी मंत्री की अनुशंसा के स्थानान्तरण नहीं करने के आदेश के उपरांत भी नेहा श्रीवास्तव द्वारा अपने दक्षिण वनमण्डल उत्पादन में वर्ष 2023-24 में एक परिक्षेत्र से दूसरे परिक्षेत्र में वन कर्मियों का भारी मात्रा में स्थानान्तरण किया गया। वनमण्डलाधिकारी प्रभारी मंत्री के अधिकारों का कैसे उपयोग कर सकती है। इस मामले में वनमण्डलाधिकारी नेहा श्रीवास्तव (आई.एफ.एस.) को तत्काल निलंबित किया जाना चाहिये। इसी तरह उत्तर वनमण्डल सामान्य में केम्पा मद में पुलियों का निर्माण में बिना तकनीकी एवं प्रशासकीय स्वीकृति के 17 पुलियों के निर्माण में राशि आहरण कर ली गयी। बिना टेण्डर के कार्य करवाये गये तथा पुलियों का निर्माण हुये बिना ही राशि का आहरण कर लिया गया। वनमण्डलाधिकारी उत्तर वनमण्डल सामान्य श्रीमति नेहा श्रीवास्तव (आई.एफ.एस.) द्वारा तेंदूपत्ता विकास की राशि एवं केम्पा मद में 1.80 करोड़ का बोगस आहरण किया गया जो गंभीर जांच का विषय है। साथ ही वन सुरक्षा समितियों की राशि का भी भारी दुरूपयोग किया गया। तेंदुपत्ता विकास एवं केम्पा मद में वनमण्डलाधिकारी उत्तर वनमण्डल (सामान्य) बालाघाट श्रीमति नेहा श्रीवास्तव (आई.एफ.एस.) द्वारा दी गई प्रशासकीय स्वीकृति, तकनीकी स्वीकृति तथा जारी कार्यादेशों की जांच निरीक्षण कर किये जाने एवं तत्काल प्रभाव से निलंबित किए जाने की मांग पूर्व विधायक व संयुक्त क्रांति पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष किशोर समरीते ने की है।

अम्बेडकर जयंती पखवाड़े अंतर्गत व्याख्यानमाला का हुआ आयोजन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा संविधान निर्माता डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की जयंती पखवाडा अंतर्गत रानी दुर्गावती महाविद्यालय परसवाड़ा में समानता पर्व बाबा साहब व्याख्यान माला का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य वक्ता श्री देवर्षि भल्लावी सहायक प्राध्यापक थे। उन्होंने डां सहाब को केवल एक समाज विशेष के ही नही अपितु सर्व समाज के मसीहा थे। अस्पृश्यता जैसी कुरूति के लिए एवं समानता के लिए अंतिम समय तक संघर्ष करते रहे। सामान्य परिवार एवं उस समय छोटी जाति कहने वाले जन्मे बाबा साहेब ने 32 उपाधियां प्राप्त किया था। कार्यक्रम में योगेश शरणागत ने भी अपने विचार व्यक्त किए और बाबा सहाब जब वकालत करते थे।प्रेक्टिस में भी लोग छोटी जाति का है।कहकर अपमान करते थे। बावजूद अपमान सहकर भी कई परिवारो को न्याय दिलाया। प्रणीता साकरे जी ने अम्बेडकर जी महान समाजसेवी बताया। तथा सभी को उनके जीवन काल संघर्ष को पुस्तकों में पडना आवश्यक है। कहा दिलीप कटरे जन भागीदारी समिति सदस्य द्वारा भी अवसर पर अपने विचार व्यक्त किए गए। संतोष नगपुरे विकासखण्ड समन्वयक परसवाड़ा ने कार्यक्रम कि रुपरेखा रखी उन्होंने परिषद द्वारा निरंतर कार्यक्रम आयोजित कर महापुरुषों की जीवनी से युवाओं को प्रेरित करने अपना आदर्श मानकर कार्य करने को कहा।मंच संचालन कैलाश समरत तथा अभार तहलसिंह पटले ने किया। कार्यक्रम में भुगन बिसेन एशु मंडलवार सुषमा चौधरी अखिलेश राणा माधुरी पटले योगेश्वरी रहांगडाले सोहेद्र पंचतिलक दिनेश वरकड़े तिमेश्वरी शरणागत परामर्शदाता सहित 120 लोग उपस्थित रहे।

लांजी में ''पद्मेश''
इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव: इंदौर में सीएम करेंगे शुभारंभ

डिजिटल इनोवेशन का सेंटर बनेगा एमपी, टेक-निवेश का गोल्डन चांस

इंदौर

इंदौर के ब्रिलिएंट कन्वेंशन सेंटर में एमपी टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव 2025 का शुभारंभ होगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज शाम 5 बजे इसका शुभारंभ करेंगे। मध्यप्रदेश को टेक्नोलॉजी और डिजिटल नवाचार का केन्द्र बनाने के उद्देश्य से आयोजित इस कॉन्क्लेव के लिए शहर में सुबह से ही उद्योगपति और जनप्रतिनिधि जुटने लगे हैं। शनिवार को देर रात प्रमुख सचिव संजय दुबे ने कार्यक्रम स्थल पर पहुंचकर तैयारियों का जायजा लिया। इस दौरान महापौर पुष्यमित्र भार्गव, नगर निगम कमिश्नर शिवम वर्मा और अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उम्मीद जताई है कि कॉन्क्लेव देश-दुनिया के टेक दिग्गजों के लिए निवेश का स्वर्णिम अवसर सिद्ध होगा। राज्य के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग का ये कॉन्क्लेव आयोजन जीआईएस-भोपाल में आए निवेश प्रस्तावों को मूर्त रूप देने का महत्वपूर्ण प्रयास है।

राउंड टेबल मीटिंग भी होगी

कॉन्क्लेव में सेक्टर-स्पेसिफिक राउंड टेबल मीटिंग्स, सूचना प्रौद्योगिकी सलाहकार बोर्ड से वीसी संवाद और मुख्यमंत्री की टेक-लीडर्स के साथ वन-टू-वन बैठकें भी कॉन्क्लेव का हिस्सा होंगी। एमपी टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव 2025 मध्यप्रदेश को भविष्य के डिजिटल भारत में अग्रणी बनाने और जीआईएस-भोपाल की निवेश प्रतिबद्धताओं को साकार करने की दिशा में एक निर्णायक पहल सिद्ध होगी।

यह सौगातें मिलेंगी

कॉन्क्लेव के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव नए क्ळ पार्क, स्किल डेवलपमेंट सेंटर्स और स्टार्ट-अप इन्क्यूबेटरों का भूमि-पूजन करेंगे। मुख्यमंत्री कॉन्क्लेव में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस और इन्क्यूबेशन हब का शुभारंभ करेंगे, प्रमुख निवेशकों के साथ एमओयू और आवंटन-पत्रों पर हस्ताक्षर करेंगे और इंवेस्टमेंट फैसिलिटेशन पोर्टल का शुभारंभ करेंगे। इस पोर्टल से निवेशकों को प्रोजेक्ट्स की रियल-टाइम ट्रैकिंग और एकल खिड़की की सुविधा मिलेगी।

चार नई नीतियां आएंगी

मुख्यमंत्री डॉ. यादव इस अवसर पर प्रदेश की चार नई तकनीकी नीतियों GCC नीति, ड्रोन नीति, सेमीकंडक्टर नीति एवं AVGC-XR नीति की गाइडलाइन्स जारी करेंगे। यह नीतियां नवाचार, अनुसंधान और निर्माण को प्रोत्साहित कर प्रदेश में क्षेत्रीय स्तर तक तकनीकी उद्यमिता और क्षमताओं को नई ऊंचाइयां देंगी।

100 से अधिक दिव्यांगजनों को बैटरीयुक्त ट्रायसिकल का वितरण करेंगे सीएम

मुख्यमंत्री डॉ. यादव दोपहर में सुमित धाम, गांधी नगर में दिगम्बर जैन महाकुंभ में शामिल होंगे। फिर शाम 4.20 बजे ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में दिव्यांग सायकल एवं उपकरण वितरण कार्यक्रम में भाग लेंगे। मुख्यमंत्री दिव्यांगजनों के हितार्थ आयोजित कार्यक्रमों की शृंखला में आज स्कीम 78 विजय नगर में दिव्यांगजनों को बैटरीयुक्त ट्रायसिकल का वितरण करेंगे। आईडीबीआई बैंक के सामाजिक दायित्वों के अंतर्गत और भारतीय रेडक्रास सोसाइटी के वित्तीय सहयोग से जिले के 100 से अधिक दिव्यांगजनों को बैटरीयुक्त ट्रायसाइकिल नि:शुल्क दी जा रही है। निजी क्षेत्रों में दिव्यांगजनों की भागीदारी सुनिश्चित हो इसके लिए जिला प्रशासन इंदौर द्वारा दिव्यांग रोजगार पोर्टल के माध्यम से 500 से अधिक दिव्यांगजनों को निजी इकाइयों में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए गए हैं।

सागर की तरह यहां पर भी बदल दिए थे एमआईसी मैंबर

माफी मांगकर बचीं देवास महापौर नहीं तो उन्हें भी मिल जाता नोटिस

भोपाल

सागर में जिस तरह से महापौर संगीता तिवारी ने संगठन से बिना पूछे मेयर इन काउंसिल (एमआईसी) में बदलाव कर दिया था। ठीक उसी तरह देवास महापौर गीता दुर्गेश अग्रवाल ने भी एमआईसी के दो सदस्य हटाकर नए बना लिए थे, लेकिन संगठन ने जब इस मामले पर नाराजगी जताई तो उन्होंने अपनी गलती स्वीकार कर ली। नाराज संगठन ने शनिवार को सागर और देवास दोनों के मामलों को संज्ञान में लिया। बताया जाता है कि देवास महापौर गीता अग्रवाल से सब संगठन के पदाधिकारियों ने बात की तो उन्होंने अपनी गलती स्वीकार कर ली। गलती स्वीकार करने के चलते उन्हें संगठन ने नोटिस नहीं दिया। उन्होंने इस गलती को शीघ्र की दुरुस्त करने का भी वादा पार्टी से किया है।

जबकि इसी तरह के मामले में सागर महापौर संगीता तिवारी न तो भोपाल आई और ना ही उन्होंने पार्टी के नेताओं से इस संबंध में बातचीत की। नतीजे में पार्टी ने इसे भी अनुशासनहीनता मानते हुए उन्हें कारण बताओ नोटिस शनिवार को जारी किया है। सागर और देवास में एमआईसी में बदलाव करने को लेकर संगठन ने गंभीरता से लिया है, इसके चलते ही शनिवार को प्रदेश भाजपा दफ्तर में दोनों महापौर को बुलाया गया था। इस बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीडी शर्मा, प्रदेश प्रभारी महेंद्र सिंह और प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा मौजूद थे।

महापौर का स्वास्थ्य खराब है, इसलिए वे शनिवार को भोपाल नहीं गई थी। संगठन सर्वोपरि है, स्वास्थ्य ठीक होते ही भोपाल जाकर बात करेंगे। जैसा संगठन के पदाधिकारी निर्देश देंगे, वैसा ही किया जाएगा।

■ **दुर्गेश अग्रवाल,** गीता अग्रवाल के पति एवं महापौर प्रतिनिधि

देवास महापौर ने यह किया था बदलाव

देवास महापौर ने एमआईसी से अजय तोमर और रामदयाल यादव को हटा कर उनकी जगह पर ममता यादव और अंतिम अजय पडियार को मैंबर बना दिया था। इस पर जब संगठन ने उन्हें भी शनिवार को भोपाल तलब किया था, लेकिन स्वास्थ्य खराब होने के चलते वे नहीं आ सकी, लेकिन उन्होंने अपनी सफाई संगठन के पदाधिकारियों को दे दी।

सागर में यह हुआ था बदलाव

सागर महापौर संगीता तिवारी ने एमआईसी के दो सदस्यों को हटाकर मनपसंद टीम बना ली थी। इस पर पूर्व मंत्री शरद जैन और सांसद लता वानखेड़े ने संगठन से शिकायत की थी कि उनके समर्थकों को बाहर कर दिया गया है और महापौर ने अपने अनुसार मैंबर बना लिए हैं। इस संबंध में संगीता तिवारी से बात करने का प्रयास किया गया, लेकिन उन्होंने कॉल रिसीव नहीं किया।

भोपाल। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मन की बात वार्ड क्रमांक 50, गुलमोहर में जाकर सुनी। इस दौरान जिला कांग्रेस के कई पदाधिकारी और पार्टी कार्यकर्ता मौजूद थे।

इंदौर कहलाएगा आईटी कैपिटल जनवरी तक पांच IT पार्क की तैयारी

इंदौर

इंदौर में आज आईटी कॉन्क्लेव का आयोजन होने जा रहा है। इससे पहले सरकार ने आईटी पार्कों के निर्माण और उसकी कार्ययोजनाओं की गति तेज कर दी है। यह पार्क इंदौर, उज्जैन और रीवा में बनाए जाएंगे। सरकार का दावा है कि इनमें प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से 25 हजार से अधिक लोगों को रोजगार मिलेगा। मप्र में तैयार किए जा रहे आईटी पार्क तीन मॉडल पर बन रहे हैं। पहला मॉडल प्लग एंड प्ले का है, जहां लोग किराए से स्पेस लेंगे। दूसरे में भवन का कुछ हिस्सा खरीदकर कंपनियां काम शुरू करेंगी और तीसरे मॉडल के तहत कंपनियों को भूखंड मुहैया कराए जाएंगे। कंपनियां खुद की बिल्डिंग बनाकर कामकाज शुरू करेंगी। बता दें कि इंदौर जनवरी 2026 के पहले प्रदेश का पहला शहर बन जाएगा जहां पर 5 आईटी पार्क होंगे। इंदौर में वर्तमान में तीन आईटी पार्क (क्रिस्टल आईटी पार्क, अतुल्य आईटी पार्क और सिंगवासा आईटी पार्क) अपनी पूरी क्षमता के साथ काम कर रहे हैं।

वहीं, इंदौर में दो आईटी पार्क बनाने का काम तेज गति से चल रहा है, जिसमें से एक आईटी पार्क दिसंबर 2025 तो दूसरा आईटी पार्क जनवरी 2026 के पहले बनकर तैयार हो जाएगा। प्रदेश के अन्य शहरों में भी सरकार आईटी पार्क बनाने का काम तेज गति से कर रही है।

इंदौर में दो आईटी पार्क पर 550 करोड़ खर्च

इंदौर में आईटी पार्क 3 और 4 का निर्माण कार्य शुरू हो चुका है। यह दोनों ही आईटी पार्क लगभग 3 हेक्टेयर जमीन पर तैयार किए जा रहे हैं। इन्हें तैयार करने में लगभग 550 करोड़ रुपए खर्च किए जा रहे हैं। आईटी पार्क 3 का 38 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है और 4 का काम 30 प्रतिशत पूरा हो गया है।

कांग्रेस का सोमवार को ग्वालियर में शक्ति प्रदर्शन

संविधान बचाओ अभियान की पहली रैली, नाथ के शामिल होने पर संशय

भोपाल

एआईसीसी के निर्देश पर संविधान बचाओ अभियान की पहली रैली प्रदेश में सोमवार को ग्वालियर में होने जा रही है। इस रैली के जरिए प्रदेश कांग्रेस अपनी शक्ति दिखाने का प्रयास करेगा। इस रैली के लिए प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी हरीश चौधरी तीन दिन से इस क्षेत्र में संपर्क कर रहे हैं। कांग्रेस के आठ नेताओं ने अलग-अलग शहरों में पत्रकार वार्ता कर रैली को सफल बनाने की अपील की है। इस रैली के बाद जिलों और विधानसभा क्षेत्रों में भी अभियान के तहत कार्यक्रम होंगे।

ग्वालियर में सोमवार को होने वाली रैली में प्रदेश कांग्रेस के सभी दिग्गज नेता शुमार होंगे। पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह, पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह, डॉ. गोविंद सिंह, अरुण यादव, कांतिलाल भूरिया, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंधार, प्रदेश अध्यक्ष जितेंद्र पटवारी सहित सभी अन्य नेता शामिल होंगे। कांग्रेस ने इस रैली को सफल बनाने के लिए ग्वालियर-चंबल संभाग के जिलों पर ही ज्यादा फोकस किया है। यहां पर कांग्रेस के 16 विधायक हैं। हर विधायक और जिला अध्यक्ष को भीड़ जुटाने का टारगेट दिया गया है। कांग्रेस को उम्मीद है कि यहां पर वह 50 हजार लोगों की भीड़ जुटा लेगी। कांग्रेस यहां पर केंद्र सरकार पर जमकर बरसेगी।

मंच पर ज्यादा ध्यान

भोपाल में किसान कांग्रेस के प्रदर्शन के दौरान मंच टूटने से हुआ हादसे को दृष्टिगत रखते हुए। इस रैली के लिए मंच की मजबूती का विशेष ध्यान रखा जा रहा है। कांग्रेस का प्रयास रहेगा कि जिन्हें मंच पर बैठाया जाना है, उन्हें रविवार की शाम को बता दिया जाएगा। ऐसा भी हो सकता है कि मंच पर सिर्फ राज्यस्तरीय नेता और ग्वालियर के जिला अध्यक्ष को ही जगह दी जाए।

कमलनाथ का अभी तय नहीं

सूत्रों की मानी जाए तो पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ का इस आयोजन में शामिल होने का अभी तय नहीं हैं। प्रदेश कांग्रेस की ओर से भेजी गई सूचना पर अधिकांश नेताओं ने इस रैली में शामिल होने की सहमति जता दी है। कमलनाथ की ओर से अभी तक यह सहमति नहीं आई है।

आईएम बीजेपी फ्यूचर फोर्स के कॉन्क्लेव में अंबेडकर पर चिंतन

भोपाल

बाबा साहेब के कृतित्व और व्यक्तित्व पर हुई चर्चा

आईएम बीजेपी फ्यूचर फोर्स का द अंबेडकर यूथ कॉन्क्लेव भोपाल के राज्य संग्रहालय ऑडिटोरियम में आयोजित हुआ। इसमें मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष वीडी शर्मा भी शामिल हुए। बाबा साहेब डॉ. भीम राव अंबेडकर के कृतित्व और व्यक्तित्व पर आधारित द अंबेडकर यूथ कॉन्क्लेव को दोनों ही नेताओं ने संबोधित किया। इससे पहले आयोजन में सामाजिक न्याय से सामाजिक सशक्तिकरण तक मोदी युग में बाबा साहब के सपने को साकार करना इन विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। इसके प्रथम सत्र में भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गुरू प्रकाश पासवान शामिल हुए। उन्होंने डॉ. अंबेडकर के जीवन पर प्रकाश डाला। इस सत्र में प्रदेश भाजपा के प्रभारी महेंद्र सिंह भी शामिल हुए। समापन सत्र में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीडी शर्मा शामिल रहे।

बांदकपुर जागेश्वरनाथ धाम में 100 करोड़ की लागत से बनेगा भव्य कॉरिडोर

दमोह। दमोह जिले के प्रसिद्ध तीर्थ क्षेत्र जागेश्वरनाथ धाम, बांदकपुर में अब महाकाल लोक उज्जैन की तर्ज पर भव्य कॉरिडोर का निर्माण होने जा रहा है। करीब 100 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले इस कॉरिडोर का भूमिपूजन मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 9 मई को करेंगे। मुख्यमंत्री के प्रस्तावित आगमन को लेकर शनिवार शाम संस्कृति एवं पर्यटन राज्यमंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी तथा पशुपालन व डेयरी विकास राज्यमंत्री लखन पटेल की मौजूदगी में त्रयंबकेश्वर विश्राम भवन में बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने आगमन और भूमिपूजन कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। संस्कृति राज्यमंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी ने जानकारी दी कि बांदकपुर कॉरिडोर की लंबे समय से मांग थी। इसका पहला चरण शुरू करने के लिए टेंडर हो चुका है और मुख्यमंत्री 9 मई को इस पहले चरण के तहत भूमिपूजन करेंगे। भूमिपूजन के बाद कॉरिडोर का निर्माण कार्य तेजी से शुरू होगा। पर्यटन राज्यमंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी ने कहा कि निर्माण कार्य से जुड़ी सभी समस्याओं का समाधान प्रक्रिया के तहत किया जाएगा। 9 मई को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के करकमलों से भूमि पूजन के बाद कार्य की विधिवत शुरूआत होगी।

9 मई को सीएम करेंगे भूमिपूजन

पांच चरणों में बनेगा कॉरिडोर

हालांकि मंदिर परिसर में मौजूद अतिक्रमणों के चलते फिलहाल पूरा कार्य एक साथ नहीं हो सकेगा। निर्माण की शुरूआत मंदिर के भीतरी क्षेत्र से होगी। मध्यप्रदेश पर्यटन विभाग के अधिकारियों के अनुसार कॉरिडोर निर्माण कार्य पांच चरणों में पूरा किया जाएगा।

जनजातीय कार्य विभाग में एडवाइजर्स करेंगे भर्ती नियमों का एनालिसिस

भोपाल। मध्यप्रदेश जनजातीय कार्य विभाग में संवैधानिक व्यवस्था के अनुसार विभागीय भर्ती नियमों का डॉटाबेस निर्माण करने और भर्ती नियकों के विश्लेषण तथा वित्तीय प्रबंधन के लिए परामर्शी नियुक्त करेगा।

आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग ने इसके लिए उपयुक्त उम्मीदवारों से 28 अप्रैल तक आवेदन बुलाए है। जो आवेदन आएंगे उनके परीक्षण के बाद गठित समिति पात्र अभ्यर्थियों के साक्षात्कार करेंगे।

जो परामर्शी तैनात किए जाएंगे उनसे विभगीय भर्ती नियमों का डॉटाबोस निर्माण और क्रियान्वयन तथ अनुश्रवण का काम कराया जाएगा। विभागीय भर्ती नियमों के परिप्रेक्ष्य में विशलेष्णात्मक बिन्दुओं, सुझावों पर प्रतिवेदन लिया जाएगा और अन्य विषयों तथ वित्तीय प्रबंधन पर परामर्श लिया जाएगा। परामर्शी की तैनाती से विभाग के ये सारे काम आसान हो जाएंगे।

साभार प्रदेश टूडे

डिजिटल हुआ विंग, एंड्राइड एप व पोर्टल से होगी प्रोसेस

यूथ कांग्रेस: 5 साल बाद चुनाव, 6 पदों पर नॉमिनेशन शुरू

भोपाल

मध्यप्रदेश के सभी जिलों में आज से यूथ कांग्रेस में नॉमिनेशन की प्रक्रिया शुरू की गई है। प्रदेश से लेकर ब्लॉक तक के कुल 6 पदों पर ऑनलाइन नॉमिनेशन होगा। प्रदेश में पांच साल बाद चुनाव कराए जा रहे हैं।

यूथ कांग्रेस की चुनाव प्रक्रिया के तहत सुबह 9 बजे से नॉमिनेशन शुरु हुआ जो शाम 5 बजे तक चलेगा। 6 मई तक रोजाना आठ घंटे नॉमिनेशन होगा। 18 अप्रैल 2025 को एमपी यूथ कांग्रेस के चुनाव का ऐलान किया गया था। इलेक्शन प्रोसेस के तहत सभी जिलों में 25 अप्रैल तक कोऑर्डिनेटरों का दौरा चला। नॉमिनेशन पर 28 अप्रैल से दावे आपत्तियों और सुनवाई शुरू होगी, जो 7 मई तक चलेगी।

10 लाख सदस्यों का टारगेट

इलेक्शन के लिए अभ्यर्थियों की उम्र 27 अप्रैल 1990 से 26 अप्रैल 2007 तक मान्य की जाएगी। कैंडिटेट को चुनने के लिए एक सदस्य कुल 6 वोट कर सकेंगे। संगठन ने चुनाव के साथ सदस्यता अभियान शुरू किया है। प्रदेशभर में करीब 10 लाख नए सदस्य जोड़ने का टारगेट है। सदस्यता और वोटिंग एंड्राइड एप व पोर्टल से होगी।

45 जिलों ओबीसी कैंडीडेट

यूथ कांग्रेस चुनाव में एमपी के 45 जिलों में ओबीसी के लिए आरक्षित किया है। जबकि 7 जिलों में एससी और एसटी वर्ग के लिए आरक्षित किया गया है। जिसमें सागर, देवास, जबलपुर (शहर), पांढुर्णा, गुना, बुरहानपुर और सतना जिला शामिल है।

प्रदेश से ब्लॉक अध्यक्ष चुनेंगे

नॉमिनेशन की स्क्रूटनी 7 मई से 9 मई तक की जाएगी। 11 मई तक फाइनल कैंडिडेट तय हो जाएंगे। एमपी में प्रदेश अध्यक्ष पद, प्रदेश महासचिव पद, जिला अध्यक्ष पद, जिला महासचिव पद, विधानसभा अध्यक्ष पद और ब्लॉक अध्यक्ष पद पर मतदान कराया जाएगा।

राजस्थान रायल्स पर जीत के इरादे से उतरेगी गुजरात टाइटंस

जयपुर। आईपीएल अंक तालिका में शीर्ष पर चल रही गुजरात टाइटंस की टीम सोमवार को यहां राजस्थान रॉयल्स से खेलेगी। इस मैच में टाइटंस का लक्ष्य जीत हासिल कर नंबर एक पर बने रहना है। टाइटंस ने अब तक आठ मैचों में से छह में जीत के साथ ही अंक तालिका में सबसे अधिक 12 अंक हासिल किये है। वहीं राजस्थान रॉयल्स की टीम 4 अंकों के साथ 9वें नंबर पर है। ऐसे में इस मैच में टाइटंस की टीम जीत की प्रबल दावेदार है हालांकि रॉयल्स को घरेलू मैदान का लाभ जरुर मिलेगा पर इसके बाद भी वह काफी कमजोर है। टाइटंस की बल्लेबाजी और गेंदबाजी काफी अच्छी है। उसके बल्लेबाज साई सुदर्शन ने अब तक सबसे अधिक रन बनाये हैं और वह ऑरेंज कैप के सबसे बड़े दावेदार के तौर पर उभरे हैं। वहीं प्रसिद्ध कृष्णा सबसे अधिक विकेटों के साथ ही पर्पल कैप के नंबर एक दावेदार हैं। इसके अलावा टीम के पास कप्तान शुभमन और और जोस बटलर जैसे बल्लेबाज भी हैं। दूसरी ओर राजस्थान रॉयल्स इस सप्ताह की शुरुआत में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) से मिली हार के बाद ही

प्लेऑफ की रैस से बाहर हो गयी थी। नौ मैचों में सातवीं हार के साथ ही वह अंक तालिका में नौवें स्थान पर हैं। रॉयल्स की टीम इस सत्र में करीब तीन मैचों में जीत के करीब पहुंचकर भी उसे हासिल नहीं कर पायी है। पिछले तीन मैचों में जीत के करीब पहुंची लेकिन करीबी मैचों को अपने पक्ष में मोड़ने में नाकाम रही। टीम के नियमित कप्तान संजू सैमसन चोटिल होने के कारण टीम से बाहर हैं ऐसे में रॉयल्स की कप्तानी रियान पराग करेंगे। पिछले मैच में भी पराग ही कप्तान थे। टीम की बल्लेबाजी यशस्वी जायसवाल के अलावा नितीश राणा और वैभव सूर्यवंशी पर आधारित रहेगी। रॉयल्स की गेंदबाज वानिंदु हसरंगा, जोफ्रा आर्चर पर आधारित रहेगी जबकि गुजरात की गेंदबाजी कृष्णा के अलावा मो सिराज पर निर्भर करेगी।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं-

राजस्थान रॉयल्सः रियान पराग (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, नितीश राणा, ध्रुव जुरेल, शिमरोन हेटमायर, वानिंदु हसरंगा, जोफ्रा आर्चर, महेश तीक्षाना, संदीप शर्मा, तुषार देशपांडे, शुभम दुबे, कुमार कार्तिकेय, युद्धवीर सिंह चरक, कुणाल सिंह राठौड़, आकाश मधवाल, फजलहक फारूकी, केवेना मफाका, अशोक शर्मा, वैभव सूर्यवंशी, संजू सैमसन (चोटिल)

गुजरात टाइटंसः शुभमन गिल (कप्तान), जोस बटलर (विकेटकीपर), बी साई सुदर्शन, शाहरुख खान, शेरफेन रदरफोर्ड, राहुल तेवतिया, राशिद खान, कागिसो रबाडा, रविश्रीनिवासन साई किशोर, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, ईशांत शर्मा, वाशिंगटन सुंदर, ग्लेन फिलिप्स, अनुज रावत, महिपाल लोमरोर, अरशद खान, जयंत यादव, निशांत सिंधु, कुलवंत खेजरोलिया, गेराल्ड कोएट्जी, मानव सुथार, कुमार कुशाग्र, गुरनूर बराड़ और करीम जनत।

प्रियांश ऑरेंज कैप की दौड़ में शीर्ष 10 में शामिल, पर्पल कैप पर कृष्णा का कब्जा बरकरार

मुम्बई। पंजाब किंग्स के युवा बल्लेबाज प्रियांश आर्य सबसे अधिक रनों के लिए मिलने वाली ऑरेंज कैप की सूची में शीर्ष दस खिलाडियों में पहुंच गये हैं। प्रियांश ने कोलकाता नाइटराइडर्स के खिलाफ 69 रन बनाने के साथ दसवां स्थान हासिल किया। प्रियांश अब इस सत्र में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ियों की सूची में संयुक्त रूप से नौवें स्थान पर पहुंच गए हैं। उनके 9 मैचों में 35.88 की औसत से 323 रन हैं। प्रियांश के

आगे बढ़ने से गुजरात टाइटंस के शुभमन गिल एक स्थान के नुकसान के साथ ही दसवें नंबर पर खिसक गये हैं। शुभमन के 305 रन हैं। ऑरेंज कैप की रेस में अभी नंबर एक पर गुजरात टाइटंस साई सुदर्शन हैं। सुदर्शन ने अब तक 417 रन बनाए हैं। उनके बाद रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के स्टार बैटर विराट कोहली हैं, जिनके बल्ले से 9 मैचों में 392 रन निकले हैं। वहीं सबसे अधिक विकेट के लिए मिलने वाली पर्पल कैप की सूची में अभी गुजरात टाइटंस के ही प्रसिद्ध कृष्णा शीर्ष पर हैं। कृष्णा के नाम 16 विकेट है। वहीं आरसीबी के तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड के खाते में भी 16 विकेट हैं। इस सूची में चेन्नई सुपर किंग्स के नूर अहमद तीसरे स्थान पर हैं। उन्होंने 8 मैचों में 14 विकेट लिए हैं। सनराइजर्स हैदराबाद के तेज गेंदबाज हर्षल पटेल 13 विकेटों के साथ चौथे पायदान पर हैं।

मुंबई इंडियंस लगातार पांचवीं जीत से नंबर-2 पर पहुंची

मुंबई। मुंबई इंडियंस ने लगातार पांचवां मैच जीतकर IPL पॉइंट्स टेबल में दूसरा स्थान हासिल कर लिया है। टीम ने वानखेड़े स्टेडियम में लखनऊ सुपरजायंट्स को 54 रन से हरा दिया। लखनऊ ने बॉलिंग चुनी। MI ने 7 विकेट खोकर 215 रन बनाए। जवाब में LSG 161 रन ही बना सकी। मुंबई से जसप्रीत बुमराह ने 4 विकेट लिए, उन्होंने ही 16वें ओवर में 3 विकेट लेकर मैच MI की झोली में डाला। ट्रेंट बोल्ट ने 3 और विल जैक्स ने 2 विकेट लिए। सूर्यकुमार यादव और रायन रिकेलटन दोनों ने फिफ्टी लगाई। लखनऊ से आवेश खान और मयंक यादव ने 2-2 विकेट लिए। आयुष बडोनी ने सबसे ज्याद 35 रन बनाए। लखनऊ ने 16वें ओवर में 3 विकेट गंवाए। ओवर की दूसरी बॉल जसप्रीत बुमराह ने लेग स्टंप पर फुल टॉस फेंकी। डेविड मिलर ने शॉट खेला, लेकिन डीप मिड विकेट पर कॉर्बिन बॉश के हाथों कैच हो गए। मिलर ने 24 रन बनाए। बुमराह ने पांचवीं गेंद पर अब्दुल समद और छठी गेंद पर आवेश खान को बोल्ड किया। सूर्यकुमार यादव 54 रन बनाकर आउट हो गए हैं। उन्हें आवेश खान ने मिचेल मार्श के हाथों कैच कराया। मुंबई का यह छठा विकेट रहा। सूर्या की यह IPL की 27वीं और सीजन की तीसरी फिफ्टी है। मुंबई का पांचवां विकेट 16वें ओवर की पहली गेंद पर गिरा। टीम के कप्तान हार्दिक पंड्या को मयंक यादव ने बोल्ड कर दिया। हार्दिक ने 7 बॉल पर 5 रन बनाए। मयंक का मैच में यह दूसरा विकेट रहा।

साई किशोर से प्रभावित हैं विटोरी

नई दिल्ली। सनराइजर्स हैदराबाद के कोच डेनियल विटोरी ने गुजरात टाइटंस के स्पिनर आर साई किशोर की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि हम उन्हें नीलामी में लेना चाहते थे पर सफल नहीं हुए थे। विटोरी ने कहा कि किशोर बेहद योग्य हैं और उनमें सीमित ओवरों के क्रिकेट में सफल गेंदबाज बनने की पूरी क्षमताएं हैं। इस सत्र में इस गेंदबाज ने काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। किशोर ने इस सत्र में गुजरात की ओर से बेहतर प्रदर्शन किया है और वह सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाजों में वह पांचवें नंबर पर हैं। उन्होंने अभी तक 8 मैचों में 12 विकेट लिए हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 30 रन देकर तीन विकेट लेना रहा है। विटोरी से जब पूछा गया कि वह बाएं हाथ के किस स्पिनर से प्रभावित हैं तो उन्होंने कहा कि मैं किशोर का नाम लूंगा। उसने शानदार प्रदर्शन किया है। साथ ही कहा कि वह एक ऐसा खिलाड़ी था जिस पर नीलामी में हमारी नजर थी हालांकि हम उसे शामिल नहीं कर पाय थे।। वह एक निडर गेंदबाज है। उसके पास गेंद को टर्न करने विकेट के ऊपर और आसपास अपनी गति बदलने की क्षमताएं हैं। मुझे लगता है कि वह अन्य स्पिनरों के लिए मानदंड स्थापिक करता है कि आप वास्तव में कैसे प्रतिस्पर्धा कर सकते हैं और सफल हो सकते हैं। उसने बल्लेबाजी के सहायक विकेटों पर भी अपनी गेंदबाजी से सभी को प्रभावित किया है।

दिल्ली ने बेंगलुरु को 163 रन का टारगेट दिया

कोहली और क्रूणाल ने फिफ्टी पार्टनरशिप की; अक्षर पटेल ने 2 विकेट लिए

दिल्ली। ड्क्क के 46वें मैच में दिल्ली कैपिटल्स (छ्ट) ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (ऋष्टक्क) को 163 रन का टारगेट दिया। अरुण जेटली स्टेडियम में बेंगलुरु ने बॉलिंग चुनी। टीम ने 8 विकेट खोकर 162 रन बनाए। केएल राहुल ने 41, ट्रिस्टन स्टब्स ने 34 और अभिषेक पोरेल ने 28 रन बनाए। बेंगलुरु से भुवनेश्वर कुमार ने 3 और जोश हेजलवुड ने 2 विकेट लिए। ऋष्टक्कने 14 ओवर के बाद 3 विकेट के नुकसान पर 105 रन बना लिए। टीम से विराट कोहली और करुणाल पंड्या पिच पर हैं। दोनों बैटर्स ने चौथे विकेट के लिए फिफ्टी पार्टनरशिप पूरी कर ली है। करुण नायर के डायरेक्ट हिट ने रजत पाटीदार को रन आउट कर दिया। अक्षर पटेल ने तीसरे ओवर में 2 विकेट लिए। उन्होंने जैकब बेथेल को कैच कराया और देवदत्त पडिक्कल को बोल्ड किया। बेंगलुरु ने चौथे ओवर में तीसरा विकेट भी गंवा दिया। ओवर की आखिरी गेंद मुकेश कुमार ने शॉर्ट पिच फेंकी। विराट कोहली आगे निकलकर शॉट खेलने गए, लेकिन गेंद शॉर्ट मिड विकेट पर करुण नायर के पास चली गई। उन्होंने गेंद उठाई और नॉन स्ट्राइकर एंड पर डायरेक्ट हिट मार दिया। इससे रजत पाटीदार रन आउट हो गए। उन्होंने 6 रन बनाए। दिल्ली के कप्तान अक्षर पटेल ने तीसरे ओवर में 2 विकेट लिए। उन्होंने ओवर की दूसरी गेंद शॉर्ट पिच फेंकी, जैकब बेथेल बड़ा शॉट खेलने गए, लेकिन स्क्वेयर लेग पर कैच हो गए। ओवर की चौथी गेंद पर अक्षर ने देवदत्त पडिक्कल को बोल्ड भी कर दिया। बेथेल ने 12 रन बनाए, पडिक्कल खाता भी नहीं खोल सके।

बारिश के कारण मैच रद्द होने से केकेआर व पंजाब को झटका दोनो को ही एक-एक अंक मिले

कोलकाता। बारिश के कारण कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) के बीच आईपीएल में यहां होने वाला नहीं हुआ। इससे दोनो ही टीमों को एक-एक अंक मिला है। इस मैच में श्रेयस अय्यर की पंजाब किंग्स ने पहले बल्लेबाजी का करते हुए 201 रन बनाये। प्रियांश आर्य ने 69, प्रभसिमरन सिंह ने 83 रन बनाये। इसके बाद केकेआर की पारी शुरु हुई थी कि बारिश शुरु हो गयी जिस कारण मैच रुक गया। इसके बाद भी जब बारिश नहीं 11 बजे मैच को रद्द घोषित कर दिया गया और दोनों टीमों को 1-1 अंक बांट दिया गया। इससे दोनो को ही झटका लगा है क्योंकि इस मैच में जीत से दोनो ही प्लेऑफ के लिए दावेदारी पक्की करना चाहते थे। पंजाब की टीम अब अंक तालिका में चौथे जबकि कोलकाता 7 के साथ सातवें स्थान पर ही बनी हुई है। पंजाब की ओर से इस मैच में प्रियांश और प्रभसिमरन ने अच्छी शुरुआत कर 8 ओवर में 71 रन बनाये। इस सत्र में ऐसा पहली बार हुआ है जब पंजाब ने पावरप्ले में विकेट नहीं खोया है। प्रियांश

ने इस दौरान 150 से ज्यादा की स्ट्राइक रेट से रन बनाये। प्रियांश ने 27 गेंदों पर ही पचास रन बना लिए। वहीं प्रभसिमरन ने भी अपने 1000 रन पूरे किये। प्रियांश ने 35 गेंदों पर 8 चौके और 4 छक्कों की मदद से 69 रन बनाए। वहीं प्रभसिमरन ने 38 गेंदों पर अर्धशतक लगाया। प्रभसिमरन ने 6 चौके और 6 छक्कों की मदद से 83 रन बनाए। मैक्सवेल इस मैच में वरुण चक्रवर्ती की गेंद पर 7 रन बनाकर आऊट हो गए। मार्को येन्सन 3 ही रन बना पाए।

पूर्व तेज गेंदबाज बोला, इस कारण असफल हो रहे वेंकटेश अय्यर

मुम्बई। आईपीएल के इस सत्र में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के बल्लेबाज वेंकटेश अय्यर इस सत्र में असफल रहे हैं जबकि उन्हें फ्रैंचाईजी ने नीलामी में 23.75 करोड़ रुपये की मोटी रकम देकर खरीदा था। वह टीम के उपकप्तान होने के बाद भी 8 मैचों में केवल 135 रन ही बना पाये हैं। इस दौरान उनका औसत 22.5 का है और स्ट्राइक रेट 140 रहा है। वहीं पूर्व क्रिकेटर आरपी सिंह ने कहा है कि नीलामी में मिली अधिक मोटी रकम से उनके ऊपर अपने को साबित करने का दबाव है। इसी कारण हो रहे तनाव से वह अब तक असफल रहे हैं। इस पूर्व गेंदबाज के अनुसार वेंकटेश अपनी बल पर टीम को जीत दिलाना चाहते हैं। सिंह ने कहा, जब किसी खिलाड़ी को नीलामी में इतनी बड़ी कीमत पर चुना जाता है, तो कहीं न कहीं आपके दिमाग में यह बात आती है कि वह या तो आपका मुख्य खिलाड़ी है या फिर कप्तानी के लिए उपयुक्त खिलाड़ी पर यहां तो वह दोनों में से कोई भी नहीं निकला। इसलिए मुझे लगता है कि नीलामी के दौरान और चयन के दौरान केकेआर की ओर से भी कुछ गलती हुई है। उन्होंने आगे कहा, आपने अपने सबसे बेहतरीन कप्तान को जाने दिया और अब वह दूसरी टीम की कप्तानी में अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। इसलिए मुझे नहीं लगता कि इस खिलाड़ी को अभी बाहर करना एक बढ़िया विकल्प है, क्योंकि आपने उसे पहले ही कई मैच दे दिए हैं। फॉर्म की समस्या किसी भी खिलाड़ी के साथ हो सकती है पर आमतौर पर, आप जितने ज़्यादा मैच खेलते हैं, आपकी फॉर्म उतनी ही बेहतर होता जाता है। उसे बाहर करना वास्तव में समस्या का कोई समाधान नहीं है। इस पूर्व तेज गेंदबाज ने कहा, हो सकता है कि जिस रकम में उसे खरीदा गया है, वह उसके दिमाग में चल रही हो।

रैना ने धोनी का बचाव किया, जडेजा पर निशाना साधा

मुम्बई। चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना ने आईपीएल के इस सत्र में चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के खराब प्रदर्शन को लेकर कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी का बचाव किया है। रैना ने कहा है कि नीलामी में सही खिलाड़ी नहीं

लिए गये हैं और ऐसे में दोषी टीम प्रबंधन है। रैना के अनुसार नीलामी में धोनी की कोई भूमिका नहीं थी। रैना ने हालांकि ऑलराउंडर रविन्द्र जडेजा की ओर निशाना साधा है। रैना ने कहा, 'धोनी 43 साल की उम्र में भी विकेट कीपिंग कर रहे और कप्तानी कर रहे। वे टीम के ब्रॉन्ड के लिए खेल रहे। वे पूरी टीम का भार उठाये हुए हैं पर वे खिलाड़ी क्या कर रहे हैं जो 18 करोड़, 17 करोड़ या 12 करोड़ में खरीदे गए। वे कप्तान की योजना के हिसाब से नहीं खेल रहे।' जडेजा सीएसके के सबसे महंगे खिलाड़ी हैं। उन्हें 18 करोड़ रुपए मे रीटेन किया गया है। सीएसके के कोच स्टीफन फ्लेमिंग भी मान रहे हैं कि नीलामी में गलती हुई है। उन्होंने हार के बाद कहा, 'यह आसान नहीं है। इसकी जिम्मेदारी शीर्ष पर बैठे लोगों की ज्यादा है। इसके बाद खिलाड़ियों की है।'

फ्लेमिंग ने माना नीलामी में हुई गलती

चेन्नई। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के कोच स्टीफन फ्लेमिंग आईपीएल सत्र में टीम के खराब प्रदर्शन से बेहद निराश हैं। फ्लेमिंग ने माना है कि टीम प्रबंधन से मेगा नीलामी में गलतियां हुई जिसके कारण सही टीम नहीं बन पायी है। सीएसके इस सत्र में नौ मैच में से सात में हारी है। फ्लेमिंग ने कहा, "यह कहना मुश्किल है। हमने जो प्रदर्शन किया है, उसमें हमने इसे पूरी तरह से सही पाया है। इसलिए हम अपनी खेल शैली पर फिर से विचार नहीं कर रहे हैं। साथ ही यह भी देख रहे हैं कि खेल कैसे विकसित हो रहा है और इससे तालमेल कैस बनाया जाये। उन्होंने कहा, "यही वजह है कि हमें अपने रिकॉर्ड पर गर्व है क्योंकि हम लंबे समय तक अपने प्रदर्शन में निरंतरता बनाए रखने में सफल रहे। साथ ही कहा कि दूसरी राह पकड़ने में ज्यादा समय नहीं लगता।" फ्लेमिंग ने स्वीकार किया कि उनकी टीम से कुछ गलतियां हुई हैं जिसका संबंध नीलामी से भी जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा, "अन्य टीम हमसे बेहतर होती गई और यहीं पर नीलामी की गलती सामने आता है। हम इसको सही नहीं कर पाए इसलिए आपको हर चीज के लिए जिम्मेदारी लेनी होगी। नीलामी कोई आसान काम नहीं है जो मानसिक और शारीरिक रूप से थका देने वाला होता है हालाकं मेरा मानना है कि हमने अच्छी टीम का चयन किया था।"

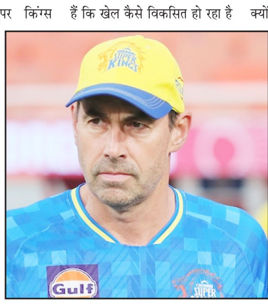

गोयनका खिलाड़ियों को फैसले लेने में आजादी देते हैं-पूरन

लखनऊ। लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के बल्लेबाज निकोलस पूरन ने फ्रैंचाइजी मालिक संजीव गोयनका का बचाव करते हुए कहा है कि वह खिलाड़ियों को फैसले लेन में आजादी देते हैं। गोयनका टीम की रणनीतियों में शामिल रहते हैं और माना जाता है कि उनका रवैया खिलाड़ियों की ओर सख्त रहता है। पिछले सत्र में कप्तान रहे केएल राहुल के साथ हुई उनकी बहस के बाद खास विवाद भी उठा था। राहुल को इसके बाद रिटेन नहीं किया गया था। इस बार भी वह टीम की हार के बाद कप्तान ऋषभ पंत के साथ हुई बातचीन के लिए निशाने पर रहे हैं। उन पर खेल के मामलों में बिना कारण हस्तक्षेप के आरोप लगते रहे हैं। पूरन ने गोयनका के कामकाज की प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह खिलाड़ियों का पूरा समर्थन करते हैं और उन्हें खेल के आधार पर फैसले लेने की आजादी देते हैं। पूरन ने बताया कि फ्रेंचाइजी ने खिलाड़ियों को कई अवसर प्रदान किए हैं, जिसका प्रभाव पूरी टीम के प्रदर्शन पर नजर आया है। उन्होंने कहा कि इससे खिलाड़ियों को आगे बढ़ने का अवसर मिला है। पूरन ने उम्मीद जताई कि इससे अब आने वाले मैचों में टीम बढ़े हुए मनोबल से उतरेगी। पूरन इस सत्र में जबरदस्त फॉर्म में हैं। इस कैरेबियाई बल्लेबाज ने 9 मैचों में 47.13 की औसत और 204.89 की प्रभावशाली स्ट्राइक रेट से 377 रन बनाए हैं और वह ऑरेंज कैच की दौड़ में बने हुए हैं।

वाटर स्ट्राइक का असर...एक का पानी छोड़ा, दूसरी नदी का रोका

झेलम में आई बाढ़... चिनाब में सूखा

नई दिल्ली। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत द्वारा उठाए गए कदमों का अब पाकिस्तान में असर दिखने लगा है। भारत की ओर से बह रही झेलम नदी का पानी छोडने् पर पाकिस्तान में बाढ़ आ गई। पाक के मुजफ्फराबाद जिले के आसपास जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। बेकाबू हालत देखते हुए यहां इमरजेंसी लगा दी गई है, जबकि नदी किनारे रहने वाले लोगों में दहशत है। भारत के अनंतनाग से होकर पाकिस्तान के चखोटी इलाके में पानी तेजी से बह रहा है। पाकिस्तान ने इस बाढ़ के लिए भारत को जिम्मेदार ठहराया और कहा कि पाकिस्तान को बिना सूचित किए ही झेलम नदी का पानी छोड़ दिया, जिससे बाढ़ जैसे हालात बन गए। वहीं भारत द्वारा चिनाब नदी का पानी रोके जाने से पाकिस्तान में बहने वाली चिनाब नदी का जल स्तर तेजी से घट रहा है। यह नदी लगभग सूख सी गई है। चिनाब ऐसी नदी है जो कश्मीर से बहकर पाकिस्तान की ओर जाती है और इससे पाकिस्तान को पानी मिलता है।

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनातनी

चल रही है। भारत की तरफ से नदियों के पानी को रोकने का ऐलान किया गया था। अब पाकिस्तानी मीडिया में दावा किया गया है कि भारत ने अचानक झेलम नदी में पानी छोड़ दिया। भारत द्वारा पीओके में झेलम का पानी भरने के बाद पाकिस्तान ने मुजफ्फराबाद में आपातकाल घोषित कर दिया है। रिपोर्ट में भारत पर आरोप लगाया गया है कि भारत ने पाकिस्तानी अधिकारियों को खबर दिए बिना अचानक झेलम नदी में पानी छोड़ दिया। पाकिस्तानी मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, पानी छोडने् की वजह से मुजफ्फराबाद के पास जल स्तर में तेज बढ़ोतरी दर्ज की गई। स्थानीय प्रशासन ने इसके जवाब में हट्टियन बाला में जल आपातकाल लगा दिया है। मस्जिदों में ऐलान करते हुए स्थानीय लोगों को चेतावनी भी दी गई। पानी उत्तरी कश्मीर के बारामुल्ला जिले से घुसा और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर के चकोठी इलाके से होकर ऊपर उठा। यह तब हुआ जब भारत ने सिंधु जल संधि को निलंबित कर दिया।

पुतिन ने जताई युद्ध की आशंका... रूस में अलर्ट

पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद रूसी राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन ने सबसे पहले हमले की कड़ी निंदा करते हुए कहा था कि भारत पाकिस्तान के खिलाफ जो भी कार्रवाई करेगा हम उसके साथ हैं। इस बीच पुतिन ने कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध की आशंका गहरा गई है। युद्ध हुआ तो पाकिस्तान को इसका खामियाजा भुगतना होगा। उन्होंने युद्ध की आशंका के चलते अपने देश में अलर्ट घोषित कर दिया है।

भारत में भी बंकरों की होने लगी सफाई

आतंकी हमले के बाद पूरा देश अलर्ट मोड पर है। जम्मू-कश्मीर के सीमावर्ती इलाकों में रहने वाले ग्रामीणों ने पुराने बंकरों की सफाई शुरू कर दी है। उनमें युद्ध को लेकर दहशत है। कुछ लोग यहां से पलायन भी करने लगे हैं। वहीं नौसेना ने आज लांग टर्म मिसाइल का सफल परीक्षण करते हुए कहा कि हमारी सेना युद्ध के लिए तैयार है, हम आदेश का इंतजार कर रहे हैं और इस बार पाकिस्तान को कड़ा सबक सिखाया जाएगा।

पाकिस्तान सीजफायर तोड़ने से नहीं आ रहा बाज- एलओसी पर तीसरे दिन भी हुई गोलीबारी

नई दिल्ली। पाकिस्तान की सेना ने एक बार फिर सीजफायर का उल्लंघन करते हुए जम्मू-कश्मीर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर बिना उकसावे के गोलीबारी की। शनिवार देर रात टुटमारी गली और रामपुर सेक्टर में पाकिस्तान की ओर से छोटे हथियारों से फायरिंग की गई, जिसका भारतीय सेना ने मुंहतोड़ जवाब दिया। लगातार तीसरे दिन संघर्षविराम का उल्लंघन किया गया है। रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता ने बताया कि 26-27 अप्रैल की दरमियानी रात को पाकिस्तान ने कई चौकियों से गोलीबारी की। भारतीय सैनिकों ने प्रभावी ढंग से जवाब देते हुए स्थिति को नियंत्रण में रखा। हाल के दिनों में पाकिस्तान द्वारा 24 अप्रैल को भी इसी तरह की फायरिंग की गई थी। हालांकि, इन घटनाओं में अब तक किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है। यहां बताते चलें कि ये घटनाएं ऐसे समय में हो रही हैं जबकि घाटी में पहले से ही तनाव का माहौल है। 22 अप्रैल को पहलगाम की बैसरन घाटी में हुए आतंकी हमले में लश्कर-ए-तैयबा के आतंकियों ने 26 निर्दोष नागरिकों की नृशंस हत्या कर दी थी, जिससे पूरे देश में आक्रोश फैल गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस हमले की कड़ी निंदा करते हुए कहा है कि आतंकवादियों, उनके मददगारों और समर्थकों को दुनिया के किसी भी कोने में ढूंढ़कर सजा दी जाएगी। वहीं, जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने श्रीनगर में सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी के साथ सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की और आतंकियों के खिलाफ हरसंभव बल के प्रयोग का निर्देश दिया।

अटारी बॉर्डर का मंजर- मां के पास भारतीय तो बेटी के पास है पाकिस्तान का पासपोर्ट

नई दिल्ली। अटारी बॉर्डर पर एक ऐसी मां और बेटी की कहानी सामने आई, जिसने वहां मौजूद लोगों की आंखें नम कर दीं। यह मां के पास तो तो इंडियन पासपोर्ट है, जबकि उनकी बेटी के पास पाकिस्तानी पासपोर्ट ऐसे में भारत सरकार के फरमान के बाद इन महिलाओं को अपनों से अलग होने का डर सता रहा है। बेटी ने रोते हुए कहा, 'मां के बिना हम बच्चे भी नहीं जाएंगे। अगर जाना है, तो मां के साथ, वरना यहीं रहेंगे।

पाकिस्तानी नागरिकों को वापस भेजने की भारत सरकार की डेडलाइन का आज आखिरी दिन है। इस वजह से देश के अलग-अलग राज्यों से बड़ी संख्या में पाकिस्तानी नागरिक अटारी बॉर्डर पहुंच रहे हैं। भारत-पाकिस्तान के बीच बढ़े तनाव के बीच अटारी-वाघा बॉर्डर पर भावुक कर देने वाली कई तस्वीरें भी देखने को मिलीं। पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले में 26 लोग मारे गए। इसके बाद भारत सरकार ने पाकिस्तानी नागरिकों को जारी वीजा रद्द कर दिए। विदेश मंत्रालय ने 23 अप्रैल को घोषणा की कि सभी पाकिस्तानी नागरिकों को 27 अप्रैल तक भारत छोड़ना होगा। इस फैसले के बाद अटारी बॉर्डर पर सैकड़ों पाकिस्तानी नागरिक अपने परिवारों के साथ वापस लौटने के लिए जुट गए, लेकिन कई परिवारों को दस्तावेजों और नागरिकता के मुद्दों के कारण रोका गया।

इन्हीं में से एक थी शनीजा खान (बदला हुआ नाम), जो राजस्थान के जोधपुर की रहने वाली हैं और जिनकी शादी 10 साल पहले पाकिस्तान के कराची में हुई थी। शनीजा के पास भारतीय पासपोर्ट है, लेकिन उनकी 8 साल की बेटी और 6 साल के बेटे के पास पाकिस्तानी पासपोर्ट हैं। शनीजा अपनी बीमार मां से मिलने दिल्ली आई थीं, लेकिन पहलगाम हमले के बाद उन्हें और उनके बच्चों को तुरंत पाकिस्तान लौटने का आदेश मिला। अटारी बॉर्डर पर शनीजा अपनी बेटी और बेटे के साथ पाकिस्तान लौटने के लिए पहुंचीं। हालांकि अधिकारियों ने उन्हें रोक दिया, क्योंकि शनीजा का भारतीय पासपोर्ट होने के कारण उन्हें पाकिस्तान जाने की अनुमति नहीं दी गई।

बालकोट एयरस्ट्राइक से सीखा भारत, इस कमी को पूरा कर हुआ और भी घातक

6 साल के अंदर बदल दी पूरी रणनीति

नई दिल्ली। करीब छह साल पहले 2019 में पुलवामा हमले के बाद भारत ने बालाकोट में आतंकवादियों के कैंपों पर बम बरसाए थे। भारत की ओर से किए गए हवाई हमले में बड़ी संख्या में आतंकवादियों के मारे जाने की बात कही गई थी। लेकिन, ऑपरेशन बालाकोट में भारत को एक दिक्कत हुई थी। पाकिस्तानी लड़ाकू विमान का पीछा करते हुए भारत के पायलट उसके हवाई क्षेत्र में घुस गए थे और पाकिस्तान ने उनके विमान पर हमला किया था। इस कारण फाइटर जेट के कैप्टन अभिनंदन को इजेक्ट होना पड़ा था। पाकिस्तान की सेना ने उन्हें कैद कर लिया। हालांकि बाद में उन्हें भारत को लौटा दिया। हालांकि घटना से भारत ने एक सबक सीखा। भारत को वैसे हथियारों की कमी महसूस हुई जिससे वहां बिना एलओसी या अंतरराष्ट्रीय सीमा पार किए पाकिस्तान के भीतर तक सटीक वार किए जा सके। बीते इन छह सालों में भारत ने कमी को बखूबी समाधान निकाल लिया है। भारत ने अब इसतरह हथियार न केवल बना लिए हैं, बल्कि उन हथियारों को सुखोई-30 और राफेल जैसे फाइटर जेट्स में लगा भी दिया गया है। इससे भारत के फाइटर जेट्स बिना सीमा पार किए या पाकिस्तान के हवाई क्षेत्र में घुसे बिना उसके घर में गंभीर हमले कर सकते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक बीते छह साल में भारत में एक से बढ़कर हवा से सतह पर मार करने वाली मिसाइलें बनाई हैं। मिसाइलों का रेंज 500 किमी और 5 क्विंटल तक के बम ले जाने की है। ये बेहद आधुनिक टेक्नोलॉजी पर आधारित हैं और ये 100 फीसदी तक सटीक वार करने की क्षमता रखते हैं। बीते कुछ सालों में भारत ने रूद्रम-सेंकड, रॉक्स, स्काल्प और ब्रह्मोस-ए जैसे बेहद खतरनाक मिसाइलें हैं। इनकी रेंज 250 से 800 किमी की है। इनकी खासियत यह है कि इन्हें भारतीय क्षेत्र या सीमा के पास से लांच किया जा सकता है। यह रणनीति फाइटर जेट्स और एयरफोर्स के जवानों-अधिकारियों को होने वाले नुकसान को भी कम करती है। इस मिसाइल को डीआरडीओ ने तैयार किया है। यह एक सुपरसोनिक मिसाइल है। इस दुश्मन के रडार, संचार केंद्रों और बंकरों को नष्ट करने के लिए डिजाइन किया गया है। इसकी मारक क्षमता 300 किमी है। इसकी स्पीड 5.5 मैक यानी 6,737 किमी है। भारत का सुखोई-30 एमकेआई फाइटर जेट इन मिसाइलों से लैस है। यानी भारतीय सीमा में रहते हुए ये मिसाइलें बहावलपुर में मौजूद आतंकवादी ठिकानों पर दागी जा सकती है। रॉक्स इजरायल द्वारा विकसित एक बैलेस्टिक मिसाइल है। इसकी रेंज 250 किमी है। इसतरह स्काल्प है। ये मिसाइलें राफेल में लगाई गई हैं। ये मिसाइलें बेहद अंदर तक जाकर हमले करने में सक्षम हैं। इन दोनों मिसाइलों से बेहद सटीक और सेकेंडों में वार किए जा सकते हैं। इतना ही नहीं भारत और रूस ने मिलकर ये मिसाइल बनाई है। यह एक सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल है। यह 400 से 800 किमी की रेंज तक मार कर सकती है।

इलेक्ट्रॉनिक्स कंपोनेंट मैन्युफैक्चरिंग स्कीम के लिए पोर्टल लांच

नई दिल्ली। केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इलेक्ट्रॉनिक्स कंपोनेंट मैन्युफैक्चरिंग स्कीम (ईसीएमएस) के दिशा-निर्देश और पोर्टल लांच किए। इस योजना के लिए कुल बजट 22,919 करोड़ रुपये रखा गया है और इसका कार्यकाल 6 सालों का होगा (वित्त वर्ष 2025-26 से 2031-32 तक), जिसमें एक वर्ष का गेस्टेशन पीरियड भी शामिल है। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी मंत्रालय की ओर से बताया गया कि इस योजना का मकसद देश में इलेक्ट्रॉनिक्स कंपोनेंट्स के निर्माण को बढ़ावा देना, बड़े पैमाने पर निवेश आकर्षित करना और भारतीय कंपनियों को वैश्विक वैल्यू चेन से जोड़ना है। इस मौके पर मंत्री वैष्णव ने इलेक्ट्रॉनिक्स इंडस्ट्री को मजबूत करने के लिए सरकार की रणनीति को चरणबद्ध तरीके से समझाया। उन्होंने कहा कि सबसे पहले भारत ने तैयार उत्पादों की असेंबली पर ध्यान केंद्रित किया ताकि बड़े पैमाने पर उत्पादन का आत्मविश्वास मिल सके। इसके बाद मॉड्यूल निर्माण, कंपोनेंट निर्माण और अब मटीरियल प्रोडक्शन की दिशा में प्रगति की गई है। वैष्णव ने बताया, 卐फिनिश्ड गुड्स के वैल्यू चेन में 80 से 85 प्रतिशत योगदान होता है। इस क्षेत्र में भारत ने अब तक 'अद्भुत' स्केल हासिल किया है। देश में इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र ने बीते एक दशक में उल्लेखनीय प्रगति की है। केंद्रीय मंत्री वैष्णव ने बताया कि इस दौरान इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन पांच गुना बढ़ा है, जबकि निर्यात में छह गुना से ज्यादा का इजाफा हुआ है। उन्होंने कहा कि निर्यात का चक्रवृद्धि वार्षिक विकास दर (सीएजीआर) 20 प्रतिशत से अधिक रही है, वहीं उत्पादन का सीएजीआर 17 प्रतिशत से ज्यादा रहा है। मंत्री वैष्णव ने कहा कि मोबाइल फोन, सर्वर, लैपटॉप और आईटी हार्डवेयर जैसे बड़े सेगमेंट्स ने जबरदस्त रफ्तार दिखी है, जिससे भारत को भविष्य में और बड़ी सफलता हासिल करने की मजबूत स्थिति में पहुंच गया है। केंद्रीय मंत्री वैष्णव ने कहा कि इलेक्ट्रॉनिक्स कॉम्पोनेंट्स एंड सिस्टम्स (ईसीएमएस) योजना सिर्फ इलेक्ट्रॉनिक्स इंडस्ट्री तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि औद्योगिक, पावर और ऑटोमोटिव सेक्टर्स को भी मजबूती देगी। उन्होंने बताया कि भारत में इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग का एक मजबूत इकोसिस्टम अब तेजी से तैयार हो रहा है। वैष्णव ने इनोवेशन और क्वालिटी पर जोर देकर कंपनियों से अपनी खुद की डिजाइन क्षमताएं विकसित करने और सिक्स सिग्मा स्तर तक गुणवत्ता सुनिश्चित करने की अपील की। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जो कंपनियां तय गुणवत्ता मानकों पर खरी नहीं उतरेंगी, उन्हें योजना से बाहर कर दिया जाएगा। सरकार का लक्ष्य भारतीय मैन्युफैक्चरिंग को वैश्विक स्तर पर गुणवत्ता और मात्रा दोनों में प्रतिस्पर्धी बनाना है। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि भारत अब डेटा-आधारित तकनीकों और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के क्षेत्र में भी अग्रणी भूमिका निभा रहा है।

तिहरे हत्याकांड के पीड़ित परिजनों से तेजस्वी यादव ने मुलाकात की

पटना। भोजपुर स्थित लहरपा तिहरे हत्याकांड के पीडि़ति परिजनों से नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने मुलाकात की है। तेजस्वी ने मृतक के परिजनों को एक-एक लाख रुपये और घायलों को 50 हजार रुपये का आर्थिक सहायता दी। उन्होंने ने राज्य में लगातार बढ़ते क्राइम और बिगड़ती कानून-व्यवस्था पर भी सवाल खड़ा किया। तेजस्वी ने एनडीए के नेतृत्व वाली नीतीश सरकार को चेतावनी देकर कहा, अगर 10 दिनों के अंदर हत्याकांड के मुख्य सरगना और बीजेपी नेता बब्लू सिंह मुखिया को पुलिस गिरफ्तार नहीं करती है। तब हमारी पार्टी और महागठबंधन के तमाम नेता बड़ा आंदोलन करने वाले है। तेजस्वी ने कहा कि सत्ता में बैठे लोग ही अपराधियों को संरक्षण दे रहे हैं। आरा की घटना में शामिल आरोपी बब्लू सिंह बीजेपी का ही नेता हैं, बब्लू सिंह को बिहार के उपमुख्यमंत्री सहित कई मंत्रियों का समर्थन भी मिल रहा है।उन्होंने बिहार की कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाकर कहा कि बिहार में लगातार अपराधी तांडव कर रहे हैं। राज्य में कानून-व्यवस्था पूरी तरह से चौपट है। बता दें कि 20 अप्रैल को लहरपा गांव में एक शादी समारोह के दौरान दूल्हे की गाड़ी से साइड लेने और पुरानी रंजिश के चलते कहासुनी हुई। इसके बाद एक पक्ष के लोगों ने दूसरे पक्ष पर फायरिंग कर दी। फायरिंग में 7 लोगों की गोली लगी थी, जिसमें से 3 लोगों की मौत हो गई थी और 4 लोग बुरी तरह से घायल हो गए थे। जिनका इलाज अस्पताल में अभी भी चल रहा है।

पाकिस्तान के कब्जे में बीएसएफ का जवान, गर्भवती पत्नी छुड़ाने चल पड़ी बार्डर की तरफ

कोलकाता। गलती से पाकिस्तान की सीमा में कदम रखने बीएसएफ के भारतीय जवान को पाकिस्तानी रेंजर्स ने पकड़ लिया है। तीन दिन बीत चुके हैं लेकिन पाकिस्तान उसे छोड़ने को तैयार नहीं है। जबकि बीएसएफ अधिकारियों के कई दौर की बैठक हो चुकी है। बीएसएफ जवान का नाम पूर्णम कुमार शॉ है, अब पूर्णम की गर्भवती पत्नी रजनी शॉ अपने पति को छुड़वाने के लिए एलओसी के सफर पर निकल पड़ी हैं। रजनी तीन महीने की गर्भवती हैं। वह रविवार रात अमृतसर मेल के जरिये पश्चिम बंगाल के हुगली से कश्मीर के करीब 2000 किलोमीटर लंबी यात्रा पर रवाना हो गईं। वह पठानकोट स्थित बीएसएफ बेस जाएंगी, जहां उन्हें अपने पति के बारे में कुछ सूचना मिलने की उम्मीद है। उनके साथ इस सफर पर उनके पांच रिश्तेदार भी हैं। रजनी ने कहा, 'हां, मैं गर्भवती हूं, लेकिन मेरी प्राथमिकता अपने पति के बारे में जानकारी हासिल करना है। कई दिन बीत चुके हैं, और अब तक उनके रेस्क्यू का कोई संकेत नहीं मिला है। मुझे नहीं पता कि पाकिस्तान में उन्हें खाना-पानी मिल रहा है या नहीं। रजनी ने बताया कि उनके सास-ससुर भी साथ जाना चाहते थे, लेकिन उनकी खराब सेहत को देखते हुए उन्हें घर पर ही रहने को कहा गया। उन्होंने कहा, मैं जानती हूं कि पठानकोट जाकर भी हो सकता है कि सारी जानकारी न मिले, लेकिन कम से कम मैं अपनी ओर से पूरी कोशिश करना चाहती हूं। बीएसएफ अधिकारी फ्लैग मीटिंग्स की बातें कर रहे हैं, लेकिन मुझे सटीक जानकारी नहीं दे रहे हैं। वह कहती हैं, अगर बीएसएफ ऑफिस से भी मुझे कोई पुख्ता जानकारी नहीं मिली, तो मैं दिल्ली जाऊंगी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यालय जाकर अपने पति को वापस लाने की अपील करूंगी।पूर्णम को छुड़ाने के लिए बीएसएफ और पाकिस्तान रेंजर्स के बीच अब तक तीन फ्लैग मीटिंग हो चुकी हैं, लेकिन अब तक उनकी रिहाई को लेकर कोई स्पष्टता नहीं है। उधर सरेमपुर से तृणमूल कांग्रेस के सांसद कल्याण बनर्जी ने भी इस मुद्दे पर बीएसएफ के डीजी दलजीत चौधरी से बातचीत की। उन्होंने शनिवार को सोशल मीडिया पर जानकारी साझा करते हुए कहा, 'डीजी ने आश्वासन दिया है कि सरकार की सभी एजेंसियां शॉ की सुरक्षित वापसी के लिए प्रयासरत हैं और पाकिस्तान समय तो ले रहा है, लेकिन उम्मीद है कि वे जल्द उन्हें सौंप देंगे।

एनआरआई उद्योगपति को जयपुर एयरपोर्ट पर किया गया परेशान

कस्टम विभाग ने 4 अफसरों पर एक्शन लिया

जयपुर। राजस्थान की राजधानी जयपुर में एयरपोर्ट पर एनआरआई उद्योगपति वासु श्रॉफ (85) की 35 लाख की घ ?ी उतरवाने वाले मामले में 4 अफसरों पर एक्शन हुआ है। कस्टम विभाग ने जयपुर एयरपोर्ट पर कार्यरत सहायक आयुक्त (असिस्टेंट कमिश्नर) राजीव कुमार सिंह, प्रेमराज मीना, शंकर रमन बीपी और आर के मीणा का जयपुर से ट्रांसफर किया है।

बिजनेसमैन श्रॉफ के पूरे मामले पर नाराजगी जाहिर करने के बाद केंद्र के अधिकारी भी सक्रिय हुए थे। उन्होंने पूरे मामले पर संज्ञान लिया। सूत्रों के अनुसार कस्टम विभाग ने वासु के साथ हुई बदसलूकी के मामले में जयपुर से चारों अधिकारियों का ट्रांसफर किया है। कस्टम आयुक्त ने कुल 16 सहायक आयुक्त और उपायुक्तों के ट्रांसफर कर दिए हैं। दरअसल, रीगल ग्रुप के चेयरमैन वासु श्रॉफ को जयपुर एयरपोर्ट पर करीब 5 घंटे तक जांच के नाम पर व्हीलचेयर पर बैठाकर रखा था। उन्हें टॉयलेट तक नहीं जाने दिया था।

उधर कस्टम विभाग के दोषी अधिकारियों पर हुई कार्रवाई को लेकर कारोबारी श्रॉफ ने संतुष्टि जाहिर की है। उन्होंने कहा कि यह कदम स्वागत योग्य है। यह सिर्फ एक छोटी सी पहल है, जिसे आगे बरकरार रखना होगा।

जयपुर एयरपोर्ट पर लंबे समय से कार्यरत सहायक आयुक्त राजेश कुमार सिंह का कोटा और भीलवाड़ा आईसीडी (इनलैंड कंटेनर डिपार्टमेंट), प्रेमराज मीना का आईसीडी धानक्या (जयपुर), शंकर रमन बीपी का जयपुर जेम स्टोन एक्सचेंज और आर के मीणा का आईसीडी खाटूवास (अलवर) और भिवाड़ी ट्रांसफर कर दिया है। इनके साथ ही 12 अन्य अधिकारियों के भी ट्रांसफर किए गए हैं।

बिजनेसमैन के वकील ने बताया कि मूल रूप से भारत के रहने वाले उद्योगपति को बेवजह जयपुर एयरपोर्ट पर परेशान किया गया था। जयपुर से दुबई लौटने के दौरान भी उन्हें घ ?ी नहीं लौटाई गई थी। इसके बाद मैंने व्यक्तिगत तौर पर जयपुर पहुंच 19 अप्रैल को घड़ी वापस ली और उन्हें दुबई जाकर लौटाई थी।

मौसम विभाग ने अगले तीन दिनों तक देश के विभिन्न हिस्सों में बारिश, हीटवेव को लेकर अलर्ट दिया

नई दिल्ली। भारतीय मौसम विभाग ने 28 अप्रैल को नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा, सिक्किम, केरल, कर्नाटक और बंगाल में भारी बारिश की चेतावनी दी है। ओडिशा और छत्तीसगढ़ में ओले गिर सकते हैं। पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, मध्यप्रदेश में हीटवेव को लेकर अलर्ट दिया गया है। राजस्थान में लगातार दूसरे दिन के साथ-साथ रात के तापमान में बढ़ोतरी होगी। 29 अप्रैल को केरल, कर्नाटक, ओडिशा, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा में भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली और राजस्थान में हीटवेव का अलर्ट है। 30 अप्रैल को पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, राजस्थान, मध्यप्रदेश में हीटवेव का अलर्ट है, जबकि यूपी, बिहार, झारखंड, गुजरात, छत्तीसगढ़ में तेज गर्मी पड़ेगी। ओडिशा, केरल में भारी बारिश हो सकती है। जबकि कर्नाटक, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में आंधी, बारिश और बिजली गिरने के आसार हैं।

सीएम नीतीश की बुलेटप्रूफ कार- एके 47 की फायरिंग और बम ब्लास्ट का भी नहीं होगा असर

पटना। बिहार सरकार ने राज्य के वीआईपी नेताओं की सुरक्षा के लिए को मजबूत करने के लिए नई बुलेट प्रूफ गाड़ियां खरीदने का फैसला किया है। इस योजना पर 15.99 करोड रुपए खर्च किए जाएंगे। गृह विभाग ने इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है और अब इसे कार्यान्वित करने की जिम्मेदारी परिवहन विभाग को सौंपी गई है। इस सुरक्षा कवच के दायरे में सिर्फ बिहार के वर्तमान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ही नहीं हैं, बल्कि इन बुलेटप्रूफ सुरक्षा कवच वाली गाड़ियों का उपयोग उपमुख्यमंत्री, पुलिस विभाग के उच्च अधिकारियों के साथ-साथ बिहार के दौरे पर आने वाले राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री जैसे वीवीआईपी गेस्ट के लिए भी किया जाएगा।साफ है कि राज्य सरकार सुरक्षा व्यवस्था को लेकर अत्यधिक गंभीर दिख रही है।

एआर रहमान पर शिव स्तुति धुन चुराने का आरोप, भरना होगा 2 करोड़ का जुर्माना

नई दिल्ली। मशहूर म्यूजिक डायरेक्टर एआर रहमान पर शिव स्तुति धुन चुराने का आरोप लगा है। इस मामले में रहमान को दो करोड़ का जुर्माना भरना पड़ सकता है। दिल्ली हाईकोर्ट ने धुन कॉपी के आरोप में उनके और फिल्म प्रोडक्शन कंपनी मद्रास टॉकीज पर दो करोड़ रुपये का जुर्माना ठोका है। मामला ऐश्वर्या राय बच्चन की फिल्म पोन्नियन सेलवन 2 के गाने वीरा राजा वीरा से जुड़ा है। कोर्ट ने रहमान को इस मामले में नोटिस भेज दिया है। पद्मश्री से सम्मानित उस्ताद फैयाजुद्दीन वसीफुद्दीन डागर ने दिल्ली हाई कोर्ट में याचिका दायर कर आरोप लगाया था कि वीरा राजा वीरा गाने की धुन उनके पिता नासिर फैयाजुद्दीन डागर और चाचा नासिर जाहिरुद्दीन डागर की कंपोज शिव स्तुति से कॉपी की गई है।उन्होंने दावा किया कि बेशक गाने के बोल अलग हैं, लेकिन इस गाने की लय और बीट्स शिव स्तुति से बिलकुल मिलती है और इसका श्रेय उनके परिवार को नहीं दिया गया है। कोर्ट ने सुनवाई के दौरान माना कि गाना शिव स्तुति की पूरी तरह नकल है। बस कुछ मामूली बदलाव किए गए हैं। रहमान और निर्माता कंपनी ने उनके काम को कोई श्रेय नहीं दिया। कोर्ट ने साफ कर दिया कि डागर के काम को बिना उचित श्रेय के इस्तेमाल करना कॉपीराइट उल्लंघन है। कोर्ट ने साफ किया कि हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत की मूल रचनाएं कॉपीराइट कानून के तहत संरक्षित हैं। अगर कोई रचना संगीतकार की अपनी है तो उसे पूर्ण कानूनी अधिकार मिलेगा। वहीं एआर रहमान ने इन आरोपों से इनकार किया है। उन्होंने तर्क दिया कि वीरा राजा वीरा गाना एक मौलिक रचना है। इसे पश्चिमी संगीत के मूल सिद्धांतों के इस्तेमाल से 227 अलग-अलग लेयर्स के साथ तैयार किया गया है, जो हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत की परंपराओं से काफी अलग है। कोर्ट ने रहमान के इन तर्कों को खारिज करते हुए यह फैसला सुनाया है। कोर्ट ने 2 करोड़ का जुर्माना लगाते हुए निर्देश दिया है कि गाने में साफतौर से लिखा जाए कि यह दिवंगत उस्ताद नासिर फैयाजुद्दीन डागर और उस्ताद नासिर जाहिरुद्दीन डागर की शिवा स्तुति पर आधारित रचना है। इसे सभी ओटीटी प्लेटफॉर्म्स और ऑनलाइन माध्यमों पर अपडेट किया जाए। यही नहीं, डागर परिवार को भी दो लाख रुपये का हर्जाना देना होगा।

मालगाड़ी की चपेट में आने से युवती की मौत, दो टुकड़ों में बटा शव

मोबाईल पर बात करते हुए ट्रेक पार करने के दौरान हुआ हादसा, मालगाड़ी की चपेट में आने से हुई दुर्गा बिसेन की मौत, हादसा या आत्महत्या मामले की जांच में जुटी पुलिस

बालाघाट (पदमेश न्यूज़)। रविवार की दोपहर नगर के भटेरा चौकी शिव मंदिर बूढ़ी परिसर स्थित रेलवे ट्रैक पर उस वक्त हंगामा मच गया, जब बालाघाट से कटंगी की ओर जा रही एक मालगाड़ी ट्रेन की चपेट में आने से एक 21 वर्षीय युवती की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक युवती का नाम थाना किरनापुर ग्राम पीपरटोला निवासी 21 वर्षीय दुर्गा उर्फ छुटकी पिता अंगराज बिसेन बताया गया है।जिसके शव की शिनाख्त होने पर परिजनों की उपस्थिति में कोतवाली पुलिस द्वारा आवश्यक कार्यवाही कर जिला अस्पताल में शव का पोस्टमार्टम कराकर अंतिम संस्कार के लिए शव उनके परिजनों के सुपुर्द किया है। हालांकि युवती की मौत कैसे हुई यहा हादसा है या फिर युवती ने आत्महत्या की है फिलहाल यहां स्पष्ट नहीं हो पाया है।पुलिस द्वारा आत्महत्या या फिर हादसा इन दोनों एंगल से इस पूरे मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

दो भागों में कटा मिला युवती का शव

बताया जा रहा है कि रविवार की दोपहर करीब 1 बजे युवती मोबाइल फोन पर किसी से बात करते हुए रेलवे ट्रैक पार कर रही थी। उसी समय वह बालाघाट से वारासिवनी कटंगी की ओर जा रही मालगाड़ी ट्रेन की चपेट में आ गई। जिससे युवती का शरीर दो हिस्सों में कट गया और मौके पर ही उसकी मौत हो गई।उधर मालगाड़ी की चपेट में आने से युवती की मौत होने की जानकारी मिलने पर रेलवे पुलिस और कोतवाली पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मामले की जांच पड़ताल की। जहां अधिकार क्षेत्र से बाहर का मामला होने के चलते रेलवे पुलिस आवश्यक कार्यवाही कर वापस लौट गई, तो वहीं कोतवाली पुलिस ने मृतक युवती के शव को रेलवे ट्रैक से बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए शव जिला अस्पताल पहुंचाया। जहां परिजनों की उपस्थिति में शव का पोस्टमार्टम कराकर अंतिम संस्कार के लिए शव उनके परिजनों के सुपुर्द किया गया है।

किराए के कमरे में रहकर युवती कर रही थी पढ़ाई

प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतक युवती छुटकी बिसेन पहले बूढ़ी शिव मंदिर के पास एक किराए के मकान में रहती थी। जो पिछले कुछ दिनों से भटेरा चौकी परिसर स्थित एक मकान में किराए पर रहकर नगर के एक गर्ल्स कॉलेज व आईटीआई की पढ़ाई भी करती थी।बताया कि युवती 25 अप्रैल को घर से पेपर है कहकर बालाघाट आई थी।जानकारी के मुताबिक युवती घटना के वक्त शिव मंदिर बूढ़ी रेलवे ट्रेक स्थित रेलवे विघुत खंभा नंबर 1045 के पास से मोबाईल पर किसी से बात करते हुए रेलवे लाइन पार कर रही थी। इसी दरमियान वह मालगाड़ी की चपेट में आ गई। जिसका शव दो भागों में कट गया और मौके पर ही उसकी मौत हो गई।

कोई कह रहा हादसा, तो कोई बता रहा आत्महत्या

उधर युवती के मालगाड़ी की चपेट में आने से स्थानीय लोगों में कुछ देर के लिए हड़कंप मच गया। लोग दौड़े दौड़े रेलवे ट्रैक पर पहुंचे लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी।जहा मालगाड़ी से कटने से युवती की मौके पर ही मौत हो चुकी थी ।इसके बाद से ही इस परिसर में तरह-तरह की चर्चाएं आम है कोई इसे हादसा बता रहा है तो कोई इसे आत्महत्या बता रहा है।

मामले की जांच में जुटी पुलिस

उधर मौका स्थल पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने पंचनामा बनाकर शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल पहुंचाया। जहां परिजनों के बयान दर्ज कर अन्य आवश्यक कार्यवाही पूरी की गई। इसके उपरांत जाफौ 174 के तहत मर्ग कायम कर शव का पोस्टमार्टम कराकर अंतिम संस्कार के लिए शव उनके परिजनों के सुपुर्द किया है। तो वही शव के पास से मिले मोबाइल फोन को जप्त कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

हादसा कैसे हुआ जानकारी नही है- विनोद

मामले को लेकर की गई चर्चा के दौरान मृतक युवती के भाई व बड़े पिता के लड़के विनोद कुमार बिसेन ने बताया कि मम्मी ने मोबाईल पर छुटकी के ट्रेन की चपेट में आ जाने से मौत होने की सूचना दी थी। जिसके बाद, जब मैं, यहां पहुंचा तो देखा कि बहन का शव दो टुकड़ो में बंटा था। यह हादसा कैसे हुआ इसकी जानकारी नही है।

मोबाइल फोन जप्त कर की जा रही जांच- रहांगडाले

वही मामले को लेकर की गई चर्चा के दौरान कोतवाली थाना एएसआई रामकिशोर राहंगडाले ने बताया कि सूचना के आधार पर पुलिस टीम घटनास्थल पहुंची तो पाया कि युवती का शव, दो टुकड़ो में रेलवे ट्रेक पर पड़ा था। युवती, कॉलेज में बीएससी की पढ़ाई के साथ ही आईटीआई भी कर रही थी। युवती का मोबाईल मिला है, मोबाईल फोन की तस्दीक और कॉल डिटेल के बाद ही पता चल पाएगा कि कैसे क्या हादसा हुआ है।इस पूरे मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

बालाघाट से तुमसर जा रही थी मालगाड़ी- चौधरी

वही दूरभाष पर की गई चर्चा के दौरान बालाघाट रेलवे स्टेशन प्रबंधक कृष्ण मोहन चौधरी ने बताया कि बालाघाट से मालगाड़ी तुमसर की ओर जा रही थी।जिसके चालक ने वारासिवनी में लिखित मेमो दिया है कि युवती इयर फोन लगाकर ट्रेक पार कर रही थी।जिसकी सूचना रेलवे और कोतवाली पुलिस को दी गई है। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले को जांच में लिया है।

जमीन बेचना है
प्रस्तावित लवादा-समानापुर-लामता फोरलेन मार्ग के समीप ग्राम रटेगांव कोसमी (खमरिया) में स्थित प.ह.नं. 34 खसरा नं. 45 तथा 46/1, 13 एकड़ सिंचित भूमि (भूमि पर कार द्वारा पहुंचा जा सकता है)
विक्रय करना है
संपर्क करें- 7879121671

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

खैरो टिकरा के जंगल में 17 वर्षीय लड़की ने फांसी लगाकर किया आत्महत्या

एकलव्य विद्यालय की कक्षा 11वीं की छात्रा थी शालिनी

बालाघाट(पदमेश न्यूज)। जिले के गढ़ी थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम खजरा के खैरो टिकरा के जंगल में पेड़ में एक लड़की ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतिका शालिनी पिता रमेश पन्द्रे 17 वर्ष ग्राम सिजोरा थाना गढ़ी निवासी है। जो मंडला जिले के सिंझोरा स्थित एकलव्य विद्यालय में कक्षा 11वीं की छात्रा थी। इस लड़की ने किस वजह से फांसी जाकर आत्महत्या की यह स्पष्ट नहीं हो पाया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम सिजोरा निवासी रमेश पन्द्रे जो खेती किसानी करते हैं जिसके परिवार में पत्नी इंदू पन्द्रे, लड़की शालिनी पन्द्रे के अलावा एक छोटा बेटा है। शालिनी पन्द्रे मंडला जिले के सिझोरा स्थित एकलव्य विद्यालय में कक्षा 11वीं की छात्रा थी और वह वहीं के छात्रावास में रहकर पढ़ाई करती थी। इस वर्ष शालिनी पन्द्रे ने कक्षा ग्यारहवीं की परीक्षा दी थी। इसी माह 18 अप्रैल को शालिनी को उसके पिता रमेश पन्द्रे ने सिंझोरा छात्रावास से अपने गांव सिजोरा रिश्तेदारी में शादी के कार्यक्रम में शामिल होने के लिए लाया था। तब से शालिनी पन्द्रे अपने गांव घर में ही थी ।23 अप्रैल को शालिनी पन्द्रे अपनी मां इंदु पन्द्रे और छोटा भाई के साथ घर में थी। पिता रमेश पन्द्रे आमगांव भारी रिश्तेदार के यहां शादी में शामिल होने के लिए चला गया था। 24 अप्रैल को सुबह 7:00 बजे शालिनी पन्द्रे घर में थी।उसका छोटा भाई मवेशी चराने के लिए ले गया था और मां इंदु पन्द्रे पैरा लाने के लिए खेत चली गई थी। शालिनी पन्द्रे ने अपनी मां को बताई थी कि मैं 8ः00 बजे की बस में स्कूल चले जाऊंगी।9 बजे करीब जब शालिनी की माँ इंदु पन्द्रे घर आई उस समय शालिनी ने घर में नहीं थी और दरवाजे की साकल लगी हुई थी। इंदु पन्द्रे समझी कि शालिनी बस से अपने स्कूल चली गई होगी। शाम 4ः00 बजे करीब ग्राम खजरा के छिंदीटोला समीप खेरोटिकरा के जंगल में पेड़ में एक लड़की को फांसी पर लटके हुए देखे गई। इस लड़की ने अपनी चुनरी पेड़ में बांधकर फांसी लगा ली थी और उसकी मौत हो चुकी थी। इस संबंध में ग्राम खजरा के सरपंच ने गढ़ी थाना में सूचित किये। जहां से सहायक उप निरीक्षक चंद्र कुमार अहिरवार अपने स्टाफ के साथ ग्राम खजरा के खैरो टिकरा जंगल पहुंचे। इस लड़की की मौके पर पहचान नहीं हो पाई थी।तब इस लड़की की फोटो पंचायत के व्हाट्सएप में वायरस की गई इसके बाद ग्राम सिजोरा के सुरेश मरकाम के मोबाइल पर इस लड़की की फोटो पहुंची। चुकी सुरेश मरकाम का घर शालिनी के घर से ही लगा हुआ था। सुरेश मरकाम को फोटो पहचान सी लगी और उसने रमेश पन्द्रे को बताया रमेश पन्द्रे को कपड़ों के आधार पर फोटो बेटी शालिनी के समान लगी। तब रमेश पन्द्रे अपने परिवार और गांव वालों के साथ ग्राम खजरा के खैरो टिकरा का जंगल पहुंचा जहां पर उसने इस लड़की की पहचान अंपनी बेटी शालिनी पन्द्रे के नाम से की। सहायक उप निरीक्षक श्री अहिरवार ने मौके की कार्यवाही करते हुए शालिनी का शव पेड़ से नीचे उतरवाये। दूसरे दिन 26 अप्रैल को सहायक उप निरीक्षक श्री अहिरवार ने शालिनी के शव का पंचनामा कार्यवाही पश्चात पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सोप दिए ।इस 17 वर्षी नाबालिक लड़की ने किस वजह से फांसी लगाकर आत्महत्या की अभी पूर्ण रूप से स्पष्ट नहीं हो पाया है। सहायक उप निरीक्षक श्री अहिरवार द्वारा मर्ग जांच की जा रही है।

किराये से देना है
लालबर्रा बालाघाट हाईवे रोड पर ग्राम बकोड़ा में श्री सांई फ्यूल पेट्रोल पंप से लगा हुआ 50 X 55 = 2750 फुट में बना हॉल जिसमें वर्तमान में गुरूकृपा हाईवे रेस्टोरेन्ट संचालित हो रहा है जिसका अनुबंध अप्रैल 2025 में समाप्त हो जायेगा। अतः इस हॉल को किराये पर देना है।
रेस्टोरेंट, ढाबा, टू व्हीलर, फोर व्हीलर , ट्रेक्टर एजेंसी, शोरूम इत्यादि संचालित करने हेतु इच्छुक व्यक्ति संपर्क करे।
सुविधाएं - पार्किंग, लेट बाथ, पानी की पर्याप्त व्यवस्था ।
संपर्क सूत्र - मधुसुदन शर्मा, 6267701808

प्लाट बेचना है
लांजी बस स्टेण्ड से 700 मीटर की दूरी पर लांजी-बालाघाट मेन रोड में एक प्लाट
शीघ्र विक्रय करना है
विवरण-प्लाट साईज 31×80 वर्गफिट उत्तरमुखी (2480 वर्गफिट) 5.7 डिसमिल
उत्तर में मेन रोड एवं पूर्व में 20 फिट की रोड
स्थान - विशाखा नर्सरी के सामने
संपर्क करें- विनोद स्वामी
मो. 8839825546, 9977676478

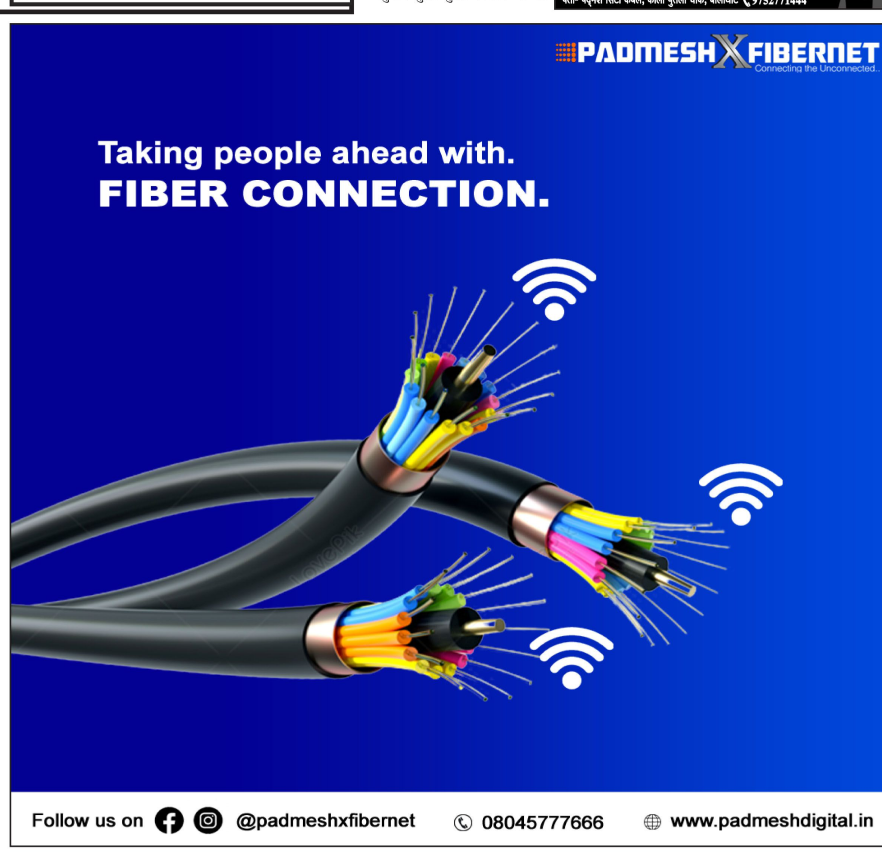

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.१, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर काली पुतली चौक, बालाघाट से प्रकाशित, संपादक- उमेश बागरेचा, मो.नं. - ९४२५१३८७१० रजि. नं. एम.पी. एच. आई. एन. /२००९/३२३११, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट